सरकार ने अदला-बदली नीलामी में वापस खरीदे 6,309 करोड़ बॉन्ड - 12

अमेरिका ने किया अनुरोध- रूसी तेल खरीद रिफाइनरियों में भेजे भारत - 12

नेपाल : सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम होंगे बालेंद्र - 13

बारबाडोस से अहमदाबाद तक : क्रिकेट में भारत के दबदबे की अभूतपूर्व दास्तान - 14

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.28
सूर्यास्त 06.18

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष सप्तमी 01:54 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 10 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 104, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ईरान जंग पर सदन में हंगामा, बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर नहीं हो पाई चर्चा

- सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में सोमवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा कराने की मांग को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के इस रुख पर अड़े रहने के कारण लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के विपक्ष के नोटिस पर चर्चा और मतदान की प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी।

सदन की बैठक दो बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद को लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अपना संकल्प रखने को कहा। इस दौरान कांग्रेस समेत विपक्ष के सदस्य पश्चिम एशिया के हालात पर सदन में चर्चा कराने की मांग करते हुए आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। कांग्रेस के सदस्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने की इजाजत भी आसन से मांग रहे थे। पीठासीन सभापति पाल ने मोहम्मद जावेद से कहा, आप केवल अपना संकल्प रख सकते हैं। आपको और कोई प्रस्ताव रखने का अधिकार नहीं है। आप आसन से यह नहीं कह सकते कि राहुल (गांधी) को बोलने दें, केसी वेणुगोपाल को बोलने दें। यह कौन सा नियम है। उन्होंने कहा, संसद की कार्यवाही में प्रति मिनट ढाई लाख रुपये खर्च होते हैं। एक दिन में नौ करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। जनता के पैसे का इस तरह आप नुकसान कर रहे हैं। आप संसद को बंधक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष ने इतने दिन पहले से लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है, लेकिन इस विषय पर चर्चा कराने की जगह अब दूसरा विषय उठाया जा रहा है।

नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में चर्चा में शामिल विदेश मंत्री एस जयशंकर।

अपने नागरिकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित प्राथमिकता : जयशंकर

- कहा- संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीयों को वापस लाया जा चुका

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संसद के दोनों सदनों में पश्चिम एशिया संघर्ष पर दिए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशियाई क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के पक्ष में है। उन्होंने एक ईरानी जहाज को भारतीय बंदरगाह पर खड़ा करने की अनुमति देने को मानवीय आधार पर लिया गया सही निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस क्षेत्र के हालात पर नजर रख रही है और संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीय नागरिकों को पहले ही वापस लाया जा चुका है। जयशंकर ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापार जैसे राष्ट्रीय हित सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में दिए वक्तव्य में कहा, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत और कूटनीति का मार्ग अपनाने का आग्रह करता है। दोनों सदनों में, जब जयशंकर वक्तव्य देने के लिए उठे तो विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर उनके वक्तव्य से पहले चर्चा होनी चाहिए।

लोस अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब दे सकते हैं शाह

नई दिल्ली। विपक्षी द्वारा लोकसभा अध्यक्ष बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को जवाब दे सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सदन में होने वाली चर्चा के दौरान अन्य वक्ताओं के अलावा सरकार की ओर से संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू भी हिस्सा ले सकते हैं।

ब्रीफ न्यूज

ईडी ने असम के पूर्व आईएएस अधिकारी की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने असम के पूर्व आबकारी सचिव और आईएएस अधिकारी इंद्रेश्वर कलिता के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में अधिक संपत्ति के मामले में धन शोधन की जांच के तहत पांच करोड़ रुपये से अधिक की अचल संपत्ति कुर्क की है। मामला मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ (सीएमएसवीसी) द्वारा कलिता के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने एक बयान में कहा कि सीएमएसवीसी के आरोप पत्र में कहा गया है कि एक मार्च 2000 से 31 दिसंबर 2018 की जांच अवधि के दौरान, कलिता के पास कुल मिलाकर 5.64 करोड़ रुपये की संपत्ति थी, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों की तुलना में 131.12 प्रतिशत अधिक थी।

मथुरा में नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, मामला दर्ज

मथुरा। मथुरा में नौहझील थाना क्षेत्र के एक गांव में दो युवकों द्वारा नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दायर कर जांच शुरू कर दी है। मांट क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक संदीप कुमार सिंह ने बताया कि यह घटना शुक्रवार शाम की है, जिसके बारे में पीड़िता ने परिजनों को शनिवार को जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने रविवार को पुलिस में शिकायत दर्ज की।

मुजतबा खामेनेई नए सुप्रीम लीडर अमेरिका-इजराइल के हमले तेज

सऊदी ने ईरान को चेताया, हमले बंद करो नहीं तो देंगे करारा जवाब

दुबई, एजेंसी

ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मुजतबा खामेनेई को सोमवार को देश का अगला शासक नामित किया गया। देश की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स ने उनका चुनाव किया है। मुजतबा (56) के देश के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड से करीबी संबंध हैं। सुप्रीम लीडर चुने जाने से भड़के अमेरिका-इजराइल ने तेहरान पर हमले तेज कर दिए हैं।

रिवॉल्यूशनरी गार्ड युद्ध की शुरुआत के दौरान 28 फरवरी को अयातुल्ला अली खामनेई (86) की मौत के बाद से इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले कर रहा है। मुजतबा को उनके पिता से भी ज्यादा कट्टर विचारों वाला माना जा रहा है। वह युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। ईरान के राजनीतिक जानकारों ने वंशानुगत तरीके से मुजतबा को सर्वोच्च नेता चुने जाने की आलोचना की है। इजराइल पहले ही कह चुका है कि मुजतबा उनके निशाने पर हैं जबकि ट्रंप ने उन्हें अस्वीकार्य बताया है। ईरान समर्थित लेबनानी उग्रवादी समूह हिजबुल्ला ने मुजतबा के समर्थन में बयान जारी किए।

वहीं, सऊदी अरब ने सोमवार को ईरान को आगाह किया कि अगर वह अरब देशों पर हमले करता रहा तो उसे अब तक का सबसे बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। सऊदी का यह बयान उस ड्रोन हमले के बाद आया, जिसमें जाहिर तौर पर उसके बड़े शायबा तेल क्षेत्र को निशाना बनाया गया।

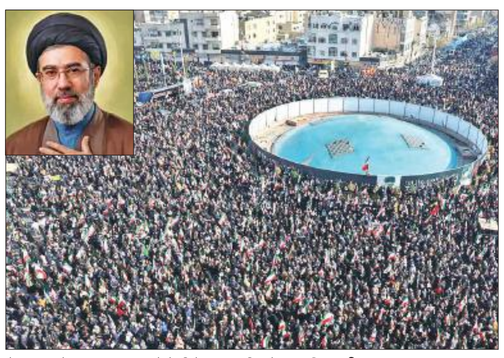
तेहरान में मुजतबा खामेनेई के समर्थन में एकत्रित भीड़।

भारत ने बहरीन में अपने नागरिकों से सतर्क रहने का किया आग्रह

दुबई। भारत ने बहरीन में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए सोमवार को एक परामर्श जारी कर क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने, उचित सावधानी बरतने और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। बहरीन स्थित भारतीय दूतावास के परामर्श में कहा गया है कि बहरीन स्थित भारतीय दूतावास सामान्य रूप से कार्य कर रहा है। फंसे भारतीय नागरिकों, विशेषकर पर्यटक या अल्पकालिक वीजा धारकों को प्राथमिकता दी जा रही है।

युद्ध जीतने के लिए ब्रिटेन की मदद की जरूरत नहीं, ट्रंप ने की आलोचना

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने मौजूदा हालात पर राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की। उधर, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा, ब्रिटेन, जो कभी हमारा महान सहयोगी रहा है, अब पश्चिम एशिया में दो विमानवाहक पोत भेजने पर विचार कर रहा है। कोई बात नहीं, प्रधानमंत्री स्टॉर्मर, हमें अब उनकी जरूरत नहीं है हम इसे याद रखेंगे। हमें ऐसे लोगों की जरूरत नहीं है जो युद्ध जीतने के बाद उसमें शामिल हों।

पुतिन ने मुजतबा को दी बधाई अटूट समर्थन देने की बात कही

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ईरान के नये सर्वोच्च नेता चुने गए अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को सोमवार को बधाई दी और तेहरान को मॉस्को के अटूट समर्थन और एकजुटता की पुष्टि की। कहा कि मुझे विश्वास है कि आप अपने पिता के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे।

कच्चे तेल में तेजी से शेयर बाजार में कोहराम, प्रमुख सूचकांक 3% तक टूटे

मुंबई, एजेंसी

- 2494.35 अंक तक फिसलने के बाद सेंसेक्स 1,353 अंक की गिरावट पर बंद
- निफ्टी 752.65 तक टूटने के बाद 422 अंक की गिरावट पर हुआ बंद

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच कच्चे तेल के भाव में तेजी से सोमवार को भारतीय बाजार में कोहराम मच गया और शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक तीन प्रतिशत तक टूट गए। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई और यह 1,352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,566.16 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान, यह 2,494.35 अंक यानी 3.16 प्रतिशत का गोता लगाकर 76,424.55 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 422.40 अंक यानी 1.73 प्रतिशत टूटकर 24,028.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 752.65 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,697.80 अंक पर आ गया था। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में हैं।

सबसे ज्यादा गिरावट वाली 10 कंपनियां क्रमशः इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, मारुति सुजुकी, लार्सन एंड टुब्रो, एक्सिस बैंक, इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और आईसीआईसीआई बैंक रहे। वहीं, इस अवधि में निवेशकों की कुल संपत्ति में लगभग 22.40 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 22,40,408.82 करोड़ रुपये की भारी गिरावट के साथ 4,41,10,262.45 करोड़ रुपये (4,780 अरब डॉलर) रह गया।

एमसीएक्स में क्रूड के भाव 26% ऊपर खुलकर 10,549 रुपये प्रति बैरल पहुंचे, देर शाम तक फिसले

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच सोमवार को वायदा कारोबार में कच्चे तेल की कीमतें 26 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ 10,549 रुपये प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में मार्च डिलिवरी वाला कच्चा तेल 2,186 रुपये यानी 26.13% बढ़कर 10,549 रुपये प्रति बैरल के अपने अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में इसका बंद भाव 8,363 रुपये प्रति बैरल था। कच्चे तेल का अप्रैल डिलिवरी वाला अनुबंध भी 2,158 रुपये यानी 26.91% बढ़कर 10,177 रुपये प्रति बैरल के नए शिखर पर पहुंच गया। इससे पिछले सत्र में इसका भाव 8,019 रुपये प्रति बैरल था। वायदा कारोबार के दौरान दोनों आपूर्ति अनुबंध अपने-अपने ऊपरी सर्किट स्तर तक पहुंच गए। चॉइस ब्रोकिंग के जिंस एवं मुद्रा विश्लेषक आमिर मकडा ने कहा कि एमसीएक्स पर कच्चे तेल का मार्च अनुबंध पहले ही ऊपरी सर्किट स्तर को छू चुका है और आने वाले सत्रों में इसकी कीमतें 11,300 रुपये प्रति बैरल तक भी जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कच्चे तेल की कीमतें वर्ष 2022 के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं। डब्ल्यूटीआई कच्चा तेल अप्रैल डिलिवरी के लिए 28.58 डॉलर यानी 31.44% बढ़कर 119.48 डॉलर प्रति बैरल हो गया। देरशाम भाव फिसल कर नीचे आ गए।

यौन हिंसा पीड़ितों के मामलों में संवेदनशीलता के नए दिशा-निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में प्रदेश सरकार ने जारी किया शासनादेश

अमृत विचारः यौन हिंसा और दुष्कर्म के मामलों में गर्भवती लड़कियों व महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने और मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रदेश सरकार ने सोमवार को सभी चिकित्सा संस्थानों व प्रशासनिक अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। अब गर्भसमापन, मेडिकल जांच और पीड़ित सहायता के लिए मानक प्रक्रिया का पालन अनिवार्य होगा। यह आदेश हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका संख्या-2751/2025 में 6 फरवरी 2026 को पारित आदेश के अनुपालन में जारी किया गया है।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया है कि यौन हिंसा से पीड़ित महिलाओं और लड़कियों के मामलों में गर्भसमापन, चिकित्सा सहायता, जांच और परामर्श से संबंधित सभी प्रक्रियाओं में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पहले से जारी एसओपी और नए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है। शासनादेश सभी चिकित्सा अधीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भेजा गया है। साथ ही पुलिस महानिदेशक, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्तर से इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराएं। पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

24 सप्ताह तक गर्भ समापन की व्यवस्था

दिशा-निर्देशों के अनुसार यौन हिंसा से गर्भवती हुई महिला या लड़की का गर्भसमापन एमटीपी अधिनियम के तहत 24 सप्ताह तक कराया जा सकता है। 20 सप्ताह तक के मामलों में जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज के स्त्री रोग विशेषज्ञ की निगरानी में प्रक्रिया पूरी की जाएगी और एफआईआर या पुलिस रिपोर्ट का इंतजार किए बिना उपचार में देरी नहीं की जाएगी। जांच से पहले लिखित सहमति अनिवार्य होगी। नाबालिग या मानसिक रूप से अक्षम पीड़िता के मामलों में अभिभावक की सहमति ली जाएगी। जांच के दौरान डीएनए साक्ष्य, नमूने और अन्य फॉरेंसिक साक्ष्य सुरक्षित तरीके से एकत्र कर 96 घंटे के भीतर जांच एजेंसी को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

शराब नीतिः केजरीवाल, सिसोदिया को नोटिस

- 21 अन्य से भी सीबीआई की याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति मामले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य लोगों को अधीनस्थ अदालत द्वारा आरोप मुक्त किये जाने के विरूद्ध सीबीआई की याचिका पर आरोपियों से उनका पक्ष बताने को कहा।

न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए अगली तारीख 16 मार्च तय की। हाईकोर्ट ने कहा कि वह निचली कोर्ट को ईडी द्वारा धनशोधन मामले की जांच पर कार्यवाही को बाद की तारीख तक स्थगित करने का आदेश देगी। सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा किए गए अनुरोध पर, उच्च न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि वह सीबीआई अधिकारियों पर अधीनस्थ अदालत द्वारा की गई 'पूर्वग्रहपूर्ण टिप्पणियों' के अमल पर रोक लगाएगी।

इटावा सफारी में शेरनी ने 4 शावकों को दिया जन्म

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- तीसरी बार मां बनी शेरनी नीरजा, पहले के पांच शावक भी पूरी तरह स्वस्थ

अमृत विचारः एशियाई शेरों के संरक्षण और संवर्धन के लिए स्थापित लॉयन सफारी पार्क में उस समय खुशी की लहर दौड़ गई, जब यहां शेरनी नीरजा ने चार शावकों को जन्म दिया। चारों शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं, और उनकी लगातार निगरानी की जा रही है।

तीसरी बार मां बनी शेरनी नीरजा ने पहले प्रसव में दो, दूसरी बार में तीन और अब चार शावकों को जन्म दिया है, इस तरह सफारी में अब उसके कुल नौ शावक पल रहे हैं। लॉयन सफारी पार्क के निदेशक डॉ. अनिल कुमार पटेल ने बताया कि शेरनी नीरजा ने रविवार रात पहला शावक 8.25 बजे, दूसरा 9.07 बजे, तीसरा 9.43 बजे और चौथा शावक 9.59 बजे पर जन्मा। नीरजा अपने नवजात बच्चों की अच्छी तरह देखभाल कर रही है। ब्रीडिंग सेंटर में लगे सीसीटीवी से उन पर नजर रखी जा रही है। सफारी प्रशासन के अनुसार शेर कान्हा और शेरनी नीरजा के बीच 18 नवंबर से 21 नवंबर 2025 के बीच मीटिंग हुई थी। इसके बाद आईवीआरआई बरेली में हुई जांच में नीरजा के गर्भवती होने की पुष्टि होने पर उसे ब्रीडिंग सेंटर में रखा गया था, जहां डॉक्टरों व कीपरों की टीम विशेष देखभाल कर रही थी। नीरजा के पहले के पांच शावक सफारी में स्वस्थ रूप से पल रहे हैं। शेरनी नीरजा का जन्म भी छह साल पहले इसी सफारी में हुआ था।

जनता दर्शन

उद्यमियों की भी आने लगी शिकायतें, जिला प्रशासन को समयबद्ध शिकायतों के निस्तारण का निर्देश

निवेश और उद्योग विकास में देरी और लापरवाही अक्षम्य : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान दो उद्यमियों ने मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि निवेश और उद्योग विकास से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों के प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) और जिला प्रशासन को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए बेहतर इकोसिस्टम तैयार किया गया है। सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम सहित कई पारदर्शी व्यवस्थाएं लागू की हैं, इसलिए उद्यमियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री स्वयं पीड़ितों के पास जाकर उनका प्रार्थना पत्र लेते रहे और उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से कहा कि निश्चिंत होकर घर जाइए, आपकी शिकायतों का नियमानुसार निस्तारण कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जिलों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का समयसीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने अवैध कब्जे के खिलाफ दिए सख्त निर्देश

कासगंज से आए एक पीड़ित ने पुलिस से जुड़ी शिकायत मुख्यमंत्री के सामने रखी और कार्रवाई में देरी की बात कही। इस पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधीक्षक को तत्काल संज्ञान लेकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एक अन्य प्रकरण पारिवारिक विवाद से जुड़ा था, जबकि अवैध कब्जे की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि ऐसे मामलों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पीड़ित को भरोसा दिलाया कि नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

किताबें पढ़ो, सोशल मीडिया का कम प्रयोग करो

जनता दर्शन में कुछ अभिभावक अपने बच्चों के साथ भी पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने बच्चों को चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में बातचीत की। एक बच्चे से मुख्यमंत्री ने कहा कि किताबें पढ़ने की आदत डालो और सोशल मीडिया का प्रयोग केवल आवश्यकता के अनुसार ही करो। उन्होंने मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने की सलाह भी दी।

न्यूज ब्रीफ

एयूएफ काजी बोर्ड के जिलाध्यक्ष के पिता का निधन, जताया शोक

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एयूएफ काजी बोर्ड के जिलाध्यक्ष व बड़ी मस्जिद के इमाम हाफिज मोहम्मद जाहिद अंसारी के पिता मोहम्मद इकबाल अंसारी का लंबी बीमारी के बाद 83 वर्ष की आयु में इंतकाल हो गया। उनके निधन पर तमाम लोगों ने दुख जताया है। महानगर के मोहल्ला अली जई निवासी हाफिज जाहिद के पिता विगत तीन माह से उपचाराधीन थे। रविवार कर रात नौ बजे उनका जिला अस्पताल में निधन हो गया। परिवार में चार पुत्र और दो पुत्रियां हैं। इकबाल अंसारी आर्डिनेंस क्लोदिंग फैक्ट्री से सेवानिवृत थे। सोमवार को सुबह 10 बजे उन्हें शोकाकुल माहौल में जंगल स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक कर दिया गया। उनके निधन पर सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां, हाफिज मोहम्मद अनीस अत्तारी, मुजीब अत्तारी, शाहनवाज कादरी, डा इरशाद हुसैन, मास्टर आजाद, जाहिद अंसारी, मोहम्मद इरशाद, मोहम्मद वाहिद, मोहम्मद नौशाद, अफवान खां समेत तमाम लोगों ने शोक जताया है।

सोने की मूर्ति बताकर दस लाख रुपये ठगे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : हरिद्वार के एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि रोजा थाना क्षेत्र के दो लोग उसके संपर्क में आए और कहा कि सोने की मूर्ति है और दस लाख रुपये में बेचना चाहते है। आरोपियों ने उसे मूर्ति देने के लिए रविवार को जमुका बुलाया। आरोपियों ने उससे दस लाख रुपये ले लिए और मूर्ति दे दी। उसने मूर्ति की सुनार की दुकान पर जांच कराई तो मूर्ति पीतल की निकली। दोनों आरोपी गायब हो गए। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

करंट लगने से बालक झुलसा, हालत गंभीर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सैजना गांव में बिजली की बंच लाइन टूटकर गिरने से आठ साल का बालक झुलस गया। झूलसे बालक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव सैजना निवासी पूर्व प्रधान जगतपाल का आठ वर्षीय पुत्र घर के बाहर दोपहर को खेल रहा था। अचानक बिजली का बंच लाइन का तार टूटकर उसके ऊपर गिर गया, जो करंट लगने से झुलस गया। उन्होंने बेटे को अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां होती है भक्ति वहां पहुंच जाते हैं भगवान

भागवत कथा में उमड़े श्रद्धालु, दूसरे दिन कथा व्यास ने कई प्रसंगों का किया वर्णन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : चित्रा टाकीज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस सोमवार को कथा व्यास डॉ. दामोदर दीक्षित ने कर्दम ऋषि की कथा का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि कर्दम ऋषि को नौ पुत्रियां नवधा भक्ति के रूप में प्राप्त हुई थीं और जहां भक्ति होती है वहां भगवान स्वयं पहुंच जाते हैं। कथा के दौरान कपिल मुनि और उनकी माता के संवाद का भी वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि संसार के साथी और सामान में सुख या दुःख नहीं होता, बल्कि यह इन्द्रियों के सापेक्ष होता है और आत्मा से उसका कोई संबंध नहीं होता, जो वस्तु मिलती है वह कुछ समय के लिए ही मिलती है और फिर छूट जाती है।

श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस प्रवचन देते कथा व्यास डॉ. दामोदर दीक्षित।

कथा व्यास ने बताया कि आसक्ति के कारण मनुष्य की आंखों पर पर्दा पड़ जाता है, लेकिन संतों की कृपा से निर्मल बुद्धि प्राप्त होती है और तब सत्य का आभास होता है। उन्होंने संतों के लक्षण बताते हुए कहा कि जो गुरु प्रदत्त मंत्र का जप सहजता से करता है, परोपकारी और करुणामय होता है वही संत कहलाता है, केवल वस्त्र पहन लेने से कोई संत नहीं बन जाता। इसके बाद ध्रुव के चरित्र का वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि राजा उत्तानपाद की दो रानियां सुनीति और सुरुचि थीं। सुरुचि अपनी सौत से ईर्ष्या करती थी और उसने सुनीति को महल से बाहर रहने को विवश कर दिया। सुनीति के पुत्र ध्रुव और सुरुचि के पुत्र उत्तम थे। एक दिन खेलते-खेलते ध्रुव दरबार में पहुंचे और अपने पिता की गोद में बैठ गए, लेकिन सुरुचि ने उन्हें अपमानित करते हुए गोद से उतार दिया। दुखी होकर ध्रुव अपनी मां के पास पहुंचे तो मां ने उन्हें जगत पिता की शरण में जाने की सलाह दी। इसके बाद ध्रुव जंगल में जाकर नारद के उपदेश से भगवान की आराधना कर उन्हें प्राप्त कर लिया। कथा के दौरान प्रियव्रत की कथा सुनाते हुए बताया गया कि ब्रह्मा ने उन्हें पहले गृहस्थ आश्रम में रहने की सलाह दी, क्योंकि काम, क्रोध और मोह जैसे विकारों पर विजय इसी आश्रम में प्राप्त की जा सकती है। जड़ भरत के प्रसंग के माध्यम से बताया गया कि उच्च कोटि के संत और तपस्वी होने के बावजूद मृगशावक के मोह में पड़कर अगले जन्म में उन्हें मृग योनि प्राप्त हुई। दया भी जब आसक्ति बन जाती है तो वह बंधन का कारण बनती है। कार्यक्रम की शुरुआत खन्ना परिवार के पुरोहित की ओर से देव पूजन के साथ हुई। इसके बाद रमेश त्रिपाठी, प्रसून त्रिपाठी और रामबली ने हनुमान चालीसा का पाठ और भजन प्रस्तुत कर प्रभु की स्तुति की। रामदुलारे त्रिगुणायत ने अयोध्या कांड की कथा में राम-केवट संवाद सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पीलीभीत से आए पंडित सुमन ने रामचरितमानस पर प्रवचन दिया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य रामानंद दीक्षित ने किया।

कथा के दौरान मुख्य यजमान कमलेश कुमार खन्ना, ध्रुवनारायन मेहरा और सुधा मेहरा ने व्यास जी अन्य विद्वानों का माल्यार्पण कर स्वागत व पूजन किया। कार्यक्रम में सोमनाथ कपूर, सरिता कपूर, जयप्रकाश खन्ना, चंद्रशेखर खन्ना, रोली खन्ना, रागिनी खन्ना, ओम खन्ना, डॉ. राम मेहरोत्रा सहित अनेक भक्तों का सहयोग रहा। कथा के अंत में आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया। कल तृतीय दिवस की कथा प्रातः 08:30 से 11:30 बजे तक और सायंकाल 03:30 से 06:00 बजे तक दोनों सत्रों में आयोजित होगी।

मशाल जुलूस को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने की बैठक

अमृत विचार : यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) की जिला इकाई की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सेवारत शिक्षकों पर टेट लागू करने के आदेश के विरोध में आगामी मशाल जुलूस को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि सेवारत शिक्षकों पर टेट लागू करने का निर्णय पूर्णतः अन्यायपूर्ण एवं शिक्षकों के हितों के विपरीत है। इस आदेश के विरोध में यूटा संगठन द्वारा प्रदेशभर में आंदोलन चल रहा है और शाहजहांपुर जनपद में भी यूटा संगठन के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकालकर विरोध दर्ज कराया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 मार्च को होने वाले मशाल जुलूस में जनपद के अधिक से अधिक शिक्षक भाग लेकर अपनी एकता और अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करेंगे। यूटा जिलाध्यक्ष विनीत कुमार गंगवार ने बताया कि 16 मार्च 2026 को खिरनी बाग से शहीद पार्क तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें जनपद के बड़ी संख्या में शिक्षक शामिल होकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

बैठक में जिला महामंत्री हरिशंकर, जिला कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज, संयुक्त महामंत्री अवनीश कुमार सिंह, जिला सोशल मीडिया प्रभारी शिव सिंह, जिला प्रवक्ता अखिलेश माथुर, जिला लेखाकार सोनपाल, उपमंत्री राघवेंद्र कुशवाहा, ब्लॉक अध्यक्ष भावलखेड़ा विधु शेखर, ब्लॉक मंत्री नितिन वर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

ओवरब्रिज की छत में दरार, हादसे की आशंका

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार : नगर के मुख्य बाईपास चौराहे पर करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए ओवरब्रिज की छत में दरार दिखाई देने लगी है। इससे किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार कई वर्षों की मेहनत और लगभग दो से तीन करोड़ रुपये की लागत से नगर के मुख्य बाईपास चौराहे पर ओवरब्रिज का निर्माण कराया गया था। बताया जा रहा है कि बाईपास चौराहे के ओवरब्रिज का निर्माण आरसीएल संस्था की ओर से कराया गया था। निर्माण के कुछ वर्षों बाद ही ओवरब्रिज की छत में दरार दिखाई देने लगी है और छत में लगा मसाला भी जगह-जगह से झड़कर गिरने लगा है। जनवरी से फरवरी के अंतिम सप्ताह तक एनएचआईटी की ओर से ओवरब्रिज के रंग-रोगन का काम कराया गया था, लेकिन

तिलहर के बाईपास चौराहे पर ओवरब्रिज की छत में दिखाई दे रही दरार।

- बाईपास चौराहे पर करोड़ों की लागत बना है ओवरब्रिज

इस संभावित गंभीर समस्या की ओर किसी भी अधिकारी का ध्यान नहीं गया। ओवरब्रिज के नीचे पूरे दिन काफी चहल-पहल रहती है और लोग धूप से बचने के लिए यहां खड़े होकर सवारी का इंतजार करते हैं। बरसात होने पर यात्री और राहगीर मोटरसाइकिल, ई-रिक्शा और साइकिल लेकर ओवरब्रिज के नीचे खड़े हो जाते हैं ताकि बारिश से बच सकें। इन परिस्थितियों में यदि कभी कोई हादसा हो जाता है तो बड़ी जनहानि होने की आशंका बनी हुई है। एनएचआईटी के प्रोजेक्ट मैनेजर अंजनी कुमार ने बताया कि ओवरब्रिज का निर्माण आरसीएल संस्था की ओर से कराया गया था। उनका काम केवल मेंटेनेंस का है। कर्मचारियों से स्थिति दिखवाकर रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेज दी जाएगी।

सीबीएसई : नौ केंद्रों पर हुई 12वीं की गणित परीक्षा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सीबीएसई 12वीं की गणित परीक्षा सोमवार को नौ केंद्रों पर हुई। परीक्षा में पंजीकृत 944 छात्रों में 931 ने परीक्षा दी, जबकि 13 छात्र अनुपस्थित रहे। सीबीएसई से जुड़े राजीव मोहन पांडेय ने बताया कि सोमवार को गणित की परीक्षा एसएसएमवी, तक्षशिला पब्लिक स्कूल, द रेनेसां एकेडमी, मारवा मॉडर्न स्कूल, माधव राव सिंधिया स्कूल, लिटिल फ्लावर स्कूल, गुरूतेग बहादुर स्कूल, केवी वन व केवी टू आदि केंद्रों पर हुई। 12वीं की एप्लाइड मैथेमेटिक्स में कुल 22 छात्रों ने परीक्षा दी। जबकि गणित की परीक्षा में पंजीकृत 922 में से 909 छात्रों ने परीक्षा दी।

- 944 छात्रों में 931 ने दी परीक्षा अनुपस्थित रहे 13 छात्र

बनेगा भूकंपीय स्टेशन, मिलेगी सटीक जानकारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : भाजपा सांसद अरुण सागर के पत्र पर केंद्रीय राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जितेंद्र सिंह ने संज्ञान लेते हुए शाहजहांपुर में नया भूकंपीय स्टेशन स्थापित करने की जानकारी दी है। सांसद की ओर से क्षेत्र में मौसम चेतावनी प्रणाली और भूकंप जैसी आपदाओं की समय रहते जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सुझाव दिया गया था। मंत्री ने पत्र के माध्यम से बताया कि राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की योजना के तहत शाहजहांपुर में नया भूकंपीय स्टेशन स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिससे क्षेत्र में भूगर्भीय गतिविधियों की सटीक निगरानी हो सकेगी।

मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान सेवाओं को मजबूत करने के लिए देश में एक व्यापक और अत्याधुनिक भूकंपीय नेटवर्क संचालित किया जा रहा है। वर्तमान में राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की

सांसद अरुण सागर।

ओर से 169 स्थायी भूकंपीय स्टेशनों के माध्यम से देशभर में भूकंपीय गतिविधियों की लगातार निगरानी की जा रही है। इस नेटवर्क को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए देशभर में 100 अतिरिक्त भूकंपीय स्टेशन स्थापित करने की योजना पर काम चल रहा है, जिसमें शाहजहांपुर को भी शामिल किया गया है। बताया गया कि इन नए स्टेशनों की स्थापना से भूकंप सेवाएं अधिक त्वरित, सटीक और व्यापक बन सकेंगी तथा आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत किया जा सकेगा। इससे जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

- राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की योजना में शाहजहांपुर किया शामिल

इसके साथ ही जिले के किसानों को अब मौसम की सटीक जानकारी और कृषि सलाह मोदीपुरम इकाई के माध्यम से सप्ताह में दो बार मंगलवार और शुक्रवार को नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। इससे किसानों को मौसम के अनुसार खेती से जुड़े निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। सांसद अरुण सागर ने इस पहल पर मंत्री जितेंद्र सिंह का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अचानक होने वाली बारिश, आकाशीय बिजली और भूकंप जैसी आपदाओं से किसानों को सबसे अधिक नुकसान होता है। ऐसे में समय पर चेतावनी और मौसम की सटीक जानकारी मिलने से किसानों और आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर को इस योजना में शामिल किया जाना जिले की सुरक्षा और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बिस्मिल टीम ने पाया प्रथम स्थान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : डीएलएड प्रशिक्षुओं की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता सोमवार को हुई। इसमें 10 चरणों और तीन टीमों में बांट दिया गया। प्रतियोगिता में बिस्मिल टीम ने 60 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी तरह से कल्पना चावला टीम को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ और रानी लक्ष्मीबाई टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेताओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। सभी सभी प्रतिभागियों से इतिहास, भूगोल राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, उत्तर प्रदेश विशेष, साहित्य, कला और विज्ञान आदि क्षेत्रों से विविध प्रकार के प्रश्न पूछे गए। इस कार्यक्रम में डीएलएड 2024 और 2025 बैच के प्रतिभागियों ने प्रतिभा किया। इस प्रतियोगिता में संदीप कुमार, प्रद्युम्न कुमार यादव, सतवीर यादव, विश्वास अवस्थी,

डीएलएड प्रशिक्षुओं की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के विजेता प्रशस्ति पत्र व स्मृतिचिन्ह के साथ। ● अमृत विचार

- डीएलएड प्रशिक्षुओं की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

सौरभ, सोनाली देवल ,संध्या गंगवार, महविश, पूजा मौर्य, श्रद्धा गुप्ता, शिखा अवस्थी, शिल्पी वर्मा, पिंकी, शिवांगी वर्मा, इंद्राक्षी वर्मा आकांक्षा सक्सेना, तान्या, अनामिका, मधु, रेनू वर्मा, साक्षी सिंह आदि ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण प्रभारी बीएल मौर्य ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डायट प्रवक्ता जमाल अख्तर, डॉ. राकेश कुमार पटेल, अजीत कुमार मिश्रा,अमन कुमार, वरुणा उपाध्याय अतुल कुमार शुक्ला, टी आर गंगवार, अंजनी कुमार भारती, अमित कुमार और सुभाष चंद्र सिंह आदि का सहयोग रहा।

कांशीराम के 92वें जन्मदिन को पीडीए दिवस के रूप में मनाएंगे सपाई

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर की बैठक

अमृत विचार : महानगर के मोहल्ला बिजलीपुरा स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर महानगर व जिला कार्यकारिणी एवं नगर विधानसभा कार्यकारिणी की मासिक बैठक हुई।

बैठक में बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम के 92वें जन्मदिवस 15 मार्च को बहुजन समाज दिवस अर्थात पीडीए दिवस के रूप में महानगर के एक लॉन में मनाने को लेकर व एसआईआर में नोटिस के निस्तारण समेत हर बूथ पर वोट बढ़ाने को लेकर विचार विमर्श किया। पूर्व चेयरमैन तनवीर खां, पूर्व मंत्री अवधेश कुमार वर्मा, पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा, सपा जिला महासचिव रणविजय सिंह यादव, सपा प्रदेश सचिव विजय सिंह, सपा महिला सभा की राष्ट्रीय सचिव गायत्री वर्मा, सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल, सपा जिला उपाध्यक्ष ओंकार सिंह, सपा जिला उपाध्यक्ष अवधेश पाल, पुवायां विधानसभा अध्यक्ष विपिन दीक्षित, सपा नेता गोपाल अग्निहोत्री, छात्र सभा के जिला अध्यक्ष प्रसून कुमार कनौजिया, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष उत्पल यादव, अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष हाफिज अंसारी आदि ने विचार व्यक्त किए।

बैठक में महिला सभा की जिलाध्यक्ष किरन कठेरिया आदि मौजूद रहे।

तमंचे के साथ वीडियो वायरल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अवैध तमंचे के साथ दो युवकों का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो में युवक तमंचे की नाल खोलते हुए दिखायी दे रहा है। एक युवक वीडियो बनाने की बात कह रहा है। यह वायरल वीडियो तिलहर क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस दोनों की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। रविवार को वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है।

न्यूज डायरी

स्कूल न जाने वाले बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराएं

शाहजहांपुर, अमृत विचार : खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार ने आउट ऑफ स्कूल बच्चों के लिए तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण विशेष प्रशिक्षण के रूप में प्रत्येक विद्यालय के एक-एक अध्यापक को नोडल बनाने के उद्देश्य दिया जा रहा है, जो कि ड्राप आउट अथवा स्कूल न जाने वाले बच्चों को चिन्हित कर उनका विद्यालय में नामांकन करने के पश्चात शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। एआरपी सुशील रस्तोगी ने बताया कि ड्रॉप आउट एवं विद्यालय न जाने वाले बच्चों को सभी विद्यालय के शिक्षक हॉउस होल्ड सर्वे के अंतर्गत शारदा पोर्टल पर जोड़ते हैं, उन्ही बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इमरान सईद खां ने बताया कि हॉउस होल्ड सर्वे के अंतर्गत चिन्हित ड्राप आउट बच्चों को कक्षा 2 से 8 तक की कक्षा मे जोड़ कर उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने एवं सामान्य बच्चों की भांति शिक्षा देने के लिए विद्यालय के अध्यापको को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में मोहम्मद लतीफ, रविंद्र सिंह एवं मनोज शर्मा का सहयोग रहा। प्रशिक्षण में नीलम, सुनीता, अजर बेगम, सोनल, अनीता, श्वेता शर्मा, मुख्तार अहमद, हिमांशु दीक्षित आदि शामिल हुए।

ईरान-गाजा हमलों पर रोष, डीएम को सौंपा ज्ञापन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : ईदगाह प्रबंध समिति की ओर से सोमवार को मुस्लिम समाज की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शहर इमाम हुजूर अहमद मंजरी ने की। वक्ताओं ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर सैय्यद अली खामेनेई की हत्या तथा ईरान के एक स्कूल पर रॉकेट हमले में 180 बच्चियों की मौत की घटना बेहद दुखद और निंदनीय है। उन्होंने इन घटनाओं की अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय से निष्पक्ष जांच कराए जाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। इसके साथ ही हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल करने की भी मांग की गई। बैठक में वक्ताओं ने गाजा पट्टी (फिलिस्तीन) में जारी हमलों को तत्काल रोकने के लिए भारत सरकार से संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से हस्तक्षेप करने की अपील की। बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। इस दौरान ईदगाह प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष राहत अली खा कुन्नू, सचिव सैयद कासिम रजा, डा तारिक अली खां, मौलाना अनीस खां, मुफ्ती राहि रजा, आफाक अली खां बच्चन आदि मौजूद रहे।

रमजान व इफ्तार की फजीलत पर डाली रोशनी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लार्ड बुद्धा एजूकेशनल एंड कल्चर सोसाइटी की ओर से बीती शाम ईदगाह रोड स्थित एक मैरिज लॉन में वरिष्ठ समाजसेवी महबूब हुसैन इदरीसी की याद में रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने मुल्क व कौम की तरक्की, गंगा जमुना तहजीब की सुरक्षा व आपसी भाईचारे के लिए दुआ की। मगरिब की अजान होते ही लोगों ने खजूर, पानी व अन्य पकवानों से रोजा इफ्तार किया। इसके बाद मगरिब की नमाज अदा की। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष व पूर्व चेयरमैन तनवीर खां, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता मुन्ना, कांग्रेस अल्पसंख्यक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अशफाक उल्ला खां, बसपा जिलाध्यक्ष उदयवीर सिंह, पार्षद तालिब खान, पार्षद मोहम्मद रजी, पार्षद शब्बन अली, आफाक उल्ला खां, शायर असगर यासिर, हमीद खिजर, जगदीश प्रसाद नेता जी, एडवोकेट सुरेश पाल सिंह, बृजेश कुमार, सुमन सिंह, अनूप कुमार, असलम खान, आमिर अली, तोता राम, शकील अहमद, शरीफ अहमद, मास्टर इश्तियाक, मास्टर अशफाक, मास्टर आसिफ बेग व अन्य सैकड़ों लोगों ने इफ्तार किया। आयोजन में फैजान हुसैन इदरीसी, अफजल हुसैन इदरीसी, एसएल गौतम का योगदान रहा।

बी पैक्स समिति के चुनाव में सुनील सिंह भदौरिया निर्विरोध अध्यक्ष

जैतीपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के कीरतपुर बिहारी गांव में स्थित नवनिर्मित बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति बी पैक्स के चुनाव संपन्न हो गए। चुनाव में सुनील सिंह भदौरिया को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इसी चुनाव में रनवीर को उपाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। चुनाव संपन्न होने के बाद समिति के संचालकों और किसानों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को बधाई दी। इस अवसर पर श्याम कृपाल, मोहन गुप्ता, सुशीला, लक्ष्मी, शांति, ब्रज कुमार गौतम, जसवंत सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

भविष्य के लिए खुद को तैयार करने का संकल्प लें महिलाएं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- महिला दिवस समारोह में बोले सीएमओ डॉ. विवेक कुमार मिश्रा
- उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया

अमृत विचार : कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी में स्थित शहीद रोशन सिंह सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन किया। समारोह में महिलाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान महिलाओं को जागरूक भी किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विवेक कुमार मिश्रा ने बताया कि विश्व में 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है।

लेकिन यह तारीख कैलेंडर पर सिर्फ एक दिन का जश्न नहीं है बल्कि हर महिला के लिए यह खुद को जागरूक करने, अपने महत्व को समझने और भविष्य के लिए खुद को तैयार करने का एक संकल्प है। सीएमओ ने कहा कि आज के इस भागदौड़ वाली जीवन में महिलाएं घर और करियर के बीच बेहतरीन तरीके से संतुलन बना रही हैं लेकिन कई बार वो इस जद्दोजहद में अक्सर खुद को पीछे छोड़ देती हैं।

एक सशक्त और आत्मनिर्भर महिला बनने के लिए यह जरूरी है कि आप केवल दूसरों का ख्याल न रखें, बल्कि अपनी सेहत, सुरक्षा और आर्थिक आजादी का भी ध्यान रखें।

समारोह में विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पीपी श्रीवास्तव, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ करन सिंह, डॉ इंदू शुक्ला, डीएचईआईओ वीरेन्द्र कुमार शर्मा, ओमांस मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

शिक्षा और निपुण मिशन पर दिया जोर

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते बच्चे। ● अमृत विचार

संवाददाता, बंडा

- बीडीओ ने उत्कृष्ट प्रधान और आंगनबाड़ी कर्मियों को किया सम्मानित

अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से ब्लॉक संसाधन केंद्र बंडा पर हमारा आंगन-हमारे बच्चे कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आरंभ खंड विकास अधिकारी विजयकांत मिश्र ने किया।

एआरपी टीम ने निपुण भारत मिशन के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक और प्राथमिक कक्षाओं की संरचना व उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी। खंड शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को पूर्व-प्राथमिक स्तर पर विभागीय शिक्षण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी विजयकांत मिश्र ने कहा कि विद्यालयों को बेहतर स्वरूप देने के लिए चल रहे मिशन कायाकल्प को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में बीडीओ ने उत्कृष्ट ग्राम प्रधान फतेहचंद्र वर्मा, आंगनवाड़ी सुपरवाइजर प्रीति गौतम और कोमल को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। साथ ही उपस्थित नौनिहालों को पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन पीटीआई वीरपाल सिंह यादव ने किया। कार्यक्रम की सफलता में एआरपी सुनील कुमार, संजीव कुमार, वीरपाल, राममूर्ति, स्नेहलता गौतम तथा शिक्षक शैलेंद्र चौहान, नरेशचंद्र श्रीवास्तव, संतोष शुक्ला, हरीश गंगवार, आदेश अवस्थी, कुलदीप शुक्ला, गुरमेल सिंह, आशीष कुमार, दुष्यंत सिंह, दीनानाथ, अदिति, प्रियंका, योगेश शर्मा, मनोज कुमार, नितिन सिंह, विक्रम सिंह और अनुपम सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

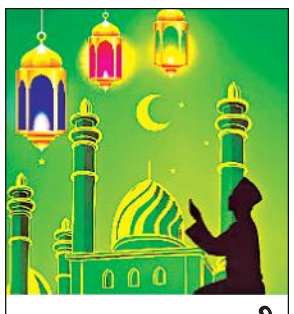

इफ्तार मंगलवार	सहरी बुधवार
सुन्नी : 06:20	सुन्नी : 05:01
शिया : 06:28	शिया : 04:54

न्यूज ब्रीफ

कब्रिस्तान में घुसे कुत्ते को बोरे में बंद करके पीटा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कब्रिस्तान में घुसे पालतू कुत्ते को बोरे में बंद कर लाठी-डंडों से पीटने का मामला प्रकाश में आया है। सोशल मीडिया पर कुत्ते को पीटने का वीडियो वायरल हो रहा है। यह मामला थाना सदर बाजार का बताया जा रहा है। एक 12 वर्षीय बालक का शिकायती प्रार्थना पत्र वायरल हो रहा है, लेकिन उसमें बालक का नाम और पता नहीं लिखा है तथा न ही हस्ताक्षर है। शिकायती पत्र के अनुसार बालक का कहना है कि शाम पांच बजे कुत्ते को टहलाने के लिए निकला था। इस बीच कुत्ता रस्सी से छूट गया था। आरोप है कि कब्रिस्तान के लोगों ने कुत्ते को बोरे में बंद कर लिया और मारना पीटना शुरू कर दिया। लोगों ने मकान की छत से वीडियो बना लिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उनके संज्ञान में नहीं है।

बंदरों के हमले में बुजुर्ग महिला गंभीर घायल

परौर, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव जरौली में बंदरों के हमले से 60 वर्षीय जमीला गंभीर रूप से घायल हो गईं। सोमवार सुबह करीब नौ बजे वह अपने घर के बाहर चारपाई पर बैठी थीं। तभी अचानक बंदरों का झुंड वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। हमले से घबराकर जमीला चारपाई से नीचे गिर पड़ीं। बंदरों ने उन्हें कई जगह काट लिया और नोंच डाला, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बंदरों को भगाया। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। लोगों में दहशत बैठी है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से बंदरों का आतंक बना हुआ है और कई बार बच्चों व बुजुर्गों पर हमले हो चुके हैं। इससे लोग परेशान है। लोगों ने प्रशासन से बंदरों की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

जनसुनवाई में महिलाओं की 18 शिकायतें

राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी ने जनसुनवाई कर दिए त्वरित कार्वाई के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी ने सोमवार को जिला शाहजहांपुर का भ्रमण कर महिलाओं की समस्याओं के समाधान और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रातः 11 बजे विकास भवन सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी जीत सिंह राय ने स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा ने अनुमति लेकर जनसुनवाई प्रारंभ कराई।

जनसुनवाई के दौरान सदस्य ने महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से सुना। सुनवाई में घरेलू हिंसा के सात, जमीनी विवाद के तीन, छेड़छाड़ का एक, अपहरण के दो, सामूहिक विवाह का एक, यौन शोषण का एक और अभद्र व्यवहार का एक सहित कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुईं। सदस्य ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना आयोग की प्राथमिकता है। जनसुनवाई के बाद बाल विवाह मुक्त भारत अभियान में जिला को चौथी रैंक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर संरक्षण अधिकारी निकेत कुमार सिंह और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर विनय शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सदस्य ने प्रेस वार्ता कर महिला सुरक्षा, सम्मान और सरकार की महिला कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी जीत सिंह राय, जिला विकास अधिकारी ऋषि पाल सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी इशिका सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद रस्तोगी, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहम्मद आसिफ, महिला थाना प्रभारी रश्मि, जिला सूचना अधिकारी बाबूराम, एसडीओ प्रभारी महेंद्र सिंह, आरती भदौरिया, ओंकार सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके बाद सदस्य ने सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण कर पीड़ित महिलाओं को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंद महिलाओं को संवेदनशीलता के साथ समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा, केंद्र प्रबंधक नमिता यादव सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

कार्यक्रम में पहुंचीं महिलाएं। ● अमृत विचार

लोगों को संबोधित करतीं महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी।

गोद भराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम कराया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विकास खंड निगोही में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहुओं और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम में श्रीजी, ज्योति, रोशनी, नाभिया, जेहरा फातिमा, आव्यारूही, आर्या, प्रिया और किंजल को बेबी किट भेंट की गई। इसके बाद आईसीडीएस विभाग की ओर से चंदा और सुनीता की गोद भराई तथा श्रेया और शिवानी का अन्नप्राशन कार्यक्रम भी कराया गया। कार्यक्रम में सुजीता कुमारी, तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा, ब्लॉक प्रमुख भानु प्रताप सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी गौरव मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद रस्तोगी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रिकबरी टीम पर हमला ट्रैक्टर छीन ले गए आरोपी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- ट्रैक्टर की किश्त बकाया होने पर वाहन जब्त करने गई थी टीम एक व्यक्ति घायल

अमृत विचार : जैतीपुर में एक बैंक की रिकबरी टीम ट्रैक्टर की किश्त बकाया होने पर वाहन जब्त करने गई थी। टीम ट्रैक्टर लेकर आ रही थी। इस बीच दबंगों ने रास्तें में रिकबरी टीम पर हमला बोल दिया। इसमें टीम का एक सदस्य घायल हो गया। आरोपी ट्रैक्टर छीनकर ले गए। रिकबरी टीम ने थाना पर तहरीर दी है।

जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव बंथरी के एक व्यक्ति ने पांच साल पहले कोटक महिन्द्रा बैंक से एक ट्रैक्टर फाइनेंस कराया था। उसने एक किश्त जमा की और उसके बाद कोई किश्त जमा नहीं की। कोटल महिन्द्रा बैंक ने उसे कई बार नोटिस दिया कि ट्रैक्टर की किश्त आकर जमा कर दो।

उसके ऊपर नोटिस का कोई फर्क नहीं पड़ा। चौक कोतवाली क्षेत्र में बरेली मोड़ पर स्थित कोटक महिन्द्र बैंक के कलेक्शन मैनेजर राजू सिंह अपनी टीम के साथ रविवार की दोपहर जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव बंथरी गांव में गए। टीम के साथ दो सिपाही भी गए। टीम ने किश्त जमा करने के लिए कहा तो उसने मना कर दिया। सिपाही कुछ देर बाद चले आए। टीम ने टैक्टर स्टार्ट किया तो स्र्टाट नहीं हुआ तो टीम उसे खींचकर लाने लगी। गांव से करीब तीन किमी दूर ट्रैक्टर मालिक अपने साथियों के साथ आ गया और टीम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

आरोपी ट्रैक्टर जबरन छीनकर ले गए। मारपीट में टीम का एक सदस्य घायल हो गया। रिकबरी मैनेजर का आरोप है कि सिपाहियों को फोन किया तो उनका मोबाइल स्वीचआफ था। ट्रैक्टर रिकबरी के लिए कोर्ट का आदेश है। आरोप है कि पुलिस ने घायल का न ही मेडिकल कराया और न ही रिपोर्ट दर्ज की है। जैतीपुर थाना प्रभारी प्रिंस शर्मा ने बताया कि तहरीर मिल गयी और मामले की जांच की जा रही है।

दहेज के लिए गर्भवती के साथ मारपीट कर घर से निकाला

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- दो लाख रुपये मांगे, पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : दहेज में दो लाख रुपये न देने वर ससुराल वालों ने गर्भवती महिला को पीटा और घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ दहेज उत्पीड़न आदि की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला सरायकाइया निवासी प्रीती राठौर ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसकी शादी एक साल पूर्व धर्मेंद्र राठौर निवासी आनंदपुरम कालोनी चौक कोतवाली के साथ हुई थी। उसके मायके वालों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था। दहेज से ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। ससुराल वालों ने उससे कहा कि मायके से दो लाख रुपये मंगाकर दो। पीड़िता से ससुराल वालों से कहा कि मायके वाले दो लाख रुपये नहीं दे पाएगे। इस बात ससुराल वाले नाराज हो गए और प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि 7 मार्च की रात ससुराल वालों ने पीटा और घर से निकाल दिया। पीड़िता चार माह की गर्भवती है, जिस कारण उसे काफी तकलीफ हो रही है। पीड़िता ने डायल 112 को फोन किया और पुलिस नहीं आयी। वह अपने मायके चली आई। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससराल वाले रखने को तैयार नहीं है। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि पति धर्मेंद्र राठौर, ससुर जै जै राम, जावित्री, ननद प्रीति, देवर तपेश्वर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न आदि की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

मारपीट में घायल ग्रामीण की अस्पताल में मौत

खुदागंज, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नौगमा निवासी कल्लू सिंह 50 की मारपीट में घायल होने के बाद इलाज के दौरान बरेली के एक अस्पताल में मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। घटना चार मार्च की दोपहर बाद की है। आरोप है कि कल्लू सिंह अपने घर के दरवाजे पर थे तभी गांव के रजीत सिंह, बिजी सिंह और सोनू सिंह शराब पीकर वहां पहुंचे और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी लोग हमलावर हो गए और कल्लू सिंह के साथ जमकर मारपीट की। कल्लू सिंह के पुत्र राम सिंह ने बताया कि आरोपियों ने उनके पिता को बुरी तरह मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और दरवाजे पर ही घायल अवस्था में छोड़कर चले गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए बरेली के एक अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान रविवार को उनकी मौत हो गई।

वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत, चालक फरार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सड़क पार करते हुए हादसा मजदूरी करके लौट रहे थे राजेश कुमार

अमृत विचार : कांट-जलालाबाद रोड पर जमुनिया दौलतपुर गांव के सामने सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मार दी। घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी है। भंडेरी गांव से मजदूरी करके अपने घर लौट रहा था। चालक वाहन लेकर भाग गया।

कांट थाना क्षेत्र के गांव जमुनिया दौलतपुर निवासी 32 वर्षीय राजेश कुमार मजदूरी करता था। रविवार को मजदूरी करने पड़ोसी गांव भंडेरी गया था। रविवार की रात नौ बजे वह भंडेरी गांव से अपने गांव पैदल लौट रहा था। कांट-जलालाबाद मार्ग पर गांव के बाहर सड़क पार कर रहा था। अचानक वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे राजेश घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को कांट सीएचसी पर लेकर गयी। जहां डाक्टर ने घायल को मृत घोषित कर दिया। चालक वाहन लेकर भाग गया। मौत की खबर से परिवार में रोना पीटना मच गया। कांट थाना एसएसआई घनश्याम बहादुर ने बताया कि युवक की सड़क पार करते समय वाहन से टकराकर मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे में दो छात्र घायल

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव नाहिल निवासी अंकुश अपने बड़े भाई शिव शंकर के साथ सोमवार की सुबह बाइक से बिलसंडा स्थित स्वामी विवेकानंद इंटर कालेज जा रहे थे। दोनों इंटर की परीक्षा देने जा रहे थे। रास्ते में ई-रिक्शा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों भाई घायल हो गए। चालक ई-रिक्शा लेकर भाग गया। सूचना पर पुवायां पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को पुवायां सीएचसी पर भेज दिया। डॉक्टर ने दोनों घायलों को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया।

सड़क दुर्घटना में सिक्योरिटी गार्ड की मौत

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार : सड़क हादसे में घर लौट रहे एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया।

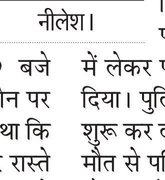

नीलेश।

गांव जुझारपुर निवासी नीलेश त्रिवेदी (25) पुत्र कृष्ण कुमार शाहजहांपुर में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। मंगलवार रात लगभग 9 बजे उनकी अपने परिजनों से फोन पर बात हुई थी। उन्होंने बताया था कि वे ड्यूटी से लौट रहे हैं और रास्ते में हैं। काफी देर तक घर न पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई। रात करीब 10 बजे तक जब वे वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान उनका शव बंडा रोड स्थित टिहरी मोड़ के पास सड़क किनारे एक खंभे के पास पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। युवक की असमय मौत से परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

पेड़ से लटका मिला बीएससी के छात्र का शव

संवाददाता, सिंधौली/शाहजहांपुर

- घर से खेत पर गया था, पुलिस कर रही जांच, घटना का कारण अज्ञात

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव रजऊ में सोमवार की दोपहर बाद युवक का शव खेत में स्थित पेड़ से लटका हुआ मिला है। मृतक बीएससी का छात्र था। खबर मिलने पर परिवार वाले मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को नीचे उतार लिया। पुलिस ने परिवार वालों से जानकारी ली। वह खेत पर बंदर भगाने की बात कहकर घर से निकला था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

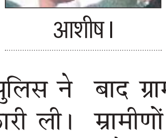

आशीष।

सिंधौली थाना क्षेत्र के गांव रजऊ निवासी 20 वर्षीय आशीष यादव बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र था। परिजनों के अनुसार सोमवार की दोपहर आशीष घर पर खाना खाने के बाद खेत में खड़ी गेहूं की फसल से बंदरों को भगाने की बात कहकर घर से निकला था। कुछ देर बाद ग्रामीण खेत की ओर गए। ग्रामीणों ने खेत पर देखा कि यूकेलिप्टिस के पेड़ पर रस्सी से आशीष का शव लटका हुआ था। इस दौरा गांव वालों की भीड़ लग गयी।

सूचना मिलने पर परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। परिवार वालों ने सिंधौली थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने आशीष के शव को पेड़ से नीचे उतारा। परिवार वालों का कहना है कि ऐसी कोई बात नहीं थी, जो फांसी लगाकर आत्महत्या करता। कुछ समझ में नहीं आ रहा है। घटना के बाद से पिता हनपाल, माता राजकुमारी देवी सहित दो छोटे भाई आकाश और आयुष का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आरती हत्याकांड में डॉक्टर ने पति को नहीं किया डिस्चार्ज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- घायल अवस्था में मेडिकल कालेज में भर्ती, एमआरआई के बाद होगा डिस्चार्ज

अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के मोहल्ला रेती निवासी मनमोहन पाण्डेय की शादी 10 साल पहले आरती निवासी जलालाबाद के साथ हुई थी। पति से मनमुटाव होने के कारण आरती अपने प्रेमी बृजदीप निवासी बृज विहार कालोनी चौक कोतवाली के पास किराए के मकान में रहने लगी थी। आरती ने तलाक का मुकदमा कोर्ट में डाल रखा था और विचाराधीन था। प्रेमी के संग रहने पर उसे बर्दाश्त नहीं हो रहा था। 04 मार्च की सुबह आरोपी पति मनमोहन पांडेय आया और प्रेमी बृजदीप के ऊपर तेजाब फेंक दिया। इस दौरान उसकी पत्नी ने पति को सिर में ईट मारकर घायल कर दिया था। आरोपी पति ने पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी थी। मृतका के भाई ने अपने बहनाई मनमोहन पांडेय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी पति मेडिकल कालेज में भर्ती है। उसका पुलिस अभिरक्षा में इलाज चल रहा है। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुलिस टीम आरोपी पति को डिस्चार्ज कराने के लिए गयी। डाक्टर ने डिस्चार्ज करने से मना कर दिया और कहा कि दो-तीन दिन में एमआरआई होगा। उसके बाद मरीज को डिस्चार्ज किया जाएगा।

फायर करने वाला आरोपी तमंचा समेत गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला आवास विकास कालोनी निवासी अजय गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 4 मार्च की सुबह 11 बजे उसके परिवार वाले घर पर मौजूद थे। मोहल्ले के आलोख सक्सेना उर्फ महेश, नवनीत और मनीष सक्सेना उसके दरवाजे पर आए। आरोपी गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे और उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी दी। सदर बाजार थाना के उप निरीक्षक कुलदीप कुमार को रविवार की रात आठ बजे सूचना मिली कि आरोपी नवनीत सक्सेना सुभाषनगर रेलवे फाटक के पास खड़ा है। पुलिस ने घेराबंदी करके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ढका मोड़ पर होटल में चोरी, कार्रवाई की मांग

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार : ढका मोड़ पर स्थित एक होटल से चोर गैस सिलेंडर, बैटरी और नकदी सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। होटल मालिक ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बंडा के गांव पिपरिया हरिश्चंद निवासी सुखपाल यादव ने पुलिस को बताया कि ढका मोड़ पर पेट्रोल पंप के पास उनका यादव रेस्टोरेंट के नाम से होटल चलता है। रोजाना की तरह वह रविवार रात होटल बंद कर घर चले गए थे। रात करीब 03:30 बजे एक कार से आए चोर होटल में घुस गए और वहां रखे दो गैस सिलेंडर, दो तौल करने वाले कांटे, एक बैटरी और गल्ले में रखे दो हजार रुपए चोरी कर ले गए। सुबह घटना की जानकारी होने पर सुखपाल यादव ने बंडा थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। वहीं आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि घटना स्थल के पास बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा और पेट्रोल पंप होने के कारण यहां पुलिस की पिकेट ड्यूटी भी लगती है। दोनों स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं। ऐसे में लोगों का सवाल है कि चोरी की घटना के समय पिकेट ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी क्या कर रहे थे।

शिक्षिका की मौत मामले में आरोपी पुलिस गिरफ्त से दूर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- आरोपी प्रखर समेत पांच लोगों के खिलाफ दर्ज की थी रिपोर्ट

अमृत विचार : चिनौर गांव की शिक्षिका संभावी शुक्ला की मौत के मामले में घटना के कई दिन बीत जाने के बाद सदर बाजार पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस ने शुरू में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हाथ-पैर मारे और अब चुपचाप बैठ गयी है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के गांव चिनौर निवासी निर्मला देवी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि छह माह पूर्व उसकी पुत्री संभावी शुक्ला ने बताया था कि प्रखर बाजपेयी निवासी चौक कोतवाली को जानता हूं। वह उसकी पुत्री से शादी करना चाहता है। उसकी पुत्री पुवायां क्षेत्र में एक स्कूल में शिक्षिका थी। उसने बेटी की शादी के सिलसिले में आरोपी के परिवार वालों से मिली थी। आरोपी के परिवार वालों ने कार और पांच लाख रुपये की मांग की थी। आरोपी उसकी पुत्री से फोन पर बराबर बातचीत करता था। उसकी पुत्री से आरोपी ने काफी नजदीक रिश्ता बना लिया था। आरोप है कि 12 फरवरी को उसकी पुत्री की आरोपी प्रखर से फोन पर कहासुनी हो जाने से कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने आरोपी प्रखर बाजपेयी समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में शुरु में हाथ पैर मारे और शांत होकर बैठ गयी। घटना के कई दिन बीत जाने के बाद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पायी है। सदर बाजार प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है और फरार चल रहे है। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी होगी।

राज्य महिला आयोग के आदेश पर एफआईआर

जलालाबाद, अमृत विचार : घर से बहाना बनाकर युवती को अपने साथ ले जाने के बाद उसके एक रिश्तेदार ने जबरन शादी कर ली। शादी करने के बाद आरोपी शराब पीकर उसके साथ मारपीट करने लगा। महिला आयोग के आदेश पर आरोपी पति समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव सीकमपुर की रीता देवी दी गई तहरीर में बताया कि करीब एक साल पहले मदनापुर क्षेत्र के हैदरपुर निवासी धर्मेंद्र उसे बहाने से बाइक पर बैठाकर अपने घर ले गया था। वहां उसकी शादी की पूरी तैयारी थी। उसकी मां सीता ने शादी का विरोध किया, लेकिन रिश्तेदार ने उसकी जबरन शादी करा दी। सीता का पति जेल में है और अकेले रहती है। पति धर्मेंद्र ने शराब पीकर उसे मारपीट करके घर से निकाल दिया था। प्रभारी निरीक्षक राजीव तोमर ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

प्रेमी के जहर खाने के बाद किशोरी ने दी जान

संवाददाता, खुटार

- प्रेमी ने एक दिन पहले किया था जहर का सेवन

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव धनसिंहपुर में जहरीला पदार्थ खाने से किशोरी की मौत के बाद सोमवार को काफी देर तक हंगामा होता रहा। परिजन आरोपी युवक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए और करीब पांच घंटे तक शव का पंचनामा भरने और पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते रहे। बाद में समझाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए, तब पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राजिनी।

गांव धनसिंहपुर निवासी जयवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि छह मार्च को गांव के ही प्रदीप पाण्डेय का पुत्र पुजेश पाण्डेय उनकी 17 वर्षीय पुत्री राजिनी को जबरन घर से ले गया था। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। बताया गया कि 8 मार्च को प्रेमी युगल वापस अपने घर लौट आए थे। इसके बाद दोनों शादी करने की जिद पर अड़ गए। इस संबंध में दोनों परिवारों के बीच पंचायत भी हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। अलग-अलग बिरादरी होने के कारण युवक पक्ष के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं हुए। बताया गया कि रविवार को पुजेश पाण्डेय ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया था। परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के बाद उसकी जान बच गई। इसके अगले दिन सोमवार को किशोरी राजिनी ने अपने घर से कुछ दूरी पर बने दूसरे घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी जुटाई। बाद में पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रवीण मलिक भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए।

उधर, किशोरी की मौत की खबर मिलते ही परिजन आरोपी युवक और उसके परिवार के लोगों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आक्रोशित हो गए। दोपहर करीब दो बजे से हंगामा शुरू हो गया और परिजनों ने पुलिस को पंचनामा भरने नहीं दिया। शाम करीब सात बजे पूर्व एमएलसी जयेश प्रसाद के फोन पर समझाने के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए। पुलिस ने आरोपी युवक के तीन परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

रोते बिलखते मृतका के परिजन। ● अमृत विचार

घर लौटने की सूचना पुलिस को नहीं दी

किशोरी के पिता जयवीर सिंह ने बताया कि आठ मार्च को युवक का भाई पारस पाण्डेय उनकी पुत्री को घर छोड़ गया था। इसके बाद दोनों अपने-अपने घरों में थे, लेकिन किसी ने भी पुलिस को इसकी जानकारी नहीं दी। उनका कहना है कि वह अपनी पुत्री को लेकर थाने जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी उसने जहरीला पदार्थ खा लिया।

धमकाने का लगाया आरोप

मृतका राजिनी के परिजनों का आरोप है कि आरोपी पुजेश पाण्डेय के पिता प्रदीप पाण्डेय रविवार रात तमंचा लेकर उनके घर पहुंचे और समझौता करने का दबाव बनाने लगे। परिजनों का कहना है कि समझौता न करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस आरोप के बाद परिवार का आक्रोश और बढ़ गया। गांव में चर्चा है कि दोनों के बीच करीब दो वर्ष से प्रेम प्रसंग चल रहा था और दोनों चोरी-छिपे मिलते भी थे। हालांकि किशोरी के परिजनों ने इस बात से अनभिज्ञता जताई है। घटना के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं और लोग मामले को लेकर अलग-अलग बातें करते दिखाई दिए।

> सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। – **श्यामवीर सिंह, थानाध्यक्ष खुटार**

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana – Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

बिना लाइन रेलवे टिकट देने पर हंगामा

टिकट घर पर तीन के स्थान पर खुल रहे दो कांउटर, कोच का दरवाजा नहीं खुलने से परेशान हुए यात्री

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : होली के समय घर पर आए लोग अब परदेश जाने की तैयारी में लग गए है। रेलवे अधिकारियों के आदेश है कि भीड़ को देखते हुए तीन टिकट घर काउंटर खोले जाए। तीन के स्थान पर दो टिकट घर खुल रहे है। बिना लाइन के रेलवे टिकट देने पर यात्रियों ने टिकट घर पर हंगामा किया। इधर, कोच के दरवाजे न खुलने पर यात्री दरवाजा पीटते रहे और उनकी ट्रेन छूट गई।

कोच का दरवाजा न खुलने पर हंगामा करते यात्री। ● अमृत विचार

तीन के स्थान पर दो काउंटर खुले हुए।

होली से पहले काफी संख्या लोग परदेश से अपने घरों को आए थे। अब होली का त्योहार खत्म हो गया और परदेश जाने की तैयारी शुरू कर दी है। पंजाब, दिल्ली और हरियाणा जाने वाले लोगों की भीड़ शाम आठ बजे स्टेशन परिसर में काफी संख्या में होती है, जबकि मंडल के अधिकारियों के निर्देश है कि होली की भीड़ को देखते हुए जनरल टिकट घर के दो काउंटर खोले जाए। टिकट घर के पास एक एटीवीएम मशीन भी लगी हुई। शाम को काफी संख्या में टिकट घर काउंटर के बाहर लोगों की भीड़ लगी रहती है। रविवार की रात 9 बजे दो जनरल टिकट घर काउंटर खुले हुए थे और भीड़ को देखते हुए तीन काउंटर खुलना चाहिए। दोनों काउंटर पर काफी लंबी लाइन लगी होती है। इस दौरान कुछ लोग बिना लाइन के काउंटर के पास पहुंच गए और टिकट लेने लगे। इस दौरान यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। यात्रियों ने बाबुओं से कहा कि बिना लाइन के आने वाले को टिकट न दिया जाए। इधर, रात में दिल्ली जाने वाली सद्भावना एक्सप्रेस, अयोध्या दिल्ली एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस में यात्री जनरल कोच के दरवाजे पहले से अंदर से बंद कर लेते है। प्लेटफार्म पर खड़े यात्री दरवाजा पीटते रहते है और दरवाजा नहीं खुलता है। कई बार यात्रियों में नोकझोंक हो गयी। दरवाजा न खुलने पर यात्रियों की ट्रेनें तक छुट जाती है। जबकि टिकट घर काउंटर, प्लेटफार्म तीन पर जीआरपी और आरपीएफ नजर नहीं आती है। इधर अधिकारियों ने सीबीएस को निर्देश दिए कि भीड़ को देखते हुए टिकट घर के तीन काउंटर खोले जाए।

टिकट घर में है पर्याप्त स्टाफ

जनरल टिकट घर में सीवीएस मिलाकर 11 का स्टाफ है। जबकि रिजर्वेशन में चार का स्टाफ है। पूछताछ कार्यालय में तीन का स्टाफ है। जो आठ-आठ घंटे ड्यूटी करते है। कर्मचारियों को बमुश्किल से छुट्टी मिल पाती है। सीनियर लोगों से पूछताछ कार्यालय में ड्यूटी करायी जा रही है। जबकि जूनियर लोग टिकट घर में ड्यूटी कर रहे है। जबकि जनरल टिकट घर में पर्याप्त स्टाफ होने के बाद तीन कांउटर नहीं खुल रहे है। पूछताछ कार्यालय में पहले टीटीई स्टाफ ड्यूटी करता था। जबकि अन्य स्टेशनों पर पूछताछ कार्यालय में टीटी और टीटीई स्टाफ ड्यूटी कर रहा है।

किसानों को दिया गन्ना बीज और अनुदान सामग्री

जलालाबाद, अमृत विचार: क्षेत्र में रोजा चीनी मिल की ओर से किसानों को गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए सहायता प्रदान की गई। अमापुर क्षेत्र के किसान विपिन यादव को मिल गेट के ग्राम सिउरा निवासी किसान अनूप सिंह के बीज अनुबंधित प्लॉट से सीओ 15023 गन्ना बीज उपलब्ध कराया गया। इसी क्रम में पैदापुर के किसान विपिन सिंह को गन्ना बुवाई के लिए ट्राइकोडर्मा और बायोपोटाश अनुदान पर प्रदान किए गए। किसानों का कहना है कि इस तरह की सहायता से गन्ने की पैदावार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

कनिष्का को प्रथम, श्रेय व लावण्या को द्वितीय पुरस्कार

● वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों ने की भागीदारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय की भारतीय ज्ञान प्रणाली समिति की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति सारथी के समन्वय में परंपरागत प्रथाओं से जुड़ाव विषय पर भारतीय ज्ञान प्रणाली ई-पोस्टर प्रतियोगिता छात्र श्रृंखला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 21 से 28 फरवरी 2026 के बीच वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज और रोहिलखंड हॉस्पिटल में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों की उपयोगिता को समझते हुए उन्हें आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़ने के प्रति छात्रों में जागरूकता बढ़ाना था।

ई-पोस्टर प्रतियोगिता में बोलते प्रतिभागी।

प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष एमबीबीएस से लेकर इंटर्नशिप तक के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। विभिन्न विभागों से 20 से अधिक ई-पोस्टर प्राप्त हुए, जिनमें भारतीय ज्ञान प्रणाली के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया गया। पोस्टरों में पारंपरिक प्रथाओं और आधुनिक चिकित्सा अवधारणाओं के बीच संबंध को समझाने का प्रयास किया गया। इनमें पोषण, जीवनशैली संबंधी प्रथाएं, निवारक स्वास्थ्य, हर्बल चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य जैसे विषय प्रमुख रहे। कई पोस्टरों में पारंपरिक अवधारणाओं और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच रोचक तुलना प्रस्तुत की गई। इनमें षट क्रिया काल और पैथोलॉजी के चरणों की तुलना, नाड़ी परीक्षण और आधुनिक पल्स परीक्षण के बीच संबंध व त्वक शरीर और त्वचा की शारीरिक परतों से जुड़े विषय शामिल रहे। इसके अलावा कुछ पोस्टरों में पारंपरिक आहार में प्रोबायोटिक्स की भूमिका और चक्रों तथा न्यूरोएंडोक्राइन तंत्र के संबंध जैसे विषय भी प्रस्तुत किए गए। इन विषयों ने छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच चर्चा को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अपने ई-पोस्टरों का प्रस्तुतीकरण किया, जिसके बाद प्रश्न-उत्तर सत्र भी आयोजित हुआ।

इससे छात्रों में जिज्ञासा और विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा मिला। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान को आधुनिक नैदानिक अभ्यास से जोड़कर समझने का अवसर दिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। कनिष्का अंटिल (2023 बैच) को प्रथम पुरस्कार मिला। श्रेय शर्मा और लावण्या वर्मा (2025 बैच) को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। तृतीय पुरस्कार संयुक्त रूप से रणवीर सिंह और रेशांत शर्मा (2024 बैच), डॉ. सौविक चक्रवर्ती और डॉ. राजश्री पराशर (एमबीबीएस इंटर्न) को प्रदान किया गया। कार्यक्रम की सराहना कुलाधिपति डॉ. केशव अग्रवाल, प्रो-कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल और डॉ. लता अग्रवाल ने की। डॉ. आरएन शुक्ला, डीन एवं प्राचार्य व उप-पंजीयक डॉ. अनिल कुमार पाल ने भी छात्रों की सक्रिय भागीदारी की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. पूर्णिमा एस. भट्ट ने किया।

छुट्टा पशुओं ने चार बीघा गेहूं किया बर्बाद

बंडा, अमृत विचार: क्षेत्र में आवारा पशुओं की समस्या से किसान परेशान हैं। ताजा मामला कुरसंडा गांव का है, जहां सिंघापुर कुरसंडा निवासी किसान सूबेदार सिंह पुत्र श्यामलाल की करीब चार बीघा गेहूं की फसल आवारा पशुओं ने चरकर नष्ट कर दी। किसान ने बताया कि सुबह खेत पर पहुंचने पर पूरी फसल बर्बाद मिली। फसल पूरी तरह खराब हो जाने के कारण उन्होंने सोमवार को मजबूरी में खेत को ट्रैक्टर से जोत दिया। ग्रामीणों का कहना है कि आवारा पशुओं के कारण किसानों को हर साल भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा पशुओं को गोशालाओं में पहुंचाने व समस्या का समाधान करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

महिला दिवस पर पैरामेडिकल कॉलेज में सम्मान और उत्साह का बना माहौल

● वरुण अर्जुन पैरामेडिकल कॉलेज में छात्राओं और महिला फैकल्टी का किया सम्मान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वरुण अर्जुन पैरामेडिकल कॉलेज में छात्रों की ओर से प्रेरणादायक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहीं महिला फैकल्टी सदस्यों और छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत केक काटकर की गई, जिसके माध्यम से महिलाओं की एकता और उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया।

वरुण अर्जुन पैरामेडिकल कॉलेज में सम्मान समारोह में शामिल छात्र-छात्राएं व शिक्षक।

इसके बाद मनोरंजक गतिविधियों के तहत बॉलीवुड गीतों पर अंताक्षरी का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। इसके साथ ही गुब्बारे फोड़ने जैसे खेलों में टीमों के बीच रोचक प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और पूरे कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बना रहा। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. राजा चटर्जी, उपप्राचार्य नेहा गुप्ता, पैथोलॉजी विभाग की डॉ. स्वाति गर्ग और क्वालिटी अधिकारी डॉ. शिवानी गुप्ता की देखरेख में आयोजित हुआ। प्राचार्य डॉ. राजा चटर्जी ने कहा कि संस्थान प्रतिभा को बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और समान अवसर उपलब्ध कराता है। उपप्राचार्य नेहा गुप्ता ने कहा कि पैरामेडिकल शिक्षा में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और ऐसे कार्यक्रम नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। डीएमएलटी और डी एक्स-रे पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के छात्रों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर काव्य पाठ भी प्रस्तुत किया गया, जिसने माहौल को भावनात्मक बना दिया। अंत में सभी ने समूह फोटो के साथ कार्यक्रम का समापन किया और आगे भी महिलाओं की प्रगति और समान अवसरों के लिए काम करने का संकल्प लिया।

रोडवेज बसों की कमी से यात्री परेशान

तिलहर, अमृत विचार: क्षेत्र में होली के बाद यात्रियों को परिवहन व्यवस्था की कमी से परेशानी उठानी पड़ रही है।

त्योहार के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घरों को लौटे थे और अब त्योहार समाप्त होने के बाद अपने काम-धंधे पर वापस जा रहे हैं। ऐसे में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की ओर से पर्याप्त बसें उपलब्ध न होने के कारण यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मजबूरी में कई लोग डग्गामार वाहनों में यात्रा कर रहे हैं, जिससे उनकी जान जोखिम में पड़ रही है। यात्रियों का कहना है कि होली जैसे बड़े पर्व के दौरान यदि परिवहन निगम की ओर से अतिरिक्त बसों की व्यवस्था कर दी जाती तो लोगों को इस समस्या से नहीं जूझना पड़ता। क्षेत्र के लोगों ने त्योहारों के समय बसों की संख्या बढ़ाने की मांग की है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और सुगम यात्रा मिल सके।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ईद-उल-फितर नजदीक आते ही बाजार में रौनक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : महानगर में ईद-उल-फितर की तैयारियों ने बाजारों को गुलजार बना दिया है। 20 या 21 मार्च को मनाए जाने वाले त्योहार के मद्देनजर पुरुष, महिलाएं और बच्चे खरीदारी में व्यस्त हैं।

ईद की नमाज के लिए नए कपड़े सबसे अधिक खरीदे जा रहे हैं। पुरुष कुर्ता-पायजामा खरीद रहे हैं और उन्हें समय रहते दर्जी को सौंप रहे हैं। महिलाएं लेडीज सूट की दुकानों में नवीनतम फैशन के सूट और मैचिंग चूड़ियां खरीद रही हैं। नमाज के लिए टोपी का विशेष महत्व है और लोग अपनी पसंद के अनुसार टोपी खरीद रहे हैं। इनकी कीमत 20 से लेकर 50, 50, 100, 125 रुपए तक है। जूते-चप्पलों की दुकानों में भी बिक्री बढ़ी हुई है, जिससे बाजार में हलचल देखने को मिल रही है। बाजार में सेवइयों और सूत फेनी की भी खूब बिक्री हो रही है। सेवइयां 70 रूपए और सूत फेनी 120 रुपये किलो बिक रही है। घर-घर में स्वादिष्ट सेवइयां के लिए आवश्यक सामग्री की खरीदारी भी जोर-शोर से हो रही है। ईद पर नमाज अदा करने से पहले कपड़ों पर ताजगी और खुशबू के लिए इत्र का विशेष उपयोग किया जाता है। बाजार में गुलाब, चमेली, चंदन, गजब, कशिश, मजमुआ और जन्नतुल फिरदौस जैसे इत्र की अधिक मांग है। इनकी कीमत 50 रूपए से लेकर 75, 100, 150 रुपए तक है। दुकानदार साजिद का कहना है कि इस बार ईद के त्योहार को लेकर बिक्री अच्छी रहने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजारों में रौनक बनी हुई है। मन्नत फैशन के यासीन खां कहते हैं कि महिलाओं को पसंद आने वाले सूटों की उनके यहां अच्छी रेंज है। ईद के इस पर्व पर बाजार में केवल खरीदारी ही नहीं, बल्कि लोगों के बीच मेलजोल और आपसी खुशियों का माहौल भी देखा जा रहा है। बाजार में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उत्साह के साथ त्योहार की तैयारियों में जुटे हैं। शहर के हर तिराहे और चौराहे पर दुकानों और स्टॉलों को सजाया गया है। बिक्री के साथ-साथ दुकानदार भी त्योहार की तैयारियों में व्यस्त हैं और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विशेष छूट और ऑफर भी दे रहे हैं।

सूट की खरीदारी को उमड़ी महिलाओं की भीड़। ● अमृत विचार

इफ्तार 10 मार्च
सुन्नी : 06.23
शिया : 06.32

सहरी 11 मार्च
सुन्नी : 05.05
शिया : 04.59

नोट : क्षेत्रानुसार सहरी और इफ्तार के समय में परिवर्तन हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

युवा कुविचारों और दुर्भावनाओं से बचें

बदायूं, अमृत विचार : अलापुर स्थित आत्माराम महाविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाकर ग्रामीणों को जागरूक किया। छात्र-छात्राओं ने मुख्य मार्गों पर साफ-सफाई की। महाविद्यालय के संस्थापक डॉ. मनीराम मिश्र ने कहा कि स्वस्थ शरीर, स्वच्छ मन और सभ्य समाज का निर्माण स्वच्छता से ही संभव है। प्राचार्य डॉ. विशेष कुमार ने कहा कि युवा को कुविचारों और दुर्भावनाओं से बचें, नागरिक कर्तव्यों का पालन करें। लक्ष्य की प्राप्ति होगी और मजबूत राष्ट्र बनेगा। कार्यक्रम अधिकारी सत्येंद्र सिंह, डॉ. अवधेश आर्य, देवेश कुमार शुक्ला, मंजू बाजपेयी, ललित कुमार, बैकुंठ नारायण सिंह आदि मौजूद रहे।

11 मार्च को आएंगी महिला आयोग सदस्य

बदायूं, अमृत विचार : जिला प्रोबेशन अधिकारी अभय कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अवनी सिंह 11 मार्च को जनपद में आ रही हैं। यहां वह लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में पीड़ित महिलाओं की सुनवाई करेंगी।

नाले में गिरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली

उझानी, अमृत विचार : उझानी से कादरचौक मार्ग पर सोमवार सुबह अनाज से लदी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली नाले में गिर गई। बताया जा रहा है कि रेलवे क्रासिंग के पास नाले में हमेशा पानी भरा रहता है। पानी पास नहीं हो पाता। हादसे के बाद यातायात प्रभावित रहा। लोगों ने कहा कि इस मार्ग पर ओवरलोडिंग बंद कराई जानी चाहिए।

आयोग सदस्य ने गोशालाओं का किया निरीक्षण

गोशाला का निरीक्षण करते आयोग सदस्य दीपक गोयल। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने बिसौली क्षेत्र की अनेक गोशालाओं का सोमवार को निरीक्षण कर सभी को चौंका दिया।

सोमवार को गो सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने बिसौली क्षेत्र की अनेक गोशालाओं का निरीक्षण किया, बिसौली आने से पूर्व क्षेत्र के मुडिया धुरेकी, फैजगंज बेहटा आदि की गोशालाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बिसौली में टंकी रोड पर बनी अस्थाई गोशाला पर पहुंचे तो नगर पालिका को उप पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पालिका कर्मी अस्थाई गोशाला पहुंचे। दीपक गोयल ने यहां ताजा हरा चारा देख कुट्टी पर सवाल किया, फर्श सेअर्श तक की व्यवस्थाएं देखीं। उपस्तिथ स्टॉक रजिस्टर को देखा यहां 43 गाय अभी हैं। मौजूदा गायों को दीपक गोयल ने गुड़ खिलाकर फूल मालाएं पहनाईं।

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए सेंसर युक्त ट्रैक पर देना होगा टेस्ट

बदायूं, अमृत विचार : बिल्सी मार्ग स्थित गांव बदरपुर के पास प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केंद्र बनकर तैयार हो गया है। जिसका संचालन मैसर्स सिंह रेडियो सर्विस की ओर से किया जाएगा। एआरटीओ प्रवर्तन व प्रशासन हरिओम ने बताया कि स्थाई ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए केंद्र स्थित ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक 16 मार्च से शुरू किया जाएगा। जिसके बाद से आवेदकों को सेंसर युक्त ड्राइविंग ट्रैक पर टेस्ट देना होगा। जो आवेदन टेस्ट में पास होगा उसका ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाएगा। चालन प्रशिक्षण केंद्र पर सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। ड्राइविंग लाइसेंस के लिए स्कूटनी व बॉयोमीट्रिक परिवहन विभाग कार्यालय से की जाएगी। जिसके बाद आवेदक को केंद्र पर जाना जरूरी होगा। नियमानुसार टेस्ट देने के बाद ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया जाएगा।

नए शैक्षिक सत्र के लिए तीस लाख किताबों के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने की थी डिमांड

स्कूल खुलते ही बच्चों को मिलेंगी किताबें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत 2.89 लाख बच्चों को नए शैक्षिक सत्र 2026-27 में समय से पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध होंगी। जनपद में अब तक 50 प्रतिशत किताबें पहुंच चुकी हैं। इनका सत्यापन चल रहा है। इस बार पहली अप्रैल से शुरू होने वाले एक शैक्षिक सत्र शुरू होने के साथ प्रत्येक बच्चे के हाथ में किताबें होंगी।

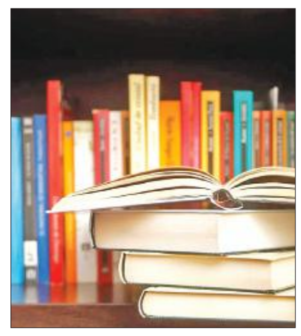

● जिले में पहुंची 15 लाख से अधिक से किताबें, हो रहा सत्यापन

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों में 2.89 लाख से अधिक बच्चे पंजीकृत हैं। परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को नए शैक्षिक सत्र के दौरान नई किताबें नहीं मिल पाती थीं। जिसके कारण शिक्षण कार्य प्रभावित होता था। साथ ही बच्चों को भी दिक्कत होती थी। लेकिन इस बार 20 फरवरी के बाद ही नई किताबें बेसिक शिक्षा विभाग में पहुंचनी शुरू हो गई हैं। डीसी सामुदायिक शिक्षा पीसी श्रीवास्तव ने बताया कि वर्तमान शैक्षिक 2025-2026 2.89 लाख बच्चे परिषदीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। बच्चों की संख्या के सापेक्ष तीस लाख किताबों की मांग की गई है।

अब तक 15 किताबें आ चुकी हैं। अभी 15 लाख किताबें और आनी है। शेष किताबें भी सप्ताह भर में आ गई हैं। अब तक प्राप्त होने वाली किताबों को नवादा स्थित गोदाम में रखा गया है। इनका सत्यापन चल रहा है। शेष आने वाली किताबों का भी समय पर सत्यापन कराने के बाद ब्लॉकों पर भेज दिया जाएगा। ब्लॉक स्तर से ही किताबों को स्कूलों में भेजा जाएगा। जिससे सत्र शुरू होते ही बच्चों में किताबों का वितरण कराया जा सके।

कक्षा चार में भी लागू हुई एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें

इस वर्ष से कक्षा चार में भी एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें लागू की जा रही हैं। इससे पूर्व कक्षा और दो में एनसीईआरटी की किताबें लागू की गई थी। चल रहे वर्तमान शैक्षिक सत्र में एनसीईआरटी की किताबें कक्षा तीन के बच्चों को दी गईं। अब कक्षा चार में भी एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया गया है।

> नई किताबें आने लगी हैं। अब तक करीब 50 प्रतिशत से अधिक किताबें आ चुकी हैं। किताबों का सत्यापन कराया जा रहा है। एक अप्रैल से शुरू हो रहे नए शैक्षिक सत्र में परिषदीय स्कूलों में नामांकित बच्चों को समय से किताबों उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि उन्हें पढ़ाई करने में दिक्कत न हो।
>
> **-वीरेंद्र कुमार सिंह,** बीएसए।

आधार कार्ड न होने पर नहीं मिल रहा इलाज

ऑनलाइन पर्चा बनवाने में आधार और मोबाइल नंबर की अनिवार्यता के चलते मरीजों की लगी भीड़

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला अस्पताल में अब शासन के निर्देश पर सोमवार से ऑन लाइन पर्चे बनाने शुरू हो गए। ऑनलाइन पर्चा बनवाने में आधार कार्ड और मोबाइल नम्बर की अनिवार्यता के चलते मरीजों की भारी भीड़ लगी रही। आज से एक पर्चा ही सभी जगह काम आएगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होने से मरीजों की परेशानी बढ़ गयी है। जिससे पर्चा काउंटर पर मारामारी शुरू हो गयी है।

राज्य सरकार ने दो महीना पहले ऑनलाइन पर्चे बनाने के निर्देश दिए थे। लेकिन अस्पताल में पर्चा काउंटर पर नाम पता पूछ कर पर्चा बनाए जाते थे। इस व्यवस्था पर शासन ने सख्ती शुरू कर दी जिसके बाद सोमवार से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया गया। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में मरीज का आधार कार्ड और मोबाइल नंबर जरूरी है। यदि

पर्चा काउंटर पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

आधार कार्ड नहीं है तो मरीज का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। पहले दिन सैकड़ों मरीज बिना आधार कार्ड के आए उन्हें वापस कर दिया गया। जो मरीज आधार कार्ड लेकर आए उनका पर्चा बना दिया गया। जिला अस्पताल प्रशासन की ओर से कहा गया है कि अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर दिया गया है। ऑनलाइन बना हुआ पर्चा पूरे अस्पताल में मान्य होगा। अब दूसरा पर्चा बनवाने की जरूरत नही होगी।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि एक मरीज का ऑनलाइन पर्चा बनाने में करीब पांच मिनट

● ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होने से मरीजों की बढ़ी परेशानी

का समय लगता है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने वाले मरीज एक सप्ताह तक एक पर्चे से दवा ले सकेंगे। उसके बाद मरीज को फिर से ऑनलाइन पर्चा बनवाना होगा।

सोमवार को मरीजों की संख्या अधिक रहती है इसलिए पर्चा काउंटर पर दो लाइनों में महिलाओं को लगाया गया जबकि दो में पुरूषों को लगा कर पर्चे बनवाए गए। इसलिए दोपहर एक बजे के बाद तक पर्चा काउंटर पर भीड़ रही। अब ओपीडी में डॉक्टर भी दो बजे तक ही बैठेंगे। क्योंकि देर से पर्चा बनने के कारण मरीजों को देर होगी इसलिए डॉक्टरों को दो बजे तक बैठने के निर्देश दिए गए हैं।

पूरे अस्पताल में एक ही पर्चा होगा मान्य

बदायूं, अमृत विचार : जिला अस्पताल में अब आज से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया गया है। एक जगह पर पर्चा बनवाने के बाद मरीज कहीं से भी दवा ले सकेगा। अब तक यूनानी और आयुर्वेदिक में मरीजों को अलग अलग पर्चा बनवाने पड़ते थे लेकिन आज से केवल एक जगह से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराने के बाद यूनानी, होम्योपैथिक, या फिर आयुर्वेदिक अस्पताल में अलग से पर्चा नहीं बनवाना होगा। एक पर्चे से हर जगह दवा मिल सकेगी। इससे मरीजों का समय भी बचेगा और जल्द दवा मिल सकेगी। इस व्यवस्था से कुछ दिक्कत तो है मगर बाद में मरीज को सुविधा होती है। जिला अस्पताल में अब मरीज सुबह आठ बजे से लाइन में लग कर पर्चा बनवा सकेंगे।

जिला अस्पताल से सौ से अधिक मरीज लौटे

सोमवार को पहले दिन सौ से अधिक मरीज बिना रजिस्ट्रेशन कराए वाप लौट गए। उनके पास आधार कार्ड नहीं थे। आधार कार्ड नहीं होने के कारण उनका रजिस्ट्रेशन नहीं हो सका। कुछ मरीजों के पास अपने मोबाइल नहीं थे इसलिए उन्हे वापस लौटना पड़ा। जबकि कुछ मरीजों ने दूसरों के आधार कार्ड और मोबाइल नंबर देकर रजिस्ट्रेशन कराया। लेकिन अब सख्ती के चलते मरीज खुद ही आधार कार्ड लेकर आएंगे तभी उनका पर्चा बनेगा।

> ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होने से जिला अस्पताल की स्थिति शासन भी देख सकेगा। किस दिन कितने मरीज आए यह सब ऑनलाइन होगा तो स्टेट को अलग से रिपोर्ट देने की जरूरत नहीं होगी। इसलिए इस सुविधा को लागू किया गया है। हालांकि अभी कुछ दिन तक लोगों को दिक्कत होगी बाद में सब नियमों का पालन करने लगेंगे।
>
> **-डा. अमित वार्ष्णेय,** सीएमएस, जिला अस्पताल।

लू से बचाव को प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आने वाले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना व्यक्त की जा रही है। लू से बचाव को जिला आपदा प्रबंधन ने लोगों को एडवाइजरी जारी करते हुए कुछ सुझाव दिए हैं।

जिला प्रशासन द्वारा दिए गए सुझावों में लू से बचने को पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, तरल पदार्थ का सेवन करें,छाछ नीबू पानी और आम के पना का सेवन करते रहें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें, सिर को ढकें, तेज धूप में छाता का प्रयोग करें। लू से प्रभावित व्यक्ति को लिटा कर गीले कपड़े से पोंछे, नहलाएं और चिकित्सक से संपर्क करें। जिला प्रशासन ने लू लगने के लक्षणों की जानकारी देते हुए बताया कि यदि कमजोरी लगे, सिर दर्द हो, उल्टी महसूस हो, तेज पसीना आए और झटके लगें तो लू के संकेत होते हैं ऐसे में चिकित्सक से संपर्क करें।

● आने वाले कुछ दिनों में लू चलने की संभावना जताई

सुझाव में कहा गया है कि बीमार व गर्भवती महिलाओं को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

दोपहर को तेज धूप से बचें, यात्रा करते समय पीने का पानी साथ रखें, ओआरएस का घोल, नारियल पानी, लस्सी व चावल का प्रयोग अधिक करें। बच्चों और पालतू जानवरों को बंद गाड़ियों में न छोड़ें, अधिक समय तक घर में रहें, संतुलित, हल्का भोजन लें, वासी पदार्थ से बचें, आपात स्थिति से निपटने को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें, पशुओं को छाया में बांधे, उन्हें अधिक से अधिक पानी पिलाएं, ठंडा पानी ढक कर रखें हर समय पानी पीते रहें तभी लू से बचा जा सकता है। अपर जिलाधिकारी डा. वैभव शर्मा ने उक्त सुझावों का पालन करते रहने की सलाह दी है।

केयर टेकर को उचित मात्रा में दाना व चोकर देने के निर्देश

गाय की पूजा करते आयोग के सदस्य ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल के द्वारा सोमवार को गौ आश्रय स्थलों की औचक निरीक्षण किया। उनके द्वारा निरीक्षण में गौ आश्रय स्थलों की व्यवस्थाएं देखी गईं। इस दौरान उन्होंने गाय की सेवा कर गुड खिलाया। आयोग से सदस्य द्वारा नगर पालिका बिसौली गौशाला का निरीक्षण किया। यहां उन्हें 43 गोवंश संरक्षित मिले। साफ सफाई ठीक पाई गई। नगर पालिका वजीरगंज के कान्हा गोवंश आश्रय स्थल और वजीरगंज के ग्राम गुठेला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में 95 गोवंश संरक्षित पाए गए। जिसमें 45 न एवं 50 मद गोवंश पाए गए। गो आश्रय स्थल में अन्य समस्त व्यवस्थाएं साफ सफाई ठीक पाई गई उनके द्वारा केयर टेकर को उचित मात्रा में दाना एवं चोकर देने के निर्देश दिए।

स्कूल में नमाज पढ़ने के मामले में बीएसए को सौंपी जांच रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: अंबियापुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव रिसौली स्थित उच्च प्राथमिक स्कूल में नमाज पढ़ने का मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। स्कूल में नमाज पढ़े जाने की बात शासन स्तर तक पहुंची थी। इसके बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। बीएसए ने दो सदस्यीय टीम गठित कर जांच के आदेश कर दिए। सोमवार को गठित टीम ने स्कूल पहुंचकर ग्रामीणों और बच्चों व शिक्षकों के भी बयान दर्ज किए हैं। जांच रिपोर्ट बीएसए को मिल गई है। बताया जा रहा कि इस प्रकरण में शिक्षकों की भूमिका संदिग्ध है। संदिग्ध भूमिका वाले शिक्षकों पर गाज गिरेगी। होने वाली कार्रवाई से शासन को भी अवगत कराया जाएगा।

● संदेह के घेरे में शिक्षक, टीम ने ग्रामीणों और बच्चों के लिए बयान कार्रवाई लगभग तय

रिसौली के उच्च प्राथमिक विद्यालय में नमाज पढ़ने से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। हिन्दू संगठनों ने इस मामले की शिकायत बेसिक शिक्षा अधिकारी से की थी। प्रकरण शासन तक पहुंचा था। मामला अधिक संवेदनशील होने पर बीएसए ने बीईओ समरेर के नेतृत्व में दो सदस्यीय टीम गठित कर जांच के आदेश कर दिए। सोमवार को टीम ने स्कूल पहुंचकर जांच की। अधिकारियों ने स्कूल के बच्चों के बयान दर्ज किए। बच्चों के साथ अधिकारियों ने विद्यालय के स्टाफ सदस्यों के भी बयान लिए।

> स्कूल में नमाज पढे जाने का मामला संवेदनशील है। जांच कराई गई है। रिपोर्ट मिल गई है। रिपोर्ट देखने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी।
>
> **-वीरेंद्र कुमार सिंह,** बीएसए।

इसके अतिरिक्त, पांच ग्रामीणों के बयान लिखित रूप में दर्ज किए गए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिन के भीतर विद्यालय का पूरा स्टाफ नहीं बदला गया, तो वे स्कूल नहीं खुलने देंगे।

ग्रामीणों का आरोप है कि स्कूल स्टाफ की गुटबाजी से बच्चों का भविष्य खराब हो रहा है। जांच के दौरान ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए चौकी पुलिस बल मौजूद रहा। जांच के बाद रिपोर्ट बीएसए को सौंप दी गई है। बताया जा रहा है स्कूल में नमाज पढ़े जाने के मामले में शिक्षकों की भूमिका संदिग्ध है। संदिग्ध भूमिका वाले शिक्षकों पर गाज गिर सकती है।

दोषी शिक्षकों पर कार्रवाई करने की मांग

रिसोली उच्च प्राथमिक स्कूल में नमाज पढ़े जाने के मामले को लेकर विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी सोमवार को बीएसए से मिल। उन्होंने पूरे घटनाक्रम से बीएसए को अवगत कराया। साथ ही दोषी शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई किए जाने मांग करते हुए शिकायती पत्र सौंपा। चेतावनी भी दी कि अगर दोषी शिक्षकों पर कार्रवाई नहीं की गई तो वह बेसिक शिक्षा कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। बीएसए से मिलने वालों में विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री विनय प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष नीरज रस्तोगी, अरविंद शर्मा, नीरज कोचर, राजेश बाबू, नीरज शर्मा आदि लोग शामिल रहे।

बीएसए से वार्ता करते विहिप के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

गाली देने के विरोध पर दंपती को पीटा

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव वनबेहटा निवासी दयाराम ने तहरीर देकर बताया कि गांव के कुछ लोग उनके बेटे अंकित कुमार के साथ मारपीट कर रहे थे। शोर सुनकर जब वह और उनकी पत्नी जलधारा मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे। हमलावरों ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में दयाराम और उनकी पत्नी जलधारा के सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

दयाराम के बेटे अंकित कुमार का आरोप है कि गांव के कुछ लोग गाली-गलौज कर रहे थे। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी और बाद में उनके माता-पिता पर भी हमला कर दिया। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। मामले में तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन का द्वार बंद होने से बढ़ी परेशानी, पार्किंग से जाएंगे यात्री

● निर्माण कार्य के चलते बंद किया मुख्य गेट, 20 मार्च तक पूरा करने के निर्देश, यात्री परेशान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट का निर्माण कार्य काफी दिनो से किया जा रहा है। अब निर्माण कार्य के चलते मुख्य गेट से यात्रियों के आने जाने पर रोक लगा दी गयी है।यात्रियों को पार्किंग से होकर रास्ता दिया गया है। रास्ता बदल जाने से यात्रियों को दिक्कत हो रही है। रेलवे प्रशासन ने बीस मार्च तक मुख्य गेट का निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

रेलवे स्टेशन पर पिछले तीन साल से सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। प्लेटफार्म एक और दो को नया और आधुनिक बनाया गया है। लम्बाई चौड़ाई बढ़ा दी गयी है। नई बेंच और टीन शेड लगाए गए हैं जिससे यात्रियों को किसी तरह की दिक्कत न हो। सौंदर्यीकरण में रेलवे के मुख्य गेट को ऊंचा करना और आधुनिक बनाना भी शामिल है इसलिए करीब एक महीने से रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट को तोड़ा जा रहा है। मुख्य गेट को आगे से बनाया जा रहा है। इसके लिए कार्यदायी संस्था ने मुख्य गेट से यात्रियों के आने जाने पर रोक लगा दी है। यात्रियों को अंदर बाहर आने को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक से रास्ता दिया गया है जो

रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट पर किया जा रहा निर्माण।

रेलवे यात्रियों को इशारा करता तीर का निशान। ● अमृत विचार

> रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट का निर्माण कार्य चल रहा है इसलिए मुख्य गेट से आम रास्ता बंद कर दी गयी है। इसके लिए अब पार्किंग से यात्रियों को आने जाने को रास्ता दिया गया है। यात्री इधर से गुजर रहे हैं। बीच मार्च तक मुख्य गेट बन कर तैयार हो जाएगा उसके बाद रास्ता खोल दिया जाएगा।
>
> **-अफसर हुसैन,** स्टेशन मास्टर।

पार्किंग से होकर यात्री बाहर आ सकेंगे। यात्रियों की सुविधा के लिए आरपीएफ पुलिस चौकी के निकट तीर का निशान बना दिया गया है जिससे यात्रियों को रास्ता मिल सके।

रेलवे प्रबंधन के अनुसार मुख्य गेट तैयार करने को 20 मार्च तक का समय दिया गया है। ठेकेदार को हर हाल में 20 मार्च तक मुख्य गेट बनाना है। इसके लिए रात दिन काम चल रहा है। बताया कि यात्रियों को मुख्य गेट से आने जाने में दिक्कत नहीं होती है। बल्कि इधर उधर से आना जाना कठिन काम है। हालांकि रेलवे कर्मचारियों को यात्रियों की सुविधा को स्टेशन पर लगाया गया है जो उन्हे बाहर जाने को रास्ता बताते हैं। प्लेटफार्म दो से आने वाले यात्रियों की सुविधा को कर्मचारी लगाए गए हैं जो उन्हे इसी रास्ते से बाहर तक पहुंचाते हैं।

तीसरे दिन भी बनी रही पानी की किल्लत

रेलवे स्टेशन पर सोमवार को चौथे दिन भी पानी की किल्लत रही। ओवरहेड टैंक से पानी नही मिल पा रहा है जिससे यात्रियों को पेयजल की दिक्कत हो रही है। ओवरहेड टैंक भरने वाला बोरिंग फेल हो गया है जिससे रेलवे स्टेशन पर पानी नहीं पहुंच रहा है। साथ ही रेलवे कर्मचारियों के आवासों में भी पानी की समस्या बनी हुई है। रेलवे अधिकारियों की मांग पर नगर पालिका के टैंकर पानी पहुंचा रहे हैं। बोरिंग रिबोर कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। संभवत एक सप्ताह में रीवोर होकर जलापूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

बंदरों के आतंक से कर्मचारी और यात्री परेशान

रेलवे स्टेशन पर बंदरों के आतंक से यात्री और कर्मचारी परेशान हैं। कर्मचारियों का कहना है कि कुछ दिन पहले यहां पर सौ से डेढ़ सौ बंदर थे लेकिन अब तीन सौ से चार सौ बंदरों का झुंड हर समय बना रहता है। बंदर यात्रियों का सामान मोबाइल झपट लेते हैं। बच्चों को घेरते हैं। उन पर हमले करते हैं। बंदरों से निजात के लिए वन विभाग को पत्र लिखा गया था मगर वन विभाग ने बंदरों के मामले से पल्ला झाड़ लिया। अब रेलवे प्रशासन डीएम को पत्र लिख कर बंदरों को पकड़वाने की मांग करेगा। दोनो प्लेटफार्म पर बंदर यात्रियों को मुसीबत का कारण बने हुए हैं। हर दिन यहां बंदरों के आतंक का शिकार होना पड़ रहा है।

कहासुनी के बाद मारपीट में तीन घायल

बिल्सी, अमृत विचार : कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव अंबियापुर निवासी आशुतोष ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोगों से उनकी मामूली कहासुनी हो गई थी। इसी बात को लेकर अंबियापुर चौराहे पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई।

इस दौरान आशुतोष और अतुल को चोटें आईं। वहीं दूसरे पक्ष के एक युवक को भी इस मारपीट में चोट आई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्सी भेज दिया। कोतवाल मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है और तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यकता है
अनुभवी व्यक्तियों की
● ओ.टी. टेक्नीशियन
● लैब टेक्नीशियन
● पी.आर.ओ (पब्लिक रिलेशन आफिसर)
● कंप्यूटर ऑपरेटर
वेतन योग्यतानुसार
सम्पर्क करें
एच.आर. ऑफिस एडमिन ब्लाक
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
एन.एच.-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक
मो. 7521001986

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic
* पतले-दुबले
* गाल पिचके
* कमजोर स्त्री-पुरुष
* मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।
चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।
किसी भी प्रकार का नशा जैसे शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।
स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना
वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :- 8 मार्च 2026, रविवार 22 मार्च 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

इंटरमीडिएट के विद्यार्थी दे सकेंगे एक विषय की इंप्रूवमेंट परीक्षा

नई व्यवस्था शुरू की जानकारी से इंटर की परीक्षा दे रहे छात्र-छात्राएं काफी खुश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद विद्यार्थियों की सुविधा के लिए नियमों में परिवर्तन कर रहा है। अब इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए राहत दी है। इंटरमीडिएट के विद्यार्थी भी अब इंप्रूवमेंट परीक्षा दे सकेंगे। यह व्यवस्था नए शैक्षिक सत्र से लागू हो जाएगी। नई व्यवस्था शुरू की जानकारी से इंटर की परीक्षा दे रहे छात्र छात्राएं काफी खुश हैं।

किसी एक विषय की परीक्षा छूटने, कम नंबर आने या फिर एक विषय में फेल होने पर विद्यार्थियों को निराश होना पड़ता था। अब तक बोर्ड इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को सिर्फ स्क्रूटनी की सुविधा देता था। इस व्यवस्था के चलते वह अपनी कॉपी चेक कराने के लिए तो आवेदन सकते थे, लेकिन परीक्षा नहीं दे पाते थे। जिसके कारण तमाम ऐसे जिन्हें कम नंबर मिले या, एक विषय की परीक्षा छूट जाने से फेल हो गए, उन्हें निशान होना पड़ता और गलत कदम उठा लेते थे।

- **एक विषय की परीक्षा छूटने या कम अंक आने पर दे सकेंगे परीक्षा**

> इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए बोर्ड की ओर से यह व्यवस्था लागू की है। बोर्ड का यह अच्छा प्रयास है। इस व्यवस्था का इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को भी काफी लाभ मिलेगा। इस बार की बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले विद्यार्थी अप्रैल माह में जारी होने वाले परिणाम के बाद इस व्यवस्था का लाभ उठा सकते हैं।
>
> **लालजी यादव**, डीआईओएस।

विद्यार्थियों की इन्हीं परेशानियों के चलते माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से नियमों में बदलाव करते हुए इंप्रूवमेंट परीक्षा की व्यवस्था की है। डीआईओएस ने बताया कि इंटरमीडिएट में इंप्रूवमेंट परीक्षा शुरू होने से छात्रों को सुविधा मिलेगी। कई बार छात्र बीमार होने या किसी कारण से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाते। ऐसे में उन्हें अंक सुधार का अवसर मिलना उनके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगा।

बताया कि नई व्यवस्था नए शैक्षिक सत्र में लागू होगी। जिसका लाभ बोर्ड परीक्षा में बैठने वाले 30576 विद्यार्थियों को मिलेगा। इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा देनी शीतल पाल, सत्यवीर, लोकेश और भानू प्रताप ने बताया कि कई बार किसी छात्र खराब स्वास्थ्य या अन्य कारणों से परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाते, जिससे उनके अंक कम रह जाते हैं। ऐसे में सुधार का यह अवसर महत्वपूर्ण होगा।

यूपी बोर्ड में अब तक लागू थी यह व्यवस्था

माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से साल 2020 के दौरान इंटरमीडिएट में कंपार्टमेंट परीक्षा की व्यवस्था लागू की थी। इस व्यवस्था के तहत यदि कोई विद्यार्थी एक विषय में फेल होता था, तो वह कम्पार्टमेंट परीक्षा देकर उसी विषय में पास हो सकता है। इससे पहले ऐसी स्थिति होने पर विद्यार्थी को सभी पांच विषयों की परीक्षा दोबारा देनी पड़ती थी। हाईस्कूल में इम्प्रूवमेंट और कम्पार्टमेंट की सुविधा पहले से लागू है। अब नई व्यवस्था से इंटरमीडिएट के विद्यार्थी भी कम अंक आने पर भी इंप्रूवमेंट परीक्षा दे पाएंगे।

पहले से ही लागू हैं सीबीएसई और सीआईएससीई में यह व्यवस्था

डीआईओएस ने बताया कि यूपी बोर्ड से पूर्व सीबीएसई और सीआईएससीई बोर्ड यह व्यवस्था पहले से ही लागू हैं। इन बोर्ड के विद्यार्थी कम अंक आने पर इंप्रूवमेंट की परीक्षा के लिए आवेदन करते आ रहे हैं। इन बोर्ड में छात्र दो-दो विषयों में इंप्रूवमेंट परीक्षा दे सकते हैं।

युवक ने विषाक्त पदार्थ खाया अस्पताल में मौत

बदायूं, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ब्राह्मपुर निवासी शिव कुमार साहू (30) पुत्र लक्ष्मी नारायण साहू किराना की छोटी सी दुकान चलाते थे। उनके परिजनों के अनुसार चार दिन से उनका पत्नी से विवाद चल रहा था। रविवार की शाम वह दुकान पर थे। फोन पर उनका पत्नी से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। वह दुकान बंद करके घर चले ले गए।

घर जाकर फिर से पत्नी से विवाद हो गया। कुछ ही देर के बाद युवक ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। कुछ देर के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। परिजन युवक को अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने रेफर किया। युवक को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान सोमवार सुबह युवक ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कारण स्पष्ट न होने पर बिसरा प्रिजर्व किया गया है।

कोल्ड स्टोर फुल, आलू किसानों का हुआ सम्मान

आलू किसानों को फूल माला पहनाकर सम्मानित करते कोल्ड स्टोर मालिक।

संवाददाता, इस्लामनगर

- **कोल्ड स्टोर मालिक ने माला पहनाकर किया सम्मानित**

अमृत विचार : बिसौली रोड स्थित हेमपुर गांव के निकट कोल्ड स्टोर के पूरी तरह भर जाने पर कोल्ड स्टोर मालिक ने आलू किसानों को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया।

सोमवार को कोल्ड स्टोर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में आलू किसानों को बुलाया गया। कोल्ड स्टोर मालिक हर्षवर्धन उर्फ मयंक ने किसानों का माल्यार्पण कर तथा मिठाई खिलाकर उनका आभार व्यक्त किया।

कोल्ड स्टोर मालिक ने कहा कि किसानों के सहयोग और विश्वास की वजह से ही कोल्ड स्टोर पूरी तरह भर सका है। उन्होंने किसानों को धन्यवाद देते हुए भविष्य में भी बेहतर सुविधाएं देने का भरोसा दिलाया।

इस मौके पर किसानों और गणमान्य लोगों का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में दशरथ यादव, प्रेमपाल प्रजापति, विपिन कुमार सिंह, सलमान, सौरभ, गौरव, कृष्ण सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान किसानों ने भी कोल्ड स्टोर की व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के किसानों को अपनी फसल सुरक्षित रखने में काफी सहूलियत मिलती है।

बाल विवाह के खिलाफ किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता रैली निकालती महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की पहल पर 100 दिवसीय जागरुकता अभियान के तहत जिले के गांवों व कस्बों में बाल विवाह के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। बाल विवाह मुक्ति रथ की यात्रा के समापन पर काशी समाज शिक्षा विकास संस्थान ने कहा कि जिस तरह लोगों में उत्साह देखने को मिला है उससे लगता है कि उनके प्रयासों को पंख मिल गए हैं।

जिले में बाल विवाह मुक्ति रथ को राज्य मंत्री गुलाबो देवी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। 30 दिनों में बाल विवाह मुक्ति रथ ने जिले में 2650 किलोमीटर यात्रा की। यह रथ 525 गांवों तक पहुंचा और 30 हजार लोगों को बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ा। शिक्षण संस्थानों से 20,हजार छात्र-छात्राओं एवं शिक्षण संस्थानों के स्टाफ को बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ा।

- **बाल विवाह मुक्ति रथ यात्रा के समापन पर लोगों में दिखा उत्साह**

कासी समाज शिक्षा विकास संस्थान के निदेशक सचिव मीना सिंह ने बाल विवाह के खिलाफ इस 100 दिवसीय गहन जागरुकता अभियान और इसके तहत निकाले गए बाल विवाह मुक्ति रथ को परिवर्तनकारी बताते हुए कहा कि यह कोई प्रतीकात्मक यात्रा नहीं थी। यह पहियों पर बदलाव का संदेश था जिसे लोगों ने स्वीकार किया और सराहा। अब लगभग पूरी सभ्य दुनिया ने हमारी यह बात मान ली है कि बाल विवाह कोई सामाजिक कुप्रथा नहीं बल्कि विवाह की आड़ में बच्चों के साथ दुष्कर्म है। तीन चरणों में चले इस अभियान के पहले चरण में शैक्षणिक संस्थानों व दूसरे चरण में धर्मगुरुओं को जोड़ा गया और उनसे अनुरोध किया गया कि वे विवाह संपन्न कराने से पूर्व आयु की जांच कर लें और बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार करें।

पुलिस प्रतियोगिता में पहले दिन हुई फ्री स्टाइल कुश्ती

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित की गई पुलिस विभाग की प्रतियोगिताएं**
- **एसएसपी ने फीता काटकर किया उद्घाटन, खिलाड़ियों को किया प्रेरित**

खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने को प्रेरित करते एसएसपी।

पहलवालों का हाथ मिलवाते एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह।

अमृत विचार : पुलिस परेड ग्राउंड में पुलिस की महिला व पुरुष वर्ग की तीसरी अंतर्जनपदीय कुश्ती क्लस्टर, बॉक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग व आर्म रेसलिंग की प्रतियोगिता शुरू हुई। मार्च पास्ट के बाद एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने फीता काटकर, खिलाड़ियों से परिचय करके उद्घाटन किया। उन्होंने खेल भावना से खेलने को प्रेरित किया। पहले दिन पुरुष व महिला वर्ग की फ्रीस्टाइल कुश्ती हुई।

प्रतियोगिता में बरेली जोन के नौ जिलों की पुलिस की टीमें प्रतिभाग कर रही हैं। पुरुष वर्ग की 61 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती में बदायूं के जितेश को पहला, रामपुर के बलविन्द्र को दूसरा, 70 किग्रा वर्ग में बरेली के भोलाराम को पहला, बदायूं के विशाल को दूसरा स्थान हासिल हुआ। 74 किग्रा में बदायूं के अजय कश्यप ने पहला, बरेली के संदीप कुमार को दूसरा और 86 किग्रा वर्ग में बरेली के हरेंद्र को पहला व बदायूं के अनुज को दूसरा स्थान मिला।

महिला वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती के 53 किग्रा वर्ग में बदायूं की सपना को पहला, बरेली की अनुराधा को दूसरा, 55 किग्रा वर्ग में मुरादाबाद की निशब को पहला, शाहजहांपुर की आरती को दूसरा, 62 किग्रा वर्ग में बदायूं की भूरी को पहला, शाहजहांपुर की श्रुति खेवाल को दूसरा, 65 किग्रा वर्ग में बदायूं की अनामिका को पहला, बरेली की सुमन धीमान को दूसरा स्थान हासिल हुआ। उद्घाटन के दौरान एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया, एसपी सिटी विजयेंद्र द्विवेदी, सीओ उझानी व लाइन डॉ. देवेंद्र कुमार, सीओ दातागंज केके तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक इंद्रजीत सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे। निर्णायक मंडल में शैवर अली खान, दिलीप जोशी, पुलिस के कुश्ती कोच जितेंद्र राणा राजीव कुमार रहे।

बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर लगाए गए 200 आयरन गार्ड

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर आयरन गार्ड में पौधों की सिंचाई करता वनकर्मी।

- **वन विभाग ने पौधों की सुरक्षा को खर्च किए 5 लाख**
- **हर माह होती है सिंचाई, 80 प्रतिशत पौधे हैं जीवित**

अमृत विचार : पिछले साल बदायूं मेरठ राजमार्ग पर वन विभाग द्वारा लगाए गए पौधों की सुरक्षा को लेकर विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। करीब दो सौ पौधों पर आयरन गार्ड लगाए गए हैं जबकि अन्य पौधों की सुरक्षा को कुछ और आयरन गार्ड लगाए जाएंगे। करीब पांच लाख की धनराशि पौधों की सुरक्षा पर खर्च की गयी है।

वर्ष 2024 -25 में वन विभाग ने जनपद के सभी मुख्य राजमार्ग पर बड़े स्तर पर पौधरोपण किया। कई अन्य विभागों ने पौधे लगाए। पौधों की देखभाल भी विभाग ने जिम्मेदारी के साथ की। पौधों की सुरक्षा को पिछले साल जुलाई माह में बदायूं मेरठ राजमार्ग पर लगाए गए पौधों की गणना की जिसमें 80 प्रतिशत पौधे जीवित पाए गए जबकि कुछ पौधे जंगली जानवरों ने नष्ट कर दिए। वन विभाग ने पौधों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाए। करीब दो सौ पौधों को आयरन गार्ड से सुरक्षित किया गया। इनमें शीशम, जामुन, नीम और बरगद के पौधे शामिल हैं। वन विभाग के अनुसार एक आयरन गार्ड की कीमत करीब नौ सौ रुपए है। जबकि दो सौ पौधों पर आयरन गार्ड लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त पौधों की सिंचाई पर धन खर्च किया गया। पौधों की देखभाल करने वाले कर्मचारियों एवं पौधों के आस पास घास को काटने वाले पर धन खर्च किया गया। करीब पांच लाख की धनराशि उक्त पौधों की देखभाल पर खर्च की जा चुकी है।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि इस साल भी पौधों पर आयरन गार्ड लगाए जाएंगे। मुख्यता बदायूं मेरठ राजमार्ग पर ही पौधों की देखभाल की जा रही है जिससे हाईवे पर जल्द पौधे तैयार हो सकें। लोगों को छांव मिल सके। बदायूं मेरठ राजमार्ग स्थित ग्राम कुड़ा नरसिंहपुर से आगे हाईवे पर पौधों की सिंचाई के लिए विभाग का टैंकर लगाया गया है। जो पिछले दस दिन से पौधों की सिंचाई कर रहा है। टैंकर से सभी पौधों को पानी दिया जा रहा है। पौधों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों की मदद ली जा रही है।

एमएफ हाईवे पर भी विभाग ने शुरू की देखभाल

एमएफ हाइवे पर वन विभाग ने पिछले साल करीब एक हजार से अधिक पौधे रोपे। जिनकी हर माह सिंचाई की जाती है। एमएफ हाइवे स्थित बिसौली वजीरगंज और ओरछी के आस पास लगाए गए पौधों की गणना भी की गयी है जिससे उधर जीवित पौधों की सही संख्या ज्ञात हो सके। पौधों की सुरक्षा को वन विभाग की टीम रोड पर गश्त करती है। जिससे स्थानीय लोगों व छुट्टा गोवंश से पौधों को बचाया जा सके। इस रोड पर सैदपुर तक पौधरोपण किया गया था जबकि आगे कुछ अन्य विभागों ने पौधारोपण किया था।

निर्माणाधीन हाइवे पर भी होगा पौधरोपण

वर्ष 2026-27 के लिए होने वाले पौधा रोपण को भी हाइवे के आसपास का क्षेत्र चिन्हित किया गया है। इसमें बिसौली से कुंवरगांव होते हुए दातागंज क्षेत्र तक करीब एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। निर्माणाधीन हाइवे के आस पास पौधारोपण करना विभाग की प्राथमिकता है। हाइवे के इर्द गिर्द शीशम, जामुन, बरगद, नीम और पाकड के पौधे लगाए जाएंगे। जनपद के वन क्षेत्र में भी खाली स्थानों पर इस बार बड़े स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। स्थान चिह्नित कर लिए गए हैं। जुलाई से पौधा रोपण शुरू कर दिया जाएगा।

पूर्व सैनिक परिषद का होली मिलन समारोह आयोजित

होली मिलन समारोह में मौजूद पूर्व सैनिक। ● अमृत विचार

संवाददाता, उझानी

अमृत विचार : अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद का रविवार शाम अम्बेडकर पार्क मे होली मिलन समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रिसालदार विजय रतन सिंह रहे। होली मिलन समारोह में एक दूसरे से गले मिल कर गिले शिकवे भुलाने का आवाहन किया गया और एकजुट रहने पर जोर दिया गया।

होली मिलन समारोह में पूर्व सैनिक कैप्टन सत्यवीर सिंह, शिवशंकर सिंह, मनोज कुमार पाठक, वीरपाल, महिपाल सिंह, ओमप्रकाश सिंह, ओमकार सिंह, जितेंद्र पाल सिंह, हेमेंद्र कुमार पाल, डोरीलाल, बिजेंद्र पाल सिंह, रामचंद्र, सत्यपाल सिंह, योगेन्द्र पाल सिंह, बादशाह,ओमपाल सिंह,अमर सिंह,नेम सिंह, परशुराम सिंह, लाल सिंह, कैलाश कुमार सिंह, छबि सिंह, अविनाश सिंह, राकेश कुमार सिंह, इंद्रपाल सिंह, जयवीर सिंह, बीरेन्द्र सिंह, संतोष कुमार सिंह आदि मौजूद लोग मौजूद रहे। होली मिलन समारोह में कुछ पूर्व सैनिकों को नए पदों की जिम्मेदारी भी दी गई।

विश्व विजेता बनने पर हुई आतिशबाजी

- **विभिन्न संगठनों की ओर से रविवार देर रात तक जगह-जगह मनाया गया जश्न**

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

विश्व विजेता बनने पर रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर खुशी मनाते युवा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : भारतीय टीम ने रविवार को टी20 विश्व कप के फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। इस मैच मे कई रिकॉर्ड बने। साथ ही टीम ने करोड़ों देशवासियों का दिल जीता। 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर 159 रनों पर न्यूजीलैंड का 10वां विकेट गिरा तो हर भारतीय अपने पैरों पर खड़ा हो गया। आंखों में खुशी से नमी थी तो दिल जोर से धड़क रहा था। जीत होते ही लोगों ने आतिशबाजी छोड़ी। भारत माता के जयकारे लगाए।

विश्व विजेता बनते ही श्री भगवा सेना और युवा मंच संगठन ने रानी लक्ष्मीबाई चौक पर खुशी मनाई। हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जयकारे लगाए। वंदे मातरम से वातावरण गुंजायमान रहा। भारतीय टीम जिंदाबाद के नारे लगाए। तिरंगा लहराते देखकर राहगीर भी रुके और खुशी में शरीक हुए। संगठन के अध्यक्ष ध्रुव देव गुप्ता, अजय दिवाकर, अर्जुन कुमार, नितिन दिवाकर, अर्जुन शाक्य, लकी, राजा दिवाकर, ललित कुमार आदि युवा मौजूद रहे। देर रात तक आतिशबाजी करते रहे।

आर्य एजी ग्रुप पर कांग्रेसजनों ने लगाया घपला करने का आरोप

- **बगरैन गोदाम से 1031 एमटी अनाज गायब करने का आरोप**

बदायूं, अमृत विचार: बगरैन गोदाम से आर्य एजी ग्रुप द्वारा 1031 एमटी अनाज गायब करने का आरोप कांग्रेस के पदाधिकारियों ने लगाया है। जिसकी कीमत चार करोड बताई जा रही है। पार्टी अधिकारियों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर ओमकार सिंह ने कहा कि दोषी निदेशकों के खिलाफ तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। इस मौके पर रमेश चंद्र श्रीवास्तव, उल्फत सिंह कठेरिया, ज़ाहिद अली, डा सरताज हुसैन, नूरी जसवीर यादव, हरीश पटेल आदि उपस्थित रहे।

सब्जियों के बढ़ने लगे दाम, लोगों का बढ़ा खर्च

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- **भिंडी 100 रुपये और मटर बिक रही 40 रुपये प्रति किलो**

अमृत विचार: रसोई गैस के दाम बढ़ने से महिलाएं पहले से हताश हैं। अब मौसमी सब्जियों के दाम में इजाफा होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सब्जी खरीदने दौरान लोगों को अधिक जेब ढीली करनी पड़ रही है। जिससे महिलाओं के रसोईघर का बजट बुरी तरह से गड़बड़ा गया है।

तेल कंपनियों की ओर से हाल ही में रसोई गैस सिलेंडर पर 60 रुपए की बढ़ोत्तरी कर दी है। वहीं सरकार की ओर से 25 दिनों बाद सिलेंडर दिए जाने का नियम सख्ती से लागू करने का फरमान जारी कर दिया है। जिसके कारण महिलाएं पहले से ही परेशानी में आ गई हैं। अब मौसमी सब्जियों के दाम बढ़ने से उन्हें एक और चिंता में डाल दिया है। होली त्योहार बीतने के बाद सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। करेला, तोरई, और भिंडी 80 से 100 रुपये किलो तक बिक रही है।

नगर पालिका में सब्जी बेटते ठेले वाले।

वहीं अब तक 20 रुपए किलो रुपये बिकने वाली मटर के दाम भी 40 से 50 रुपये तक पहुंच गए हैं।

लौकी और खीरा भी 30 से 40 रुपये किलो में बिक रहा है। सब्जी विक्रेता हरपाल का कहना है कि होली बीतने के बाद सहालग शुरू हो गए हैं। सहालग शुरू की वजह से थोक मंडी में इनके दाम बढ़ गए हैं। मंडी में थोक में ही सब्जियां बिक रही हैं। मंडी में थोक में ही सब्जी बिकने की वजह से कम मिल रही है। सब्जी सोहन पाल का कहना है कि अभी मौसमी सब्जी आनी शुरू हुई है। जिससे इनके भाव अधिक हैं। कई सब्जियां बाहर से आ रही हैं। कुछ दिनों बाद स्थानीय स्तर से सब्जियां आनी शुरू हो जाएगी। इसके बाद इनके दाम कम हो जाएंगे।

छह सड़का स्थिति सब्जी मंडी में सब्जी खरीदने के लिए पहुंची सिविल लाइन निवासी महिला रेखा, शिवानी और शैलेंद्र ने बताया कि कभी गैस के दाम बढ़ जाते है, तो कभी सब्जी के दाम, जिस कारण रसोई का बजट बिगड़ जाता है। जो सब्जी खाने के लायक है, उनके दाम आसमान छू रहे है। जब शादी का सीजन शुरू होता है, दामों में उछाल आ जाता है। जब दाम कम होते है तो दोनों समय सब्जी बनाते हैं, लेकिन महंगी होने ही एक ही समय में बनाकर दोनों समय पर काम चलाना पड़ता है।

न्यूज ब्रीफ

असफलता पर खुद को जिम्मेदार मान करें मंथन

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील बिल्सी क्षेत्र के यज्ञ तीर्थ गुधनी स्थित प्रज्ञा यज्ञ मंदिर में साप्ताहिक सत्संग आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अथर्ववेद के मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ करके की गई। आचार्य संजीव रूप ने यज्ञ संपन्न कराते हुए प्रवचन देते हुए कहा कि व्यक्ति को अपनी सफलता का श्रेय सिर्फ खुद को नहीं, बल्कि परिवार, मित्रों और समाज को भी देना चाहिए। जब भी कोई व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त करे तो उसे यह मानना चाहिए कि यह सब अपनों के आशीर्वाद और सहयोग से संभव हुआ है। असफलता मिलने पर दूसरों को दोष देने के बजाय खुद को जिम्मेदार मानकर आत्ममंथन करना चाहिए। इससे व्यक्ति अपने जीवन में आगे बढ़ने के रास्ते तलाश कर सकता है। जो व्यक्ति अपने जीवन में सुख और शांति चाहता है, उसे अपेक्षा और उपेक्षा दोनों से दूर रहना चाहिए। राकेश आर्य, पंजाब सिंह, कमलेश कुमारी, सूरज वती देवी, सरोज देवी, अगरपाल सिंह, बद्री प्रसाद आर्य, ईशा आर्य, विनीत कुमार सिंह, संजय सिंह आदि उपस्थित रहे।

किसान की ट्रॉली चोरी रिपोर्ट दर्ज

ओरछी, अमृत विचार : फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के कस्बा मुड़िया धुरेकी में किसान की ट्रॉली चोरी हो गई। किसान के तलाश करने के बाद भी ट्रॉली नहीं मिली तो पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया। पुलिस अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज की है। कस्बा निवासी किसान बलवीर सिंह पुत्र तेजपाल सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 25 जनवरी की रात चोर उनकी ट्रॉली चोरी करके ले गए। उन्होंने ट्रॉली की तलाश की थी लेकिन कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने अब जाकर मामले की रिपोर्ट दर्ज की है। इंस्पेक्टर मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज की है। चोरों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

सोने की मूर्ति बताकर दस लाख रुपये ठगे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : हरिद्वार के एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि रोजा थाना क्षेत्र के दो लोग उसके संपर्क में आए और कहा कि सोने की मूर्ति है और दस लाख रुपये में बेचना चाहते है। आरोपियों ने उसे मूर्ति देने के लिए रविवार को जमुका बुलाया। आरोपियों ने उससे दस लाख रुपये ले लिए और मूर्ति दे दी। उसने मूर्ति की सुनार की दुकान पर जांच कराई तो मूर्ति पीतल की निकली। दोनों आरोपी गायब हो गए। रोजा थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

127 सचिवालय हुए डिजिटल क्यूआर कोड से होगा भुगतान

सचिवों को उपलब्ध कराया जाएगा ऑनलाइन सर्विस का क्यूआर कोड, चल रही प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जनपद की 127 ग्राम पंचायतों के सचिवालय एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष में बदले हुए नजर आएंगे। इन्हें डिजिटल करने की प्रक्रिया चल रही है। इन सचिवालयों में भुगतान प्रक्रिया भी पूरी तरह से डिजिटल रहेगी। इनमें प्रत्येक कार्य के लिए शुल्क भुगतान क्यूआर कोड से ही होगा। नकद राशि किसी भी ग्राम सचिवालय में नहीं ली जाएगी। शासन से ग्राम पंचायतों की सूची जारी होने के बाद सचिवालयों में व्यवस्थाएं करनी शुरू होने लगी हैं।

जिले में 1036 ग्राम पंचायतें हैं। इन सभी ग्राम पंचायतों में सचिवालय बने हुए हैं। इनमें पंचायत सहायकों के द्वारा सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

- जिले की 1036 ग्राम पंचायतों में बने हैं सचिवालय

इन सचिवालयों में मृत्यु प्रमाण पत्र, आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड समेत कुल 243 सेवाएं ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

ग्रामीणों को इन सेवाओं का लाभ ग्राम पंचायत सचिवालयों के माध्यम से मिल रहा है। इन सेवाओं का लाभ लेने वाले ग्रामीणों से अब तक ऑफलाइन भुगतान लिया जाता है। लेकिन अब भुगतान प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी।

डीपीआरओ ने बताया कि जिले की 127 बड़ी ग्राम पंचायतों के सचिवालयों को डिजिटल किया जा रहा है। ग्राम पंचायतों की सूची विभाग को मिल गई है। चयनित ग्राम पंचायतों में व्यवस्था पूरी कराई जा रही हैं।

डीपीआरओ ने बताया कि डिजिटल होने के बाद ग्राम सचिवालय में मिलने वाली सरकारी सेवाओं के लिए ग्रामीणों को नकद भुगतान के लिए जिले में पंचायत सेवाओं का शुल्क जमा करने के लिए क्यूआर कोड आधारित डिजिटल भुगतान की व्यवस्था शुरू की जाएगी। इन ग्राम पंचायतों के सचिवों को ओएसआर (ऑनलाइन सर्विस रजिस्टर) का क्यूआर कोड उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रामीण क्यूआर कोड स्कैन कर विभिन्न सेवाओं का शुल्क ऑनलाइन जमा कर सकेंगे।

ऑनलाइन मिलेंगी सभी सेवाएं

डीपीआरओ ने बताया कि सचिवालयों के माध्यम से ग्रामीणों को 23 सेवाओं का लाभ दिया जा रहा है। इन सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए क्यूआर कोड आधारित भुगतान व्यवस्था लागू की जाएगी। इससे लाभार्थी आसानी से डिजिटल माध्यम से शुल्क जमा कर सकेंगे और सभी लेनदेन पारदर्शी होगा व रिकॉर्ड भी सुरक्षित रहेगा।

> जिले की 127 ग्राम पंचायतें डिजिटल होने जा रही हैं। शासन की ओर से ग्राम पंचायतों की सूची भेजी गई है। इन सभी ग्राम सचिवालयों में नए वित्तीय सत्र के डिजिटल शुल्क लेने की व्यवस्था प्रभावी कर दी जाएगी। साथ ही सचिवालयों को क्यूआर कोड भी जारी किया जाएगा।
>
> -यावर अब्बास, डीपीआरओ।

युवक के साथ मारपीट, तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कुंवरगांव, अमृत विचार : गांव हरहरपुर निवासी कुंवरपाल पुत्र वेदराम ने पुलिस को बताया कि चार मार्च को शाम लगभग सात बजे वह गांव में लोगों से होली मिल रहे थे। इस दौरान गांव के ही कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में उनके सिर व शरीर पर चोटें आई हैं। आरोप है कि हमलावर उनसे पुरानी रंजिश रखते हैं और पहले भी कई बार उसे परेशान कर चुके हैं। घटना के बाद वह थाने पहुंचे और तहरीर दी। लेकिन पुलिस ने उस समय कार्रवाई नहीं की। अब पुलिस ने रविवार को मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी राजेश कौशिक ने बताया कि तहरीर के आधार पर गेंदन लाल, शेर सिंह और विमला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

- मारपीट में उनके सिर और शरीर पर चोटें आई हैं

होली मेला में विभिन्न सामान की लगी दुकानें

मेला में लगी दुकान से खरीदारी करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, आसफपुर

अमृत विचार: आसफपुर के प्राचीन सिद्ध बाबा पुल वाले महाराज मंदिर पर होली मेला लगा है, जिसमें ग्रामीणों द्वारा मौज मस्ती करने के साथ खरीदारी की जा रही है। बच्चे और महिलाएं मेला का लुत्फ उठा रहे हैं।

मेला में बड़े पैमाने पर फर्नीचर कारोबारियों, लोहे का घरेलू सामान व बच्चों के खिलौने व मिठाइयों की दुकानें सजी हुई हैं। मंदिर पर लगे मेला में सोमवार को मोहकमपुर, दबथरा, आसफपुर, मानपुर, मन्नू नगर, सीकरी, कोरेरा, पहाड़पुर, मलखानपुर, सहावर, हरदासपुर, पुरवा खेड़ा, भूड़ बिसौली, नहडोली, तखौरा, किशनपुर, खरगपुर, नूर नगर कौड़िया आदि गांव के लोग भारी संख्या में पहुंचे। जिससे भीड़ अधिक बढ़ गई। मेले के आयोजक गजराज यादव, राकेश उपाध्याय ने बताया कि मेले में ढोला, दंगल कार्यक्रम के साथ मां दुर्गा देवी का जागरण किया जाएगा। बताया कि 16 मार्च को देवी जागरण का आयोजन किया जाएगा।

- प्राचीन सिद्ध बाबा पुल वाले महाराज मंदिर पर ढोला, दंगल के साथ मां दुर्गा का जागरण होगा

परिवार की आधारशिला ही नहीं राष्ट्र निर्माण की शक्ति है नारी

कार्यक्रम को संबोधित करतीं संस्थापक डॉ. प्रतिभा गुप्ता।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद संगठन की पदाधिकारी और अन्य महिलाएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : अखिल भारतीय सर्व समाज महिला कुटुंब संगठन की ओर से कृष्णा लॉन में महिला दिवस और होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। विभिन्न क्षेत्र में बेहतर योगदान देने वाली महिलाओं जैसे चिकित्सक डॉ. रुचि गुप्ता, एकल विद्यालय की शिक्षिका, महिला अधिवक्ता, घटपुरी की प्रधान अनुपमा को सम्मानित किया गया।

संस्था की संस्थापक डॉ. प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं बल्कि समाज की राष्ट्र निर्माण की सशक्त शक्ति भी है। एक नारी मां के रूप में संस्कार देती है, बहन के रूप में स्नेह, बेटी के रूप में घर में खुशियां लाती है और शिक्षिका के रूप में समाज को दिशा देती है। आज की नारी शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन, राजनीति, खेल और सामाजिक सेवा हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। यह परिवर्तन केवल महिलाओं की प्रगति नहीं बल्कि पूरे समाज की प्रगति का संकेत है।

अध्यक्ष डॉ. ममता नौगरिया ने कहा कि हमें मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां हर बेटी को शिक्षा मिले, हर महिला को सम्मान मिले और हर नारी अपने सपनों को साकार कर सके। यही सच्चे अर्थों में महिला सशक्तिकरण होगा। नीता गुप्ता ने संकल्प दिलाया कि समाज में नारी सम्मान ,समानता और सुरक्षा की भावना को और अधिक मजबूत करेंगे।

पूनम गुप्ता ने प्रभावशाली तरीके से विचार रखे। मुख्य अतिथि सदर विधायक की पत्नी विमलेश गुप्ता, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष वर्षा यादव, चेयरपर्सन नैना गुप्ता, दीपमाला गोयल, बिसौली विधायक की पत्नी सुषमा मौर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चंद्रा, कंज्यूमर फोरम की सदस्य मधु सक्सेना, डॉ. मधु गौतम, मंजुल शंखधार, पूनम गुप्ता, पूनम विमल वैश्य, मंजू गुप्ता, गीता गुप्ता, नेहा शरद, मधु अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, डॉ. प्रतिभा मिश्रा, सुमन गुप्ता आदि उपस्थित रहीं। संचालन ज्योति दीक्षित ने किया।

- अखिल भारतीय सर्व समाज महिला कुटुंब की ओर से आयोजित किया गया कार्यक्रम

बाढ़, भूकंप और प्राकृतिक आपदाओं के लिए खुद को रखें तैयार

- विकास क्षेत्र कादरचौक के कंपोजिट विद्यालय असरासी में चल रहा है स्काउट-गाइड शिविर

स्काउट-गाइड शिविर में मीनार बनाना सीखते बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : विकास क्षेत्र कादरचौक के कंपोजिट विद्यालय असरासी में चल रहे स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन गांठ बंधन, प्राथमिक उपचार, घायल व्यक्ति को सुरक्षित ढंग से ले जाने की तकनीक सिखाई गई।आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के तरीकों के साथ ही विभिन्न प्रकार की गांठ व बंधन, तंबू निर्माण सिखाया। बच्चों ने गगनचुंबी मीनारें बनाईं।

वरिष्ठ शिक्षक कृष्ण पाल शाक्य ने स्काउट ध्वज फहराकर कहा कि स्काउटिंग के प्रशिक्षण से बच्चों में अनुशासन, जिम्मेदारी और समाज सेवा की भावना का विकास हो रही है। बच्चे देश के श्रेष्ठ नागरिक बन रहे हैं। स्काउट संस्था के पूर्व जिला प्रशिक्षण आयुक्त संजीव कुमार शर्मा ने कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला है, जो हमें कम साधनों में सुव्यवस्थित जीवन जीना सिखा रही है। उन्होंने बाढ़, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं में स्वयं को तैयार रखने, राहत एवं बचाव कार्यों की ट्रेनिंग दी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश यादव ने शिविर का निरीक्षण करके कहा कि बच्चे अपनी अथाह शक्ति को राष्ट्रहित में लगाएं। प्रधानाध्यापक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक डॉ. जुगल किशोर ने बच्चों को तंबू निर्माण, जंगलों में झोपड़ी तैयार करना और सीमित संसाधनों में जीवन जीने की कला का महत्व बताया। शिक्षिका बलगा इंटल सुमन, रूबी शर्मा, सरिता देवी, महफूज हुसैन, अजीम खान आदि मौजूद रहे।

गर्भवतियों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता, बिल्सी

महिलाओं को देखती डॉ. जयश्री शर्मा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रधानमंत्री सुरक्षा मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र की करीब 25 से अधिक गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सलाह भी दी।

महिला चिकित्सक डॉ. जयश्री शर्मा ने गर्भवती महिलाओं को बताया कि गर्मियों में शरीर में पानी की कमी जल्दी हो जाती है, इसलिए दिन में कम से कम 8 से 10 गिलास पानी अवश्य पीना चाहिए। इसके साथ ही नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ और ताजे फलों के रस का सेवन भी लाभदायक होता है। उन्होंने बताया कि दोपहर 11 बजे से शाम 4 बजे तक तेज धूप में निकलने से बचना चाहिए। यदि किसी कारण बाहर जाना जरूरी हो तो छाता, टोपी या दुपट्टे का उपयोग करना चाहिए ताकि धूप से बचाव हो सके। डॉक्टर ने गर्भवती महिलाओं को हल्के और सूती कपड़े पहनने की सलाह देते हुए कहा कि इससे शरीर को ठंडक मिलती है और पसीने से होने वाली परेशानी भी कम होती है।

इसके अलावा संतुलित और हल्का भोजन लेने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि भारी और अधिक मसालेदार भोजन से बचना चाहिए। हरी सब्जियां, मौसमी फल जैसे तरबूज, खरबूजा और खीरा, साथ ही दही और सलाद का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए लाभदायक रहता है। इस मौके पर प्रभारी अधीक्षक डा.अनिल कुमार गुप्ता, सुमन शर्मा, शशिवाला आदि स्टाफ मौजूद रहा।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत, धेवता घायल

संवाददाता, ओरछी

हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग पर थाना फैजगंज बेहटा के ठीक सामने सड़क हादसे में नानी और धेवता गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की तेज आवाज पर पुलिसकर्मी दौड़ के बाहर आए और घायलों को अस्पताल भेजा। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। परिजनों में चीत्कार मच गया। वहीं हादसे के बाद राजमार्ग पर जाम की स्थिति पैदा हो गई।

थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव महोरी निवासी ममता पत्नी नेकपाल अपने धेवते विकास के साथ बाइक पर सवार होकर चंदौसी से अपने गांव वापस लौट रही थीं। उनकी बाइक थाने के सामने पहुंची। ट्रैक्टर-ट्रॉली और टेंपो के बीच उनकी बाइक आ गई। जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और राजमार्ग पर गिर गई। हादसे में नानी-धेवता भी राजमार्ग पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। पुलिस ने अपनी गाड़ी से दोनों को पास के अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान ममता ने दम तोड़ दिया। धेवते का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने आवागमन दुरुस्त कराया। वरिष्ठ उपनिरीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए भेजा गया था। जहां महिला ने दम तोड़ दिया है।

- दो वाहनों की बीच फंसकर अनियंत्रित हुई बाइक

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

डी.पी.पी. डिग्री कालेज
धनकुना, पीलीभीत
आवश्यकता है
- बी.ए. राजनीति शास्त्र शिक्षण हेतु प्रवक्ता-01 पद
- बी.ए. संस्कृत शिक्षण हेतु प्रवक्ता-01 पद
योग्यता : यू.जी.सी. के मानकानुसार
प्रबन्धक मो. 7060007653

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे भू-अभिलेख/खतौनी व आधार कार्ड में मेरा नाम सोयव अंकित है अब मैंने अपनी स्वेच्छा से अपना नाम स्थायी रूप से बदलकर सुहैल रख लिया है। भविष्य में मुझे सुहैल के नाम से जाना व पहचाना जाए। सुहैल पुत्र मुनव्वर नि. ग्राम दियुहिया पो. भावलखेड़ा, तह. व जिला शाहजहांपुर मो. 6386822824

Asim College of Law
Meera Sarai Sheikhupur Road, Budaun (UP)
Requirement
Principal
Eligibility: LL.M. and Ph.d.
with 15 Years Teaching Experience
Assistant Professor (Law)
Eligibility: LL.M. and Ph.d. or NET
Assistant Professor (B.A.)
Subjects: Sociology, Political Science, Economics, English and History
Eligibility: M.A. and Ph.d. or NET
Interested candidate may submit their updated Resume along with relevant documents within15 days.
Note: Kindly send the resume at career.asmdc@gmail.com and mentioned the post of the SUBJECT column.
Ph. No. 724990233, 9410643446

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

कार्ययोजना

शासन के दिए निर्देश, किसानों की सिंचाई न हो प्रभावित

सरकारी नलकूपों के बदले जाएंगे केबल और खंभे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जनपद में राजकीय नलकूपों की जर्जर बिजली लाइन और केबल बदलने को नलकूप विभाग ने बिजली विभाग को पत्र सौंपा है। गर्मी में किसानों की सिंचाई प्रभावित न हो इसलिए मार्च माह में ही सभी नलकूपों की लाइन दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। नलकूप विभाग ने कार्ययोजना तैयार कर बिजली विभाग को पत्र सौंपा है।

जिले में 1214 राजकीय नलकूप हैं जो लगभग सभी चालू स्थिति में हैं कुछ नलकूपों की मरम्मत की गयी है जबकि कुछ नलकूपों की मोटर बदली गयी है। शासन के निर्देश हैं कि अब गर्मी शुरू हो चुकी है। किसानों को फसलों की सिंचाई में दिक्कत न हो इसलिए जर्जर तार और पुरानी केबल बदली जाए।

उक्त निर्देश के बाद विभाग ने अपनी कार्ययोजना बना कर बिजली विभाग को पत्र सौंपा है जिसमें करीब 37 राजकीय नलकूपों की केबल और 58 नलकूपों की जर्जर लाइन ठीक करने को कहा है।

नलकूप विभाग ने कहा है कि मार्च माह में ही उक्त कार्य कराए जाने हैं इसलिए अभी से कार्य शुरू कर दिया जाए।

नलकूप विभाग का कहना है कि उक्त कार्य में करीब बीस दिन का समय लगेगा उसके बाद नलकूपों से स्थानीय किसानों को सिंचाई को पानी मिल सकेगा।

एक साल पूर्व कंपनी ने किया था काम

राजकीय नलकूपों की मरम्मत का कार्य विभाग ने पिछले साल एक कंपनी से कराया था। कंपनी ने सभी नलकूपों को चेक कर नई मशीन लगा कर विभाग को दी थी। जिससे नलकूप विभाग के शत प्रतिशत नलकूप चालू स्थिति में है।अब बिजली विभाग को जो पत्र दिया गया है उसमें केवल लाइनों की मरम्मत करने को कहा गया है। नलकूप विभाग के तीनों खंडों में काम किया जाना है। अधिकांश कार्य सहसवान बिसौली और कछला क्षेत्र में किया जाएगा।

स्थानीय किसान ही चलाते हैं नलकूप

राजकीय नलकूपों को चलाने के लिए स्थानीय किसानों को ही दायित्व सौंपा गया है। हालांकि विभाग के ऑपरेटर टयूबवैल की देखभाल करते हैं। फिर भी स्थानीय किसान ही सरकारी नलकूपों को चलाने की जिम्मेदारी संभालते हैं। जनपद में लगभग दो सौ नलकूप ऑपरेटर ही हैं।इसलिए अधिकांश किसानों को नलकूप चलाने की जिम्मेदारी दी गयी है।

> मार्च के अंत तक सभी नलकूपों पर काम पूरा कर लिया जाएगा। विभाग ने बिजली विभाग को पत्र दिया है जिससे मार्च माह में ही काम पूरा करने को कहा गया है। जिससे किसानों को सिंचाई करने में दिक्कत न हो।
>
> -सूर्य प्रकाश, अधिशासी अभियंता, नलकूप विभाग प्रथम।

प्रेमी युवक के साथ गई दो बच्चों की मां

विजय नगला, अमृत विचार : सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनकी शादी क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के साथ 8 साल पहले हुई थी। उनके 6 साल की बेटी और 2 साल का बेटा है। इस बीच पत्नी की गांव के युवक जान पहचान हो गई। दोनों एक-दूसरे से चैट करने लगे। 20 अक्टूबर 2025 को वह किसी काम से बाहर गए थे। वापस लौटे तो बेटी ने बताया कि उनकी पत्नी को रंजीत कहीं ले गया है। पत्नी 66 हजार रुपये, सोने की दो तोला की चेन, चांदी की पायल आदि सामान ले गई है। युवक ने रंजीत से पत्नी को वापस करने को कहा लेकिन वह नहीं मान रहा। आशंका जताई कि उसने पत्नी को बंधक बनाकर रखा है। उसकी जान का खतरा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की तो वह कोर्ट की शरण में गए। कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है।

ब्राह्मण एकता परिषद ने की यूजीसी वापस लेने की मांग

ब्राह्मण समाज की बैठक में शामिल लोग। ● अमृत विचार

बदायूं, अमृत विचार : अखिल भारतीय ब्राह्मण एकता परिषद, अवध प्रांत, उत्तर प्रदेश की एक बैठक ब्लाक म्याऊ के गांव जमालपुर में हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राम अवतार मिश्रा ने की। संचालन शिवओम तिवारी व विनय कुमार उर्फ केतक शर्मा ने किया। बैठक में यू जी सी के बारे में चर्चा की गई। सरकार से यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग की गयी।

रामावतार मिश्रा ने कहा कि यूजीसी कानून को वापस लिया जाए। इस कानून से सवर्ण समाज में क्रोध है। म्याऊं ब्लाक अध्यक्ष श्री शिव ओम तिवारी ने कहा कि हमने तन मन धन से सरकार बनाने के लिए कार्य किया था। लेकिन सरकार ने हमारे हक और अधिकार को ही छीन लिया। बैठक में कमलेश तिवारी, भगवती देवी वशिष्ठ, विनय कुमार उर्फ केतक शर्मा, राजेश तिवारी, नत्थू लाल तिवारी, इन्द्र देव तिवारी, राजीव शर्मा, मुनीश चन्द्र शर्मा, राममूर्ति शर्मा, विमल मिश्रा, उदयवीर यादव, भूरे सिंह, अनेक पाल सिंह, किशोर चन्द्र शर्मा, मोनू तिवारी, देवेन्द्र शर्मा, प्रमोद कुमार शर्मा, कामता प्रसाद शर्मा, साकेत मिश्रा, मंगल मिश्रा, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

चार पर रिपोर्ट दर्ज

कैला देवी, अमृत विचार : मल्लाह की मढ़ेया गांव निवासी विजय सिंह ने अपने भाई अतर सिंह को धारदार हथियार से हमला करने के मामले में गांव के ही नवल सिंह, सत्यवीर, मोहित, दानवीर, के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दंपती व दो बच्चे घायल

संभल,अमृत विचार : गांव करारी निवासी सत्यवीर अपनी पत्नी रंजना, बेटे रवि और बेटी साक्षी के साथ बाइक से गाजियाबाद जा रहे थे। दिल्ली-हसनपुर रोड पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। चारों लोग सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया।

चाचा-भतीजे की हत्या में दो दोषी करार

निगोही/शाहजहांपुर, अमृत विचार : अदालत ने चाचा भतीजे की हत्या में दो सगे भाईयों को दोषी करार दिया है। एक-दो दिन में इन्हें सजा सुनाई जाएगी। निगोही कस्बे में साल 2017 में सुबह लगभग आठ बजे सगे भाई संतोष और आशुतोष ने अपने ही परिवार के मुनीष उर्फ गोलू व सोनू की गोली मारकर हत्या कर दी थी। तीन वीघा जमीन को लेकर चल रहे विवाद में इस घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने जांच करने के बाद विवेचना कर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सोमवार को हत्यारोपी भाई संतोष और आशुतोष को दोषी करार दिया। इसी केस में तीसरे आरोपी दिनेश को कोर्ट ने बरी कर दिया है।

मारपीट और धमकी देने का आरोप, शिकायत

पुवायां, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ढकिया खुर्द निवासी करन पुत्र तेजराम ने कुछ लोगों पर गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मारपीट की और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि मारपीट का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की जानकारी सोमवार दोपहर करीब तीन बजे सामने आई। पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मारपीट के बाद युवक ने फंदा लगाया

गांव में 450 गज के एक प्लॉट को लेकर लंबे समय से दो पक्षों में चल रहा है विवाद

कार्यालय संवाददाता,संभल

- परिजनों ने कहा, पिटाई से आहत होकर अशोक ने जान दी
- पुलिस के अनुसार, अशोक की मां ने प्लॉट नवाब सिंह को बेच दिया था

अमृत विचार : गुन्नौर तहसील क्षेत्र के गांव में जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट के बाद युवक ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक अशोक यादव।

थाना जुनावई क्षेत्र के गांव नंदपुर में सोमवार दोपहर डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई कि अशोक यादव (32) का शव उसके घर में फंदे से लटका है। पुलिस जब तक गांव पहुंची, तब तक परिजन युवक के शव को फंदे से उतार चुके थे। परिजन जिंदगी की आस में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि अशोक की मां कमलिया और गांव निवासी नवाब सिंह के बीच करीब 450 गज के प्लॉट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि सोमवार को जमीन की नींव खोदने के दौरान विवाद शुरू हुआ। एक पक्ष जमीन की बुनियाद खोद रहा था जबकि दूसरा पक्ष विरोध कर रहा था। दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। परिजनों का आरोप है कि नवाब सिंह पक्ष के दबंगों ने अशोक यादव के साथ मारपीट की, जिससे आहत होकर उसने घर जाकर फंदा लगा कर जान दे दी। परिवार के लोगों का यह भी आरोप है कि आरोपियों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और एक नाबालिग के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्लॉट पर विवाद और हाथापाई होती दिखाई दे रही है। मृतक के भाई अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि नवाब सिंह ने उसके भाई अशोक के साथ मारपीट की थी। इसी से आहत होकर उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घटना के समय पुलिस ने उनके परिवार के तीन लोगों को थाने में बैठा लिया था और अशोक घर पर अकेला था। वहीं थाना प्रभारी अखिलेश प्रधान ने बताया कि वर्ष 2018 में अशोक की मां द्वारा प्लॉट नवाब सिंह को बेचा गया था। अब कब्जे को लेकर दोनों पक्षों में विवाद चल रहा है। कभी अशोक के परिवार के लोग वहां पशु बांध देते थे तो कभी किसी अन्य बात को लेकर झगड़ा हो जाता था।

जुनावई में प्लॉट जिसकी बुनियाद भरने को लेकर विवाद हुआ। ● अमृत विचार

बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। बताया कि मामले कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

तेज धमाके के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग

गवां मार्ग पर जलती इलेक्ट्रिक स्कूटी।

संभल/ कैला देवी, अमृत विचार: गौहत गांव निवासी जसवीर मंगलवार को इलेक्ट्रिक स्कूटी से रझेड़ा सलेमपुर जा रहा था। अचानक स्कूटी से तेज धमाका हुआ और धुआं निकलने लगा।

जसवीर घबरा गया और तुरंत स्कूटी खड़ीकर भाग गया। कुछ ही क्षणों में स्कूटी में आग लग गई। लोगों ने पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही देर में स्कूटी जल गई। जसवीर ने बताया कि दो दिन पहले ही उसने स्कूटी में अमरोहा के ढवारसी कस्बे में एक मैकेनिक से नई बैटरी डलवाई थी। संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण स्कूटी में आग लग गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

भूमि विवाद में गर्भवती बहू और सास पर हमला

संवाददाता, स्वार

अमृत विचारः मिलकखानम थाना क्षेत्र के गांव मुश्तरबाद में जमीन के बंटवारे को लेकर चल रहे पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि परिवार के ही कुछ लोगों ने घर में घुसकर गर्भवती बहू और उसकी बुजुर्ग सास के साथ मारपीट की। हमले में सास का पैर टूट गया, जबकि गर्भवती महिला के सिर में गंभीर चोट आई है।

गांव मुश्तरबाद निवासी राजकुमारी ने मिलकखानम पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि परिवार में जमीन के बंटवारे को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते चचेरे देवर लाखन, सतवीर, द्रोपदी और भूरी समेत अन्य परिजन घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने राजकुमारी और उसकी बुजुर्ग सास केशरवती पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने केशरवती को बेरहमी से पीटा, जिससे उनका पैर टूट गया। वहीं गर्भवती राजकुमारी के सिर पर लोहे की पाटल से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विधवा व बेटी पर हमले में तीन पर रिपोर्ट दर्ज : मसवासी, अमृत विचारः बाजपुर थाना क्षेत्र के संजय कॉलोनी निवासी विधवा सुखजिंदर कौर ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को शिकायती पत्र दिया था। शिकायत की है कि उसका खेत मसवासी चौकी क्षेत्र के गांव चौहद्दा कोसी नदी क्षेत्र में है। इसी गांव निवासी उलवंत दीप सिंह व हरपाल सिंह, नरेंद्र सिंह आदि ने उसके खेत में खनन के वाहन निकालने के लिए रास्ता बना लिया। इस मामले की सूचना उसे मिली तो वह अपनी छोटी बेटी अनुप्रीत कौर को साथ लेकर 13 फरवरी सुबह के समय खेत पर पहुंची और खेत में रास्ता बनाने का विरोध किया। क्षेत्राधिकारी अतुल पांडे के निर्देश पर थाना पुलिस ने उलवंत दीप सिंह, हरपाल सिंह, नरेंद्र सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरातियों और घरातियों में मारपीट

संवाददाता हसनपुर

अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बरात चढ़त के दौरान डांस को लेकर घरातियों एवं बरातियों में मारपीट हो गई। देर रात ग्रामीणों ने दोनों में समझौता करा दिया। बरात विदा होने के बाद एक घराती को देख बरातियो को गुस्सा आ गया और उसके साथ मारपीट करने लगे। घराती एक दुकान में घुस गया, तो बरातियों ने दुकानदार के साथ मारपीट, तोड़फोड़ की। दुकानदार ने तहरीर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव मंगरौली निवासी नौसिंह की पुत्री की बरात संभल के गांव शेखुपुरा से रविवार को आई थी। चढ़त के दौरान डांस को लेकर बरातियों एवं घरातियों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई लेकिन ग्रामीणों ने देर रात दोनों पक्षों में समझौता कर दिया गया। सुबह लड़की पक्ष ने विधि विधान के साथ बरात को विदा किया। बरातियों से भरी कैंटर गाड़ी अलीगढ़ मार्ग पर स्थित हथियाखेड़ा गांव के अड्डे पर पहुंची तो बरातियों को सड़क किनारे एक घराती गुरमीत पुत्र प्रमोद खड़ा दिखाई दे गया। बरातियों ने गाड़ी रुकवा कर गुरमीत को पकड़ लिया और मारपीट करने लगे। गुरमीतअपनी जान बचाने के लिए संजय निवासी हथिया खेड़ा की फोटोग्राफी की दुकान में घुस गया। बरातियों ने दुकान में घुसकर उसके साथ मारपीट की और दुकान में भी तोड़फोड़ कर दी। दुकानदार संजय ने बताया गया कि बरातियों द्वारा दुकान में रखा प्रिंटर, एलईडी लैपटॉप एवं काउंटर को तोड़ दिया गया है जो लगभग साठ हजार रुपए का नुकसान दुकानदार के द्वारा बताया गया है। जब इस बारे में वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार से बात की तो उन्होंने बताया मामला जानकारी में है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

तोड़फोड़ की जानकारी देता दुकानदार। ● अमृत विचार

- बरातियों ने एक दुकान में की तोड़फोड़, तहरीर दी गई

गांव बेरीखेड़ा में सरकारी जमीन पर लगाई गई डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा हटवाई

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचार : थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव बेरीखेड़ा में चार दिन पूर्व कुछ लोगों ने सरकारी जमीन पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी। शिकायत के बाद प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और बिना अनुमति प्रतिमा लगाई गई प्रतिमा को हटवा दिया।

ग्रामीणों के अनुसार दलित समाज के कुछ लोगों ने सरकारी जमीन पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी थी। सोमवार को उपजिलाधिकारी आशुतोष तिवारी, क्षेत्राधिकारी दीपक तिवारी और थाना बनियाठेर प्रभारी मनोज वर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। उपजिलाधिकारी ने प्रतिमा स्थापित करने वालों से प्रशासनिक अनुमति के बारे में पूछा। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्होंने प्रतिमा हटाने के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने प्रतिमा को हटवाकर मौके पर मौजूद वाहन में रखवाया और थाना बनियाठेर ले आई।

बेरीखेड़ा गांव में जांच पड़ताल करते एसडीएम, सीओ, थाना प्रभारी। ● अमृत विचार

प्रतिमा हटाने की कार्रवाई के दौरान मौके पर काफी संख्या में महिलाएं भी एकत्र हो गईं।

महिलाओं का कहना था कि उसी स्थान के एक कोने में मंदिर बना हुआ है। क्या मंदिर बनाने के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी। इस पर उपजिलाधिकारी आशुतोष तिवारी ने स्पष्ट कहा कि बिना प्रशासन की अनुमति के किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू नहीं होने दी जाएगी।

- एसडीएम, सीओ और थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे

उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर प्रतिमा लगाई गई थी, वह सरकारी खाद के गड्ढे की जमीन है और वहां इस प्रकार की स्थापना करना नियमों के अनुरूप नहीं है। फिलहाल तहसील प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालते हुए मामला शांत कराया और गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार रवि सोनकर, हल्का लेखपाल संजीव कुमार सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

हिंदू युवा वाहिनी ने जताई नाराजगी

तिलहर, अमृत विचार : क्षेत्र में नेशनल हाईवे स्थित काच्यानी खेड़ा हनुमान मंदिर के पास अवैध मीट की दुकान संचालित होने को लेकर हिंदू युवा वाहिनी ने नाराजगी जताई है। संगठन के जिला महामंत्री नीरज कुमार ने कोतवाली प्रभारी जुगल किशोर पाल को शिकायती पत्र देकर मंदिर के पास से मीट की दुकान हटाने की मांग की। नीरज कुमार ने आरोप लगाया कि प्रसिद्ध काच्यानी खेड़ा हनुमान मंदिर से लगभग 150 मीटर की दूरी पर अवैध रूप से मीट की दुकानें चल रही हैं, जहां खुलेआम मुर्गे और बकरे काटे जा रहे हैं। उनका कहना है कि इस कारण मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं और आम लोगों में आक्रोश की स्थिति है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो संगठन आगे की रणनीति बनाने को मजबूर होगा। इस मामले में कोतवाली प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद जांच की गई है।

तहसील सदर का लेखपाल 10 हजार रिश्वत लेते दबोचा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः सदर तहसील के लेखपाल को सोमवार की शाम एंटी करप्शन की टीम ने 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोप है कि लेखपाल हैसियत प्रमाण पत्र पर रिपोर्ट लगाने के नाम पर रिश्वत मांग रहा था। आरोपी लेखपाल के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि सुभाष नगर थाना क्षेत्र के भारतेंद्र सिंह सोनकर ने शिकायत की थी कि उन्होंने पत्नी का हैसियत प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि सदर तहसील का लेखपाल महेश कुमार रिपोर्ट लगाने के नाम पर 10 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन की टीम ने लेखपाल को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। डीएम से अनुमति लेने के बाद सोमवार की शाम करीब 5:30 बजे तहसील सदर के गेट के पास रोजगार कार्यालय के नजदीक आरोपी लेखपाल महेश कुमार को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया लेखपाल महेश कुमार जनपद बांदा के थाना मटोध के गांव वसहरि का रहने वाला है। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोतवाली लाकर उससे पूछताछ की गई। कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

मटर फैक्ट्री में गैस रिसाव की जांच

संवाददाता मंडी धनौरा

अमृत विचारः गांव चुचौला कलां की मटर फैक्ट्री में रविवार को हुए गैस रिसाव प्रकरण के बाद सोमवार को प्रशासन सक्रिय नजर आया। एसडीएम विभा श्रीवास्तव के नेतृत्व में बिजनौर से आई प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम, लेबर इंस्पेक्टर, नायब तहसीलदार और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने फैक्ट्री पहुंचकर निरीक्षण किया और घटना से संबंधित जानकारी ली। खामियां पाए जाने पर अधिकारियों ने फैक्ट्री प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाते हुए सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की चेतावनी दी।

टीम ने फैक्ट्री परिसर में गैस रिसाव की संभावित जगहों, सुरक्षा इंतजामों और गैस पाइपलाइन की बारीकी से जांच की। अधिकारियों ने फैक्ट्री प्रबंधन से गैस रिसाव के कारणों की जानकारी ली और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से दिए गए जवाब से एसडीएम संतुष्ट नहीं दिखीं और जल्द से जल्द कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि रविवार शाम फैक्ट्री में गैस रिसाव हो गया था। आधा दर्जन मजदूरों की हालत बिगड़ गई थी और वे बेहोश हो गए थे। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण टीम में फील्ड सहायक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रजनीश चौधरी, एसए प्रदूषण बोर्ड सुरेश त्रिपाठी, अग्निशमन अधिकारी कमलेश कुमार मिश्र, नायब तहसीलदार राजपाल सिंह तथा लेबर इंस्पेक्टर भी शामिल रहे।

निरीक्षण करतीं एसडीएम व प्रदूषण विभाग की टीम। ● अमृत विचार

- एसडीएम व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने किया निरीक्षण

खसरा और रूबेला टीकाकरण अभियान शुरू

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद के 5 वर्ष से 10 वर्ष के लक्षित बच्चों को एम आर के टीके लगाकर सोमवार को खसरा और रूबेला अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के दौरान 5 वर्ष से 10 के लगभग 2.12 लाख बच्चों को सप्ताह के सोमवार, मंगलवार, बृहस्पतिवार व शुक्रवार को आंगनबाड़ी और आशा के माध्यम से बच्चों को बुलाकर टीकाकरण किए जाएंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सोमवार को जनपद के अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जलीकोठी पर 5 से 10 वर्ष के बच्चों को एम आर के टीके लगाकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक कुमार मिश्रा ने फीता काटकर किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत करमपुर विकासखंड मीरगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत करमपुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है-प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट,रेत,रोड़ी,सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना
1.	भीमसेन के घर से उमराल के घर तक सीसी व नाली निर्माण	373000/-	मनरेगा
2.	तालाब से पंचायत घर तक सीसी व नाली निर्माण।	395043/-	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 10.03.2026 से दिनांक 13.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक 13.03.2026 दोपहर 3:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान - श्रीमती ऊषा देवी सचिव - श्रीमती श्वेता पाल

कार्यालय ग्रा.प. लश्करपुर ओईया विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक : मिमो/निविदा विज्ञाप्ति/2025-26 09.03.2026

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत लश्करपुर ओईया विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 12.03.2026 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत
1.	खुशीराम की टंकी से गमदेवत तक खरंजा एवं नाली मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	चंद्रपाल के घर से तुलाराम के घर तक इंटरलॉकिंग नाली नि. कार्य	प्रा. के अनुसार
3.	प्राथमिक विद्यालय में मरम्मत कार्य	प्रा. के अनुसार
4.	प्रा. वि.में बाउंड्री मरम्मत व पुट्टी पेंटिंग कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक : 180/न.पं.ब./2025-26 दिनांक : 09.03.2026

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के ''सीवरेज एवं जल निकासी'' योजना के अन्तर्गत निकाय को प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा में कराये जाने वाले नाला निर्माण कार्यो की ई-निविदा प्रपत्र उ. प्र. की ई-प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	10.03.2026	प्रातः 08:00 बजे
ऑन लाईन बिड अपलोड करने की तिथि	10.03.2026	प्रातः 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	25.03.2026	प्रातः 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	25.03.2026	अपरान्ह 02 बजे

(नागेन्द्र पाण्डेय) उपजिलाधिकारी बीसलपुर/ अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बरखेड़ा, पीलीभीत

(श्याम बिहारी भोजवाल) अध्यक्ष नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122, सिविल लाइन्स, बरेली।

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की जनकपुरी यो०सं० 3, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-239 आवास विकास परिषद द्वारा श्रीमती शीला देवी पत्नी स्व० श्री बनारसी दास के पक्ष में कार्यालय आदेश सं0-3783 दिनांक 14.6.1985 द्वारा अन्तरित किया जा चुका है तथा फ्री होल्ड जीड दिनांक 01.03.2007 को निष्पादित की जा चुकी है। श्रीमती शीला देवी द्वारा अपने जीवन काल में एक पंजीकृत वसीयत श्री हरीश चन्द्र एवं विजय कुमार पुत्रगण स्व० श्री बनारसी दास के पक्ष में कर दी थी जो प्रति पुस्तक सं०।।। खण्ड-12 के पृष्ठ सं०-183-194 क्रम सं0-163 दिनांक 11.08.1998 को उप निबन्धक कार्यालय, बरेली में दर्ज है। श्रीमती शीला देवी की मृत्यु दिनांक 02.04.2008 को हो चुकी है तथा श्री हरीश चन्द्र द्वारा अपने भाग का दान विलेख अपने पुत्र श्री पवन कुमार सचदेवा को कर दिया गया जो बही सं०-1 जिल्द संख्या-14093 के पृष्ठ सं0-73 से 90 तक क्रमांक 12220 पर दिनांक 26.08.2022 को उप निबन्धक कार्यालय, बरेली में दर्ज है। अब उक्त भूखण्ड का अन्तरण श्री विजय कुमार पुत्र स्व० श्री बनारसी दास एवं श्री पवन कुमार सचदेवा पुत्र श्री हरीश चन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से अपने पक्ष में कराने हेतु परिषद नियमानुसार प्रपत्र ऑनलाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं।

अतः एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि परिषद की जनकपुरी यो०सं०-3, बरेली में स्थित भूखण्ड सं0-239 का अन्तरण श्री विजय कुमार पुत्र स्व० श्री बनारसी दास एवं श्री पवन कुमार सचदेवा पुत्र श्री हरीश चन्द्र के पक्ष में किया जाना है। भूखण्ड सं0 239 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी व्यक्ति/ऋणदायी संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री विजय कुमार पुत्र स्व० श्री बनारसी दास एवं श्री पवन कुमार सचदेवा पुत्र श्री हरीश चन्द्र के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से सम्पत्ति प्रबन्धक

104 केंद्रों पर हुई परीक्षा उर्दू में 30 ने छोड़ी परीक्षा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले में यूपी बोर्ड हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं कड़ी सुरक्षा के बीच चल रही हैं। सोमवार को जिले के 104 परीक्षा केंद्रों पर पहली और दूसरी पाली की परीक्षाएं बोर्ड की गाइड लाइन के अनुसार संपन्न हुईं। पहली पाली में हाईस्कूल उर्दू विषय की परीक्षा में कुल 435 छात्र पंजीकृत थे, जिनमें से 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे और 414 ने परीक्षा दी।

इसी पाली में इंटरमीडिएट उर्दू व पंजाबी भाषा विषयों की परीक्षा में 141 पंजीकृत छात्रों में से 09 छात्र अनुपस्थित पाए गए। जबकि 132 ने परीक्षा दी। डीआईओएस हरिवंश कुमार ने बताया की जिले में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद हाईस्कूल व इंटर की परीक्षा के लिए 126 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षाएं अब समाप्ति की ओर हैं। सोमवार को केंद्रों पर दूसरी पाली में इंटरमीडिएट के मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र व तर्कशास्त्र विषय का पेपर हुआ। इस पाली में परीक्षा के लिए कुल 5171 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 4771 छात्र परीक्षा में शामिल हुए और 400 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहे। जिले में सक्रिय सचल दलों फ्लाइंग स्क्वायड ने विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर सघन निरीक्षण किया और परीक्षार्थियों की तलाशी कराई। डीआईओएस ने बताया कि सभी केंद्रों पर परीक्षाएं पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो रही हैं। नकल रोकने के लिए सीसीटीवी कैमरों और वॉइस रिकॉर्डर के जरिए भी लगातार निगरानी की जा रही है।

कटरा ओवरब्रिज के पास लगी हाईमास्ट लाइट बंद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मीरानपुर कटरा नगर के ओवर ब्रिज के पास लगा ऊंचा हाईमास्ट लाइट का खंभा लंबे समय से बंद पड़ा है। रात के समय इस लाइट के न जलने से पूरा चौराहा अंधेरे में डूब जाता है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ओवरब्रिज के पास स्थित यह हाईमास्ट लाइट रोशनी का मुख्य साधन है, लेकिन इसके खराब होने के कारण आसपास के सड़क मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश नहीं मिल पा रहा है। इससे रात के समय गुजरने वाले वाहन चालकों को सड़क का सही अंदाजा नहीं लग पाता और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों का कहना है कि काफी समय से यह हाईमास्ट लाइट खराब पड़ी है, लेकिन अभी तक संबंधित विभाग ने इसे ठीक कराने की कोई पहल नहीं की है।

कुत्तों ने 14 लोगों को काटकर किया घायल

संवाददाता,चंदौसी

अमृत विचारः आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को शहर के अलग-अलग स्थानों पर कुत्तों के हमले में करीब 14 लोग घायल हो गए। संयुक्त चिकित्सालय में सभी को एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए गए।

बिसौली गेट क्षेत्र में कुत्तों के झुंड ने राह चलते लोगों को दौड़ाकर काटा जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। वहीं संभल गेट क्षेत्र में भी कुत्तों ने राहगीरों पर हमला कर दिया। कई लोग घायल हो गए। घायलों को संयुक्त चिकित्सालय में बैक्सीन लगाई गई। लोगों का कहना है कि कुत्तों के झुंड घूमते रहते हैं, जिससे बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों के लिए खतरा बना रहता है। जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र में कुत्तों की गणना कर उन्हें शेल्टर हाउस भेजने के निर्देश दिए थे, लेकिन अभी तक स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है।

सीएचसी में बैक्सीन लगवाता घायल व्यक्ति। ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

प्रेरणा कैंटीन से जुड़कर 10 हजार से अधिक महिलाएं बनीं लखपति

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में शुरू की गई प्रेरणा कैंटीन योजना के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से संचालित इस पहल के माध्यम से अब तक 10 हजार से अधिक महिलाएं लखपति बन चुकी हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित इन कैंटीनों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का सशक्त माध्यम प्रदान किया है। प्रदेश में वर्तमान में 2100 से अधिक प्रेरणा कैंटीन संचालित हो रही हैं। इनका संचालन स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं कर रही हैं, जिससे उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के साथ स्थायी आय का स्रोत मिला है। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक भागीदारी में भी वृद्धि हुई है। प्रेरणा कैंटीन का संचालन जिलाधिकारी कार्यालय, मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय और विकासखंड कार्यालयों के साथ-साथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में किया जा रहा है। इन कैंटीनों में सरकारी कर्मचारियों, मरीजों और उनके परिजनों को स्वच्छ और किफायती भोजन उपलब्ध कराया जाता है। इससे लोगों को बेहतर सुविधा मिल रही है और महिलाओं की आय भी निरंतर बढ़ रही है।

बीसी सखी कार्यक्रम में यूपी देश में अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित बीसी सखी (बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेंट सखी) कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं तेजी से पहुंच रही हैं। इस पहल के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ग्रामीणों को गांव में ही बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कार्यक्रम के संचालन में उत्तर प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में चल रहे इस अभियान के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रशिक्षित कर बीसी सखी बनाया गया है। वर्तमान में प्रदेश में करीब 40 हजार बीसी सखियां सक्रिय हैं, जो गांवों में लोगों को नकद जमा-निकासी, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) से लेन-देन, बैलेंस जांच और सरकारी योजनाओं में नामांकन जैसी सेवाएं दे रही हैं। मिशन निदेशक राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन दीपा रंजन ने बताया कि बीसी सखियों के माध्यम से 40 हजार सखियों में अब तक 43,144 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय लेन-देन हो चुका है।

महिलाओं के साहस और संघर्ष को सलाम

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर किसान ट्रस्ट की ओर से 'अपराजिता सम्मान समारोह 2026' में ट्रस्टी चारू चौधरी ने कहा कि यह समारोह उन महिलाओं के साहस और संघर्ष को सम्मान देने का प्रयास है जो चुनौतियों के बावजूद समाज में नई राह बना रही हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के साहस, संघर्ष और उपलब्धियों को सम्मानित करना तथा महिला सशक्तिकरण पर सार्थक संवाद को आगे बढ़ाना रहा। रालोद संस्थापक चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट की ट्रस्टी एवं कार्यक्रम आयोजक, दिल्ली में आयोजित अपराजिता सम्मान समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि बोल रही थी, समारोह में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह द्वारा स्थापित किसान ट्रस्ट समाज के विभिन्न वर्गों, खासकर एसिड अटैक सर्वाइवर महिलाओं को सहयोग देकर प्रेरणादायक कार्य कर रहा है। इस अवसर पर "रोजगार के माध्यम से सशक्तिकरण" विषय पर पैनल चर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें एना रॉय, कांता सिंह, शिंजिनी कुमार और वरिष्ठ पत्रकार सलमा सुल्तान ने विचार साझा किए।

विश्वविद्यालयों-महाविद्यालयों ने अधिक शुल्क लिया तो होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- समीक्षा बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय के तेवर दिखे सख्त

अमृत विचार : परीक्षा शुल्क केवल शासनादेश में निर्धारित दरों के अनुसार ही लिया जाए। यदि किसी विश्वविद्यालय या संबद्ध कॉलेज की ओर से तय शुल्क से अधिक राशि वसूली जाती है तो उसका ऑडिट कराकर कार्रवाई की जाएगी। ये निर्देश सोमवार को राज्य विश्वविद्यालयों को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने दिए।

मंत्री उपाध्याय ने सोमवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय में समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने विश्वविद्यालयों की शुल्क संरचना, परीक्षा शुल्क और वित्तीय प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों द्वारा शासनादेश के विपरीत फीस लेने की शिकायतों पर भी विचार किया गया। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा को सुलभ, सस्ता और पारदर्शी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। फीस में अनावश्यक बढ़ोतरी से गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है, इसलिए विश्वविद्यालयों को छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेने चाहिए।

उच्च शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालयों को शासनादेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने संसाधनों को मजबूत करने, नए पाठ्यक्रम शुरू करने और वित्तीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के प्रयास भी करने चाहिए, ताकि संस्थान आत्मनिर्भर बन सकें।बैठक में विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति, परीक्षा संचालन से जुड़ी चुनौतियों और संभावित समाधान पर भी चर्चा हुई। इस दौरान विधान परिषद सदस्य उमेश द्विवेदी, अवनीश कुमार सिंह, प्रमुख सचिव एम.पी. अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

निर्धारित परीक्षा शुल्क

योगेंद्र उपाध्याय।

- राज्य विश्वविद्यालयों में परीक्षा शुल्क की समानता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए प्रति सेमेस्टर फीस निर्धारित की गई है। बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए, बीएड, बीपीएड, बीजेएमसी, बीएफए और बीवोक पाठ्यक्रमों के लिए 800 रुपये, एलएलबी, बीएससी एग्रीकल्चर (ऑनर्स), बीटेक और बायोटेक जैसे पाठ्यक्रमों के लिए 1000 रुपये तथा बीडीएस, नर्सिंग, बीएएमएस और बीयूएमएस पाठ्यक्रमों के लिए 1500 रुपये प्रति सेमेस्टर परीक्षा शुल्क तय किया गया है।

शिकायतों के समाधान के लिए बिजली उपभोक्ताओं को भटकना न पड़ें

- **अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि आमजन को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जनमानस की प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से भटकना न पड़े। ऊर्जा मंत्री, सोमवार को लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर जनसुनवाई के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान बिजली कनेक्शन, बिजली बिल संशोधन, सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े कई मामले सामने आए। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ऊर्जा और नगर विकास विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

केजीबीवी वार्डनों का विशेष प्रशिक्षण शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए सुरक्षित और प्रेरक आवासीय वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वार्डनों का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार से शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण प्रतापगढ़, गाजियाबाद और अयोध्या में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन और भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में शिक्षा मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी रामनिवास ऑनलाइन माध्यम से जुड़े।

गांवों के 20 लाख घरों को मिलेगा ब्रॉडबैंड

'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप की कंपनी के बीच एमओयू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर, 10 हजार डिजिटल उद्यमी

अमृत विचार: 'प्रोजेक्ट गंगा' के तहत गांवों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (एसटीसी) और हिंदुजा ग्रुप की सहायक कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के बीच सोमवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि तीन वर्षों में गांवों में 20 लाख से अधिक घरों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य है, जिससे करीब एक करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा। परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से एक लाख से अधिक रोजगार के साथ 10 हजार डिजिटल उद्यमी भी बनेंगे।

एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि यह एमओयू प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि 'प्रोजेक्ट गंगा' (गवर्नमेंट असिस्टेड नेटवर्क फॉर ग्रोथ एंड एडवांसमेंट) के तहत गांवों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड पहुंचाने का लक्ष्य है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं, शिक्षा-स्वास्थ्य और ऑनलाइन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना के तहत न्याय पंचायत स्तर पर 8 से 10 हजार स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में विकसित किया जाएगा। इन युवाओं को प्रशिक्षण देकर गांवों में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार के साथ डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी जाएगी। लगभग 50 प्रतिशत स्थान महिलाओं के लिए सुनिश्चित करने की योजना है।

कार्यक्रम में श्रम विभाग के प्रमुख सचिव शन्मुगा सुंदरम, एसटीसी के एसीईओ अक्षत वर्मा, हिंदुजा ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. एसके चड्ढा सहित परियोजना से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से विकास की दिशा

- स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल हाईवे का महत्व कई मामलों में भौतिक एक्सप्रेसवे से भी अधिक हो गया है, क्योंकि यही विकास की नई दिशा तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह पहल डिजिटल डिवाइड और संभावित एआई डिवाइड को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को स्मृति चिह्न देते अधिकारी। अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएं और रोजगार: फर्नांडीज

- हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस लिमिटेड के डायरेक्टर विंसले फर्नांडीज ने कहा कि इस परियोजना के तहत प्रदेश में लगभग एक लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। वहीं वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के चीफ बिजनेस ऑफिसर सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि परियोजना का उद्देश्य दूर-दराज के अंडर-सर्व्ड और अनसर्व्ड क्षेत्रों तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुंचाना है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो सके और स्थानीय युवाओं को नए अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध होने से टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्किलिंग, ई-कॉमर्स और डिजिटल कंटेंट जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं खुलेंगी। इससे ग्रामीण युवाओं को यूट्यूब और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आय अर्जित करने के अवसर भी मिलेंगे।

प्रदेश को फरवरी में मिला 18,412 करोड़ राजस्व

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में मुख्य कर व करेत्तर मदों से फरवरी 2026 में 18,412.25 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह फरवरी 2025 के मुकाबले 415.18 करोड़ रुपये अधिक है। यह जानकारी वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को दी।

वित्त मंत्री ने बताया कि फरवरी 2025 में इन मदों से 17,997.07 करोड़ रुपये का राजस्व मिला था, जबकि इस वर्ष फरवरी में यह बढ़कर 18,412.25 करोड़ रुपये हो गया। वहीं चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी तक कर राजस्व के रूप में कुल 1,96,653.27 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई है, जो निर्धारित लक्ष्य का 73.2 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि जीएसटी के तहत फरवरी 2026 में 7,202.36 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि फरवरी 2025 में यह 6,847.67 करोड़ रुपये था। वैट से फरवरी 2026 में 2,525.87 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष फरवरी में 2,530.76 करोड़ रुपये थे। इसी तरह आबकारी मद में फरवरी 2026 में 4,503.68 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि फरवरी 2025 में यह 4,928.72 करोड़ रुपये था। मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि स्टांप एवं निबंधन मद से फरवरी 2026 में 2,731.95 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जो पिछले वर्ष फरवरी के 2,305.25 करोड़ रुपये से अधिक है। परिवहन मद से फरवरी 2026 में 1,076.38 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जबकि फरवरी 2025 में यह 923.40 करोड़ रुपये था। करेत्तर राजस्व की प्रमुख मद भू-तत्व व खनन से फरवरी 2026 में 372.01 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

डेटा इकॉनमी की नई राजधानी बन रहा प्रदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार की डेटा सेंटर पॉलिसी से डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती

अमृत विचार: प्रदेश तेजी से देश की उभरती डेटा इकॉनमी का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। योगी सरकार की डेटा सेंटर नीति और नई पहल के कारण प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार हो रहा है।

फरवरी 2026 में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सरकार ने राज्य में बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने और स्टेट डेटा सेंटर अथॉरिटी के गठन की घोषणा की। इसका उद्देश्य डेटा सेंटर उद्योग को संस्थागत ढांचा देना और निवेश प्रक्रिया को तेज करना है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2030 तक उत्तर प्रदेश में 5 गीगावाट क्षमता वाले 4 से 5 बड़े डेटा सेंटर क्लस्टर विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इससे राज्य को डेटा स्टोरेज और क्लाउड सेवाओं के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में मजबूती मिलेगी। तेजी से बढ़ते डिजिटल उपयोग, क्लाउड सेवाओं की मांग और डेटा लोकलाइजेशन की नीतियों के कारण डेटा सेंटर उद्योग का महत्व लगातार बढ़ रहा है।

सरकार की योजना के अनुसार करीब 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 8 डेटा सेंटर पार्क विकसित किए जाएंगे, जिनकी कुल क्षमता लगभग 900 मेगावाट होगी। इनमें से कई परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ चुका है। राज्य सरकार की ओर से अब तक 8 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जा चुका है, जिनमें 6 डेटा सेंटर पार्क और 2 डेटा सेंटर इकाइयां शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में 21,342 करोड़ रुपये के निवेश और 644 मेगावाट क्षमता सुनिश्चित हो चुकी है।

डेटा सेंटर सेक्टर में यूपी की बढ़ती ताकत

- वर्ष 2030 तक 5 गीगावाट क्षमता के 4-5 डेटा सेंटर क्लस्टर का लक्ष्य
- लगभग 30 हजार करोड़ रुपये के निवेश से 8 डेटा सेंटर पार्क प्रस्तावित
- कुल क्षमता करीब 900 मेगावाट
- 8 परियोजनाओं को जारी हुआ लेटर ऑफ कम्फर्ट
- 21,342 करोड़ रुपये निवेश और 644 मेगावाट क्षमता सुनिश्चित
- आईटी, क्लाउड और डिजिटल सेवाओं में रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

चार मेडिकल कॉलेजों को मिले 42.55 करोड़

- **अमृत विचार,लखनऊ :** राज्य सरकार ने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज समेत चार मेडिकल कॉलेजों को 42 .55 करोड़ का बजट जारी किया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव आनन्द कुमार त्रिपाठी के आदेश के मुताबिक गोरखपुर मेडिकल कॉलेज एवं संबद्य चिकित्सालय को 26 करोड़ 64 लाख, कानपुर में लालालाजपत राय मेडिकल कॉलेज व गणेश शंकर विद्यार्थी चिकित्सालय को 9 करोड़ 53 लाख, बदायूं मेउकल कॉलेज के लिए 3 .81 करोड़ और सहारनपुर मेडिकल कॉलेज के लिए 2 .57 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य कुलदीप यादव के पिता रामसिंह यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री शिवेन्द्र विक्रम शाही के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की।

दिव्यांगजन व पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता

पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण के विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार : राज्य सरकार दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग के सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। यह बात पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने सोमवार को सचिवालय स्थित कार्यालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में कही।

मंत्री ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तर पर नियमित समीक्षा कर योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए।

राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप

बैठक में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ और जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट में रिक्त शिक्षकीय पदों को शीघ्र भरने और निर्माणाधीन परियोजनाएं तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) योजना के तहत अब तक 11,98,725 दिव्यांगजन लाभान्वित हुए हैं। कुष्ठावस्था पेंशन योजना से 13,395 लोगों को लाभ मिला है। कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के तहत 22,672 दिव्यांगजनों को 26,830 कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरित किए गए हैं। इसके अलावा उप्र. राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों को निःशुल्क यात्रा की सुविधा भी दी जा रही है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान बताया गया कि शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 232 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 94,040 लाभार्थियों को 188.08 करोड़ रुपये डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कुल 25,98,344 छात्रों को 1,586.59 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है।

वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग के युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत वर्ष 2025-26 में 34,892 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि दिव्यांगजन और पिछड़ा वर्ग को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन के लिए सक्षम बनाना है। शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र में सरकार निरंतर प्रयास कर रही

आहार -2026 दिल्ली के भारत मंडपम में कई देशों के क्रेता-विक्रेता पहुंचेंगे

अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में सजेंगे यूपी के खाद्य पदार्थ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्टॉलों पर लगेंगे लखनऊ के ऑर्गेनिक पदार्थ, उन्नाव के निर्जलित फल

अमृत विचार : 10 मार्च से 14 मार्च तक भारत मंडपम, प्रगति मैदान नई दिल्ली में आयोजित ''आहार 2026'' उत्तर प्रदेश के कृषि निर्यात को प्रोत्साहन एवं अंतर्राष्ट्रीय बाजार देगा। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) व निर्यातकों द्वारा जिलों के प्रमुख उत्पाद एवं जीआई टैग आधारित खाद्य पदार्थ कई देशों के सामने प्रदर्शित कर ऑर्डर लिए जाएंगे।

स्टॉलों पर लखनऊ के ऑर्गेनिक पदार्थ, कालानमक, चावल, सोना मोती आटा, बंसी आटा, कोल्ड प्रेस्ड सरसों का तेल, मोरिंगा पाउडर, हल्दी पाउडर प्रदर्शित करके जीआई से पहचान, खासियत और फायदे आदि बताएंगे।

इसी तरह उन्नाव के निर्जलित फल, यानी सूखे फल, सब्जी, फूल, मसाला, मशरूम व जड़ी-बूटी, आगरा का प्राकृतिक शहद, अलीगढ़ से आलू का फ्लेवर पाउडर, प्रतापगढ़ का आवला, मुरब्बा और आंवला कैंडी प्रदर्शित की जाएगी। मेरठ की गुड़, गुड़ पाउडर, चावल, सरसों का तेल तो बुलंदशहर से बेबी गाजर, बेबी कट गाजर, जमी कटी हुई गाजर, सेम की फली, कटे आलू, हरी मटर, मीठा मक्का, फूलगोभी की तरह दिखने वाली रंग-बिरंगी ब्रोकली भी स्टॉलों पर सजेगी। इसी तरह नोएडा से ताजा उत्पाद, छोटी मक्का, मिर्च, लौकी, भिंडी, मिक्स सब्जियां व आम, पपीता के डाइस आदि प्रदर्शित किए जाएंगे। खाद्य पदार्थों की मार्केटिंग (विपणन) से क्रेता-विक्रेता का सीधे आपस में संपर्क बनेगा।

कृषि विदेश व्यापार निदेशालय को आठ स्टॉल आवंटित

- प्रदर्शनी के लिए कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार निदेशालय को ट्रेड-एक्सपो द्वारा पवेलियन में आठ स्टॉल आवंटित किए गए हैं। जहां, खाद्य पदार्थ प्रदर्शित किए जाएंगे। उद्घाटन के दौरान उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह उपस्थित रहेंगे। आयोजन से कृषि निर्यात क्षमता बढ़ाने को प्रोत्साहन मिलेगा। सोमवार देर शाम तक लखनऊ से गए अफसरों ने टीम के साथ तैयारी पूर्ण की।

10 लाख के ऋण से खड़ा किया डिजिटल लॉक का व्यवसाय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महिला उद्यमी के लिए आपदा में अवसर बनीं ओडीओपी
- कोविड काल में शुरू हुआ स्टार्टअप 20 से अधिक को रोजगार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार की उद्योग प्रोत्साहन नीतियों और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना ने कई उद्यमियों के लिए नए अवसर खोले हैं। अलीगढ़ की महिला उद्यमी नीलम सिंह इसकी एक प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने कोविड महामारी जैसे कठिन दौर में डिजिटल लॉक निर्माण की यूनिट स्थापित कर न केवल अपना व्यवसाय खड़ा किया, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित किए।

ताला नगरी के नाम से प्रसिद्ध अलीगढ़ में नीलम सिंह ने वर्ष 2019 में अपने सॉफ्टवेयर इंजीनियर पति के साथ मिलकर "ओव्लॉक्स इंडिया" नाम से डिजिटल लॉक बनाने का स्टार्टअप शुरू किया। उस समय देश कोविड महामारी की चुनौती से जूझ रहा था और आर्थिक गतिविधियां काफी प्रभावित थीं। ऐसे मुश्किल दौर में नीलम ने पारंपरिक ताला उद्योग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का निर्णय लिया। हालांकि शुरुआत आसान नहीं थी। आर्थिक संसाधनों की कमी सबसे बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान ओडीओपी योजना के तहत उद्योग विभाग के माध्यम से उन्हें बैंक ऑफ बड़ौदा से 10 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें लगभग ढाई लाख रुपये की सब्सिडी भी शामिल थी। इस आर्थिक सहयोग ने उनके स्टार्टअप को मजबूत आधार प्रदान किया और धीरे-धीरे उनका कारोबार आगे बढ़ने लगा। आज नीलम सिंह का यह व्यवसाय 10 करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। ओडीओपी योजना से मिली नई उड़ान ओव्लॉक्स इंडिया के नाम से शुरू की डिजिटल लॉक यूनिट आज 20-25 लोगों को मिला रोजगार कारोबार 10 करोड़ रुपये के पार, उत्पाद देश-विदेश तक पहुंच रहे हैं।

जिंदगी में दो तरह की ट्रेजेडी हैं। एक है अपने दिल की ख्वाहिश खो देना और दूसरी है उसे पा लेना।
–जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, आयरिश लेखक

क्रिकेट शिखर पर तिरंगा

भारतीय क्रिकेट ने वह कर दिखाया, जो अब तक इस क्षेत्र में असंभव माना जाता था। 2024 में बारबाडोस की जीत के बाद, 2026 में खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करना न केवल भारतीय टीम के कौशल को दर्शाता है, बल्कि यह विश्व क्रिकेट में भारत के पूर्ण वर्चस्व की घोषणा भी है। 2007, 2024 और 2026 के तीन टी-20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने वाला पहला देश बनकर टीम इंडिया ने विश्व क्रिकेट के शिखर पर अपना तिरंगा गहराई तक गाड़ दिया है। विश्व विजेता बनने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बधाई मात्र शिष्टाचार नहीं, उस 'स्पोर्टिंग कल्चर' की स्वीकारोक्ति और सराहना है, जिसे देश ने हाल के वर्षों में आत्मसात किया है।

भारत का यह वर्चस्व रातों-रात नहीं आया है। इसके पीछे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की कुशल प्रबंधन रणनीति और सरकार का खेल-अनुकूल दृष्टिकोण रहा है। आज भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट ढांचा है। बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी, 40 एकड़ में फैली 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' जो दुनिया का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट प्रशिक्षण केंद्र है, जिसमें 45 पिचें, इनडोर सुविधाएं और रिकवरी सिस्टम हैं। इसके अलावा छोटे शहरों तक फैले अत्याधुनिक स्टेडियमों, स्तरीय कोचिंग केंद्रों ने भी प्रतिभाओं को निखारने का काम किया है। आईपीएल ने भारतीय खिलाड़ियों को दबाव सोखने और अंतर्राष्ट्रीय दिग्गजों के साथ खेलने का जो अनुभव प्रदान किया, उसी का परिणाम है कि आज भारत के पास एक नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग 'ए' श्रेणी की टीमें तैयार हैं। इन्ही सब के चलते 19 बरस से कम क्रिकेटरों के भी विश्वविजेता हम ही हैं तथा महिला क्रिकेट भी बेहद तेजी से प्रगति कर रहा है। उसके पास भी विश्व खिताब है। आज आक्रामक क्रिकेट और डाटा एनालिटिक्स के इस्तेमाल ने भारत को आधुनिक क्रिकेट का अगुआ बना दिया है। यह नया खिताब इस बात की तस्दीक करता है कि भारतीय टीम अब केवल प्रतिभा पर नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था पर टिकी है, जो चैंपियंस पैदा करना जानती है। भारत अब क्रिकेट का सबसे बड़ा बाजार ही नहीं, वह विश्व क्रिकेट का 'पॉवर हाउस' है। भारत के दमदार और आकर्षित करने वाले प्रदर्शनों ने एशियाई उपमहाद्वीप में ही नहीं संसार भर में इस खेल के प्रति लोगों का आकर्षण और लोकप्रियता को बढ़ाया है। भारत की सफलता ने ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों पर क्रिकेट को शामिल करने की राह को और अधिक पुख्ता किया है, जिससे 2028 के ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी पक्की हुई। यह कहना उचित ही है कि भारतीय क्रिकेट वित्तीय शक्ति और मैदानी वर्चस्व का दुर्लभ संगम है।

यह जीत छोटे शहरों के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और इससे निचले स्तर पर भी इस खेल में निवेश तेजी से बढ़ेगा। निःसंदेह इससे भारतीय क्रिकेट की आर्थिक स्थिति और मज़बूत होगी। उसकी ब्रांड वैल्यू भी बढ़ेगी। कुल मिलाकर 'विजेता मानसिकता' की स्थापना करने वाली यह जीत आने वाले कई दशकों तक क्रिकेट और अन्य भारतीय खेलों के लिए मार्गदर्शक बनी रहेगी, इसके मार्गदर्शन में ऐसी विश्वस्तरीय उपलब्धियां हासिल होती रहेंगी।

टीम इंडिया ने पूरे भारत को दिया जश्न का मौका

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

शाबाश! चैंपियन टीम इंडिया। एकतरफा फाइनल मैच में न्यूजीलैंड को हराकर टी20 का विश्व कप लगातार दूसरी व कुल तीसरी बार जीतने वाली टीम को हार्दिक बधाई। भारत को गौरवान्वित करने वाले हमारे क्रिकेटरों को दिल से सलाम। हर तरह की पिच पर विश्व स्तरीय बॉलिंग-बैटिंग और फुर्तीली फील्डिंग कर आपने क्रेजी भारतीय दर्शकों का 'मन मयूर' कर दिया। आपने मैदान पर अपने धैर्य, आक्रमण व जुझारूपन की मिसाल पेश की। आपकी जांबाजी का लोहा क्रिकेट जगत आंख मूंद कर मानने को अब बेबस है। भारतीय टीम बेशक 'चैंपियन आफ चैंपियंस' है। टी20 विश्व कप का खिताब पुनः दिलाकर आपने भारतीय क्रिकेट प्रेमियों को इतराने का सुनहरा अवसर देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

यह खिताबी जीत भारतीय जोश व एकता की विजय का प्रतीक है, जिसने पूरे देश को गर्व तथा उन्माद से भर दिया। न्यूजीलैंड पर जीत के बाद भारत खुशी से सराबोर है। पूरे देश में जश्न मनाते क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह तो देखते ही बन रहा। टीम इंडिया के जांबाजों ने मैदान पर क्रिकेट को जीवंत तो किया ही, टी20 क्रिकेट को नई राह भी दिखा दी है। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के लगातार दो मैचों में 250 रन से ऊपर का स्कोर बना। टीम इंडिया ने पूरे जहान को बता दिया कि वह इस प्रारूप को अभी और ऊपर ले जाएगी।

फटाफट क्रिकेट की धार और पैनी करेगी। क्रिकेट भले ही इंग्लैंड का राष्ट्रीय खेल है, लेकिन इसका असल जादू तो भारत में ही सिर चढ़कर बोलता है। यहां क्रिकेट की सनक वैसे ही है, जैसे लैटिन अमेरिका व यूरोप के देशों में फुटबाल। अमेरिका में बॉस्केटबाल व बेसबाल, क्यूबा में मुक्केबाजी, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका में रग्बी तथा कैरेबियाई देश जमैका में ट्रैक एंड फील्ड को जिस प्रकार 'अनौपचारिक धर्म' माना जाता है। उसी प्रकार क्रिकेट को भारत में धर्म सरीखा ही माना जाता है।

हमारे देश में क्रिकेट महज एक खेल ही नहीं, वरन एक सांस्कृति स्वरूप है, धर्म मानिंद है। कश्मीर से कन्याकुमारी तथा सिलचर से लेकर काठियावाड़ तक यह खेल करोड़ों भारतीयों में एका का भाव भरता है। भाषा व रहन-सहन के अंतर को मिटाकर यह खेल एकजुटता की राह दिखाता है। वर्ष 1983 में कपिलदेव की कप्तानी वाली भारतीय टीम की वेस्टइंडीज पर खिताबी जीत को भला भारत का कौन क्रिकेट प्रेमी नहीं जानता होगा? उक्त वर्ष विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने देश में क्रिकेट के प्रति दीवानगी को एक नया आयाम दिया था। विश्व स्तरीय टूर्नामेंट्स जीतने तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने इस 'अनौपचारिक धर्म' वाले खेल को भारत में घर-घर तक पहुंचा दिया है।

यह कहना समीचीन है कि क्रिकेट हमारे देश को एकजुट करने वाली शक्ति बन चुका है। यह खेल हमें अटूट बंधन में बांधता है। अपनेपन, भाईचारे व सच्चे प्रेम के भाव से ओतप्रोत करता है... और हो भी क्यों न? क्रिकेट मैच देखते समय कोई भारतीय आपसे आपके धर्म या पेशे के बारे में नहीं पूछता, क्योंकि क्रिकेट देखते समय आप में सिर्फ और सिर्फ राष्ट्र भक्ति की भावना ही रहती है। हमारे देश में क्रिकेट घावों को भरने, क्षमा करने व एकजुट करने की अद्भुत शक्ति प्रदान करता है।

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं कि टीम इंडिया आज विश्व की सफलतम टीमों में से एक है। इसने दो क्रिकेट विश्व कप, तीन टी-20 विश्व कप, तीन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर अपनी झोली भरी है। टीम इंडिया वर्ष 1984 से वर्ष 2025 तक कुल नौ बार एशिया कप भी जीत चुकी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में दो बार उपविजेता रही है। हमारे पुरुष खिलाड़ी तो कमाल के हैं ही, हमारी महिला खिलाड़ियों ने भी पिछले वर्ष महिला क्रिकेट विश्व कप जीतकर आह्लादित करने का मौका दिया है। जान लें, वर्ष 1932 में इंग्लैंड के दौरे पर टेस्ट क्रिकेट खेलने वाली छठी राष्ट्रीय टीम बनी थी इंडिया। सीके नायडू की कप्तानी में भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में खेला था।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय क्रिकेट टीम के दो यादगार पलों को याद करना यहां ठीक रहेगा। पहला, वर्ष 1952 में मद्रास में उसने इंग्लैंड को एक पारी से हराकर अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की थी। दूसरा, भारत ने वर्ष 1971 में इंग्लैंड में पहली बार टेस्ट सीरीज जीती थी। 1970 के दशक से लेकर आजतक भारतीय क्रिकेट टीम अनेकानेक दौर से गुजरी है। परंपरागत क्रिकेट का स्थान आज पेशेवर क्रिकेट ने ले लिया है। आज क्रिकेट के लिए भारतीय बाजारों ने भी अपने खजाने का मुंह खोल दिया है। कभी पैसों की राह ताकने वाला बीसीसीआई आज दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ प्रधान खेल संस्थाओं में से एक बन चुकी है। बाजार हमारे उम्दा क्रिकेटरों को धन संपन्न बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

आईपीएल व आईसीसी टूर्नामेंट जैसे बड़े क्रिकेट आयोजन करोड़ों प्रशंसकों को आकर्षित करते हैं, जिससे उपभोग, मीडिया में दर्शकों की संख्या में वृद्धि होती है और निवेशकों के व्यवहार पर भी इसका असर पड़ता है। अरबों डालर के मीडिया अधिकार, विज्ञापन की होड़, उपभोक्ता खर्च में उछाल भारत में क्रिकेट की व्यावसायिकता के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। खैर, क्रिकेट पंडितों के सारे कयासों को धता बताने वाली टीम इंडिया की टी20 विश्व कप की ऐतिहासिक जीत पर ढेरों शुभकामनाएं। सूर्य कुमार यादव के कुशल नेतृत्व, संजू सैमसन समेत मध्य क्रम के बैट्समैन की धाकड़ बल्लेबाजी, जसप्रीत बुमराह की धारदार गेंदबाजी तथा टीम के अन्य खिलाड़ियों के फलदायी योगदान ने समूचे भारत का मान पुनः बढ़ाया है।

टीम इंडिया आज विश्व की सफलतम टीमों में से एक है। इसने दो क्रिकेट विश्व कप, तीन टी-20 विश्व कप, तीन चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर अपनी झोली भरी है। टीम इंडिया वर्ष 1984 से वर्ष 2025 तक कुल नौ बार एशिया कप भी जीत चुकी है।

आमने सामने

मैं यह बात सभी से कह रही हूं कि जो लोग अब टीएमसी के साथ नहीं हैं, वे बंगाली नहीं हैं। उन्हें बंगाल में रहने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि ममता दीदी बंगाल की जनता के लिए यह लड़ाई लड़ रही हैं।
–महुआ मोइत्रा
टीएमसी नेता
पश्चिम बंगाल

टीएमसी का मतलब तानाशाही, मानसिकता और संस्कृति है। महुआ मोइत्रा के बयान से इंदिरा गांधी की उसी तानाशाही मानसिकता की बू आती है। इंदिरा गांधी ने एक बार कहा था, भारत इंदिरा है, इंदिरा भारत है। आज महुआ मोइत्रा कह रही हैं, टीएमसी बंगाली है, बंगाली टीएमसी है।
–शहजाद पूनावाला
भाजपा प्रवक्ता

प्रसंगवश

मां न बनने का साहस व मातृत्व का नया विमर्श

जिस दिन कोई युवती यह कह देती है, 'मुझे मां नहीं बनना', उस दिन समाज की सबसे सुरक्षित मान्यता असुरक्षित हो जाती है। यह वाक्य भावनाओं से नहीं, चेतना से पैदा होता है, इसलिए डराता है। यह उस अदृश्य स्क्रिप्ट को जला देता है, जिसमें स्त्री का भविष्य जन्म के साथ ही लिख दिया गया था। लोग चौंकते इसलिए हैं कि पहली बार स्त्री अपनी देह को विरासत नहीं, निर्णय का क्षेत्र घोषित करती है। यह इंकार न तो आक्रामक है, न ही विद्रोही दिखता है, फिर भी यह सबसे गहरी बगावत है, क्योंकि यह बिना चीखे, बिना अनुमति मांगे, व्यवस्था के केंद्र में सीधा सवाल खड़ा कर देता है।

सदियों से स्त्री को यह पाठ पढ़ाया गया कि उसका अस्तित्व स्वयं के लिए नहीं, दूसरों की जरूरतों के लिए है। पहले परिवार, फिर पति और अंततः संतान के लिए। मातृत्व को इतना ऊंचा उठाया गया कि उसके भार तले स्त्री की पहचान दबकर रह गई। उसे सिखाया गया कि त्याग उसका सौंदर्य है और सहनशीलता उसका स्वभाव। आज की बेटियां इसी शिक्षा को जांच की निगाह से देख रही हैं। वे पूछ रही हैं, यदि त्याग ही स्त्री की नियति है, तो पुरुष की नियति क्या है? यह प्रश्न किसी एक भूमिका पर नहीं, बल्कि पूरी सामाजिक संरचना पर सीधा प्रहार करता है।

कृति जैन
लेखिका

शिक्षा ने इन सवालों को भाषा दी है और चेतना ने उन्हें निडरता। आज की युवा महिलाएं जीवन को केवल निभाने की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीने का अधिकार मानती हैं। वे जानती हैं कि मातृत्व भावनाओं का उत्सव भी हो सकता है, लेकिन प्रायः यह अदृश्य श्रम, लगातार थकान और स्वयं से मिटते जाने की प्रक्रिया भी बन जाता है। वे साफ देखती हैं कि बराबरी के दावे संकट के समय सबसे पहले टूटते हैं। जब मातृत्व की कीमत एकतरफा वसूली जाए, तब उससे इंकार स्वार्थ नहीं, बल्कि न्याय की मांग बन जाता है।

आर्थिक यथार्थ इस निर्णय को और ठोस बना देता है। आज का समय महंगा है, अनिश्चित है और अस्थिर है। एक बच्चे का पालन-पोषण अब केवल प्रेम का विस्तार नहीं, बल्कि वर्षों तक चलने वाला आर्थिक दबाव है। नौकरी छोड़ना, अवसर खोना और निर्भरता स्वीकार करना अब भी ज़्यादातर स्त्रियों के हिस्से आता है। युवा महिलाएं इस गणित को भावनाओं से नहीं, विवेक से हल करती हैं। वे पूछती हैं, क्या मातृत्व का अर्थ आर्थिक असुरक्षा को स्थायी बनाना होना चाहिए? यह सवाल सुंदर नहीं, लेकिन सच है।

मानसिक स्वास्थ्य वह सच है जिसे सबसे लंबे समय तक दबाया गया। मां को देवी बनाकर उसकी थकान को अदृश्य कर दिया गया। प्रसवोत्तर अवसाद, अकेलापन और हर हाल में 'अच्छी मां' बने रहने का दबाव वर्षों तक मौन में छिपा रहा। नई पीढ़ी की महिलाएं इस चुप्पी को तोड़ रही हैं। वे स्वीकार कर रही हैं कि हर स्त्री मां बनने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं होती और यह स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। वे साफ कहती हैं, यदि मातृत्व के नाम पर स्वयं को खोना पड़े, तो स्वयं को बचाना अधिक ज़रूरी है।

'बेटियां जो मां नहीं बनना चाहतीं' कोई क्षणिक फैशन नहीं, बल्कि चेतना की नई क्रांति है। यह बदलाव असहज है, क्योंकि यह उन गहरी और पक्की मान्यताओं को चुनौती देता है जिनमें समाज ने सदियों तक स्त्री को बाँध रखा था। इतिहास सिखाता है कि हर बड़ा परिवर्तन पहले बेचैनी और अव्यवस्था लाता है। आज की बेटियां केवल इतना पूछ रही हैं, क्या स्त्री का मूल्य उसकी कोख से तय होगा, या उसके विचार, उसकी चेतना और उसकी स्वतंत्रता से? इसका जवाब समय ही देगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

कैसे बदला बिहार की राजनीति का केंद्र

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय राजनीति के कैनवास पर कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो एक पूरे युग के अवसान की समाप्ति का संकेत बन जाती हैं। बिहार की सत्ता के शिखर पर लगभग दो दशकों तक अडिग रहने वाले नीतीश कुमार का अचानक राज्यसभा की ओर रुख करना राजनीति के उसी बदलते अध्याय का एक निर्णायक संकेत है। होली के अगले दिन सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त पोस्ट के माध्यम से उन्होंने घोषणा की कि वे राज्यसभा जा रहे हैं। उन्होंने इसे अपनी 'व्यक्तिगत अभिलाषा' बताते हुए कहा कि वे लोकसभा, विधानसभा और विधानपरिषद का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और अब उच्च सदन में जाने की इच्छा रखते थे, परंतु राजनीति केवल इच्छाओं से संचालित नहीं होती। सत्ता की गलियारों में फैसले अक्सर उन समीकरणों से तय होते हैं, जिनकी परछाई जनता को बहुत देर से दिखाई देती है, इसलिए यह प्रश्न स्वाभाविक है कि महज तीन महीने पहले बहुमत के साथ दसवीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार आखिर अचानक बिहार की सत्ता क्यों छोड़ रहे हैं?

सतह पर दिखने वाली कहानी और वास्तविक राजनीतिक कथा में अक्सर गहरा अंतर होता है। यदि केवल औपचारिक बयान को सच मान लिया जाए तो एक वरिष्ठ नेता का उच्च सदन में जाना एक सामान्य राजनीतिक निर्णय लगता है, लेकिन जब घटनाक्रम की परतें खोली जाती हैं, तो एक अलग तस्वीर उभरती है। होली से दो दिन पहले तक न तो जदयू में और न ही बिहार की राजनीति में यह चर्चा थी कि नीतीश कुमार राज्यसभा जा सकते हैं। पार्टी की ओर से जिन दो नामों पर सहमति बन चुकी थी, उनमें एक रामनाथ ठाकुर का था और दूसरा नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार का। निशांत के राजनीति में प्रवेश की चर्चा पिछले एक वर्ष से चल रही थी और हाल के दिनों में जदयू के वरिष्ठ मंत्रियों ने भी सार्वजनिक रूप से संकेत दिए थे कि होली के बाद वे सक्रिय राजनीति में उतर सकते हैं।

ऐसा लग रहा था कि नीतीश अपनी राजनीतिक विरासत को धीरे-धीरे अपने पुत्र के हाथों में सौंपने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन तीन मार्च की दोपहर के बाद अचानक राजनीतिक माहौल बदलने लगा। जदयू की राज्यसभा उम्मीदवारों की सूची जारी होने में देरी हुई और सत्ता के गलियारों से खबर आने लगी कि भाजपा की ओर से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि अब समय आ गया है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद छोड़ दें। यही वह क्षण था, जब बिहार की राजनीति की दिशा बदल गई। बताया जाता है कि इस संदेश के बाद मुख्यमंत्री आवास में गहन मंथन शुरू हुआ। सत्ता हस्तांतरण की संभावना पहले से मौजूद थी, लेकिन जिस तरह से यह अचानक हुआ, उसके लिए शायद खुद नीतीश भी तैयार नहीं थे।

इस राजनीतिक बदलाव की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि बिहार की राजनीति में शक्ति संतुलन बदल चुका है। उस चुनाव में जदयू को केवल 43 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा 74 सीटों के साथ बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। फिर भी भाजपा ने उस समय नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाए रखा। यह निर्णय राजनीतिक शिष्टाचार से अधिक रणनीतिक था। भाजपा जानती थी कि बिहार में अभी भी नीतीश का सामाजिक आधार मजबूत है, विशेषकर अति पिछड़ा वर्ग और महिलाओं के बीच, इसलिए सत्ता का औपचारिक नेतृत्व उन्हें सौंपकर भाजपा ने अपने राजनीतिक विस्तार की रणनीति जारी रखी, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट था कि यह व्यवस्था स्थायी नहीं है।

समय के साथ संकेत मिलने लगे कि सत्ता का वास्तविक केंद्र धीरे-धीरे बदल रहा है। गृह विभाग भाजपा के पास चला गया, राज्य सरकार में भाजपा की भूमिका बढ़ती गई और जदयू के भीतर भी नेतृत्व का संतुलन बदलने लगा। सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने यह संकेत भी दे दिया कि भविष्य की राजनीति में उसकी भूमिका निर्णायक होगी। यही कारण है कि कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना किसी आकस्मिक निर्णय का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे समय से तैयार हो रही राजनीतिक पटकथा का अंतिम दृश्य है।

बिहार में इस परिवर्तन ने प्रदेश की राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है। एक महत्वपूर्ण प्रश्न जदयू के भविष्य से जुड़ा है। पार्टी लंबे समय तक नीतीश कुमार के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द संगठित रही है। पार्टी के भीतर ऐसा कोई दूसरा नेता नहीं उभर पाया, जो समान प्रभाव रखता हो। यदि नीतीश सक्रिय राजनीति से धीरे-धीरे दूरी बनाते हैं, तो जदयू के सामने नेतृत्व संकट पैदा होना स्वाभाविक है। निशांत कुमार इस चुनौतीपूर्ण राजनीतिक वातावरण में कितनी दूर तक जा पाएंगे यह अभी स्पष्ट नहीं है। राजनीति का एक कठोर सत्य यह है कि कोई भी दौर स्थायी नहीं होता। कभी बिहार की राजनीति लालू प्रसाद यादव के इर्द-गिर्द घूमती थी, फिर वह केंद्र नीतीश कुमार बन गए। अब एक नए दौर की शुरुआत हो रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना सत्ता संतुलन, गठबंधन की मजबूरियां और बदलती रणनीतियों के बीच बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

सोशल फोरम

बदल गए युद्ध के वार

युद्ध के हथियार नही बदले... युद्ध के वार भी बदल गए हैं।

पहला विश्वयुद्ध सीमाओ पर लड़ा गया। ट्रेंच में, बंदूकों और शेल से। दूसरा विश्वयुद्ध शहरों के अंदर आ गया। लोगों ने अपने चौक-चौराहों पर विदेशी बूट बजते देखे।

रिबोर्न मनीष
ब्लॉगर

और जब राजधानी तक पंहुचा तो युद्ध खत्म हो गया।

अब युद्ध राजधानी से ही शुरू होता है।

प्रिसिजन बॉम्बिंग, जीपीएस, और ड्रोन ने इंडिविजुअल किलिंग को महज वीडियो गेम बना दिया है।

शत्रु किसी देश की जनता नहीं होती, राजनेता होते हैं। तमाम टेक्नोलॉजी के बावजूद यह मॉरल बंधन बना हुआ था कि केवल सैनिक ठिकाने पर निशाना लगाया जाएगा। नेता बचे रहते थे। इस युद्ध ने सिविलियन और राजनीतिक ठिकानों पर भी प्रिसिजन अटैक की परिपाटी बिठाई है।

आने वाले दौर में युद्ध लड़ने वाले हर नेता पर, हत्या का खतरा बना रहेगा और सिर्फ खामनेई के लोग कंप्रोजमाइज्ड थे, बाकी के नही होंगे। ऐसा सोचना खामख्याली है।

हर देश में, हर राजधानी के, हर नेता के गिर्द कंप्रोजमाइज्ड लोग रहते है। ये उन्ही के विश्वासपात्र लोग होते हैं और जिन्हें नेता के मरने में लाभ मिलना है।

तो आने वाले दौर के हर युद्ध में राजधानी पर बम गिराकर 'सांप का फन कुचलने' का जुमला सुना दिया जाएगा। दूसरा करे, उसके पहले खुद करने की कोशिश रहेगी।

नेगोशियेशन्स का अंडर टोन कुछ यह होगा, साइन कर, वरना तुझे मरवा दूंगा। युद्ध, बहादुरी और शौर्य का मसला कम, विपक्षी नेता की हत्या का कंपटीशन बनकर रह जाना है। इसे हम सिविलाइज्ड वर्ल्ड ऑर्डर कहते रहेंगे।

गुंडे, मवाली, माफिया और व्यापारी को नेता बनाने का अंजाम यही है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ऊर्जा का महत्व, बदलती जरूरतें और मजबूरियां

हाल ही में दुनिया में एक बार फिर ऊर्जा क्षेत्र को लेकर विस्तार से चर्चा हो रही है। यह ऊर्जा क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। दुनिया के कई देश इस बात पर एक राय हो रहे हैं कि जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम की जाए और ऊर्जा के बदलते स्रोतों को अपनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जाएं। कहा जा रहा है कि साल 2035 तक कोयला आधारित बिजली उत्पादन में कटौती की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सवाल यह है कि आखिर क्यों बार-बार एनर्जी सेक्टर पर इतनी गंभीरता से बातचीत की जा रही है? क्यों वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया जा रहा है? असल में दुनिया ऊर्जा के क्षेत्र में संकटों का सामना कर रही है। सभी इस बात को समझ चुके हैं कि इस क्षेत्र पर अभी गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाला समय चुनौतीपूर्ण होगा। उभरते ऊर्जा संकट, घटते जीवाश्म ईंधन संसाधनों और उच्च तेल की कीमतों के साथ जलवायु परिवर्तन की चिंताओं ने बढ़ती ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए नवीकरणीय, वैकल्पिक, पर्यावरण अनुकूल और कार्बन तटस्थ ईंधन के विकास की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया है। अधिकांश ऊर्जा संकट स्थानीय कमी, युद्ध और बाजार में हेरफेर के कारण हुए हैं। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि कर वृद्धि, ऊर्जा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण और इस क्षेत्र के विनियमन जैसी सरकारी कार्रवाई ने इस संकट को बढ़ाया है।

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

जहां तक भारत की बात है, तो इसके ऊर्जा संकट से निपटने की राह में कई चुनौतियां हैं। पहली बात तो यह है कि सभी के पास सीमित ऊर्जा संसाधन हैं। भारत के पास कोयला, तेल और गैस जैसे सीमित ऊर्जा संसाधन ही मौजूद हैं और वह अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों की पूर्ति के लिए आयात पर निर्भर है। वहीं कोयला भंडार कमजोर है और उनके निष्कर्षण एवं उपयोग से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताएं जुड़ी हुई हैं। परिणामस्वरूप भारत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रहा है, जैसे कि सौर, पवन और जल विद्युत। देश के ऊर्जा क्षेत्र में अभी अपर्याप्त निवेश है।

भारत विश्व के सबसे बड़े ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जकों में से एक है और इसका ऊर्जा क्षेत्र इन उत्सर्जनों का एक प्रमुख योगदानकर्ता है। वहीं जलवायु परिवर्तन देश की ऊर्जा अवसंरचना को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि मौसमी घटनाओं की आवृत्ति बढ़ती जा रही है। एक अध्ययन के अनुसार, देश में एलईडी बल्ब एवं ट्यूबलाइट के इस्तेमाल से उजाले के लिए खर्च होने वाली बिजली में करीब 75 फीसदी की कमी आई है। भवनों में बिजली की खपत को लेकर भी कई अध्ययन हुए हैं, जो बताते हैं कि ऊर्जा दक्ष उपकरणों के इस्तेमाल से करीब 30 फीसदी बिजली खपत कम की जा सकती है। यानी भवनों में 1.20 लाख गीगावाट बिजली बचाए जाने की संभावनाएं मौजूद हैं।

ऊर्जा दक्षता के मानकों को लागू कर घरेलू और आवासीय भवनों में बड़े पैमाने पर बिजली को बचाया जा सकता है। यदि भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानक लागू हो जाएं, तो अतिरिक्त 30 फीसदी बिजली बच सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में उद्योग जगत सबसे ज्यादा करीब 42 फीसदी बिजली खर्च करता है। दूसरे नंबर पर घरेलू क्षेत्र 24 फीसदी बिजली खर्च करता है। व्यावसायिक भवनों में बिजली की खपत आठ फीसदी है। भवन क्षेत्र की कुल खपत 32 फीसदी है, लेकिन भवनों में ऊर्जा दक्षता के मानकों का क्रियान्वयन सबसे कम हुआ है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता* 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार

अंतस

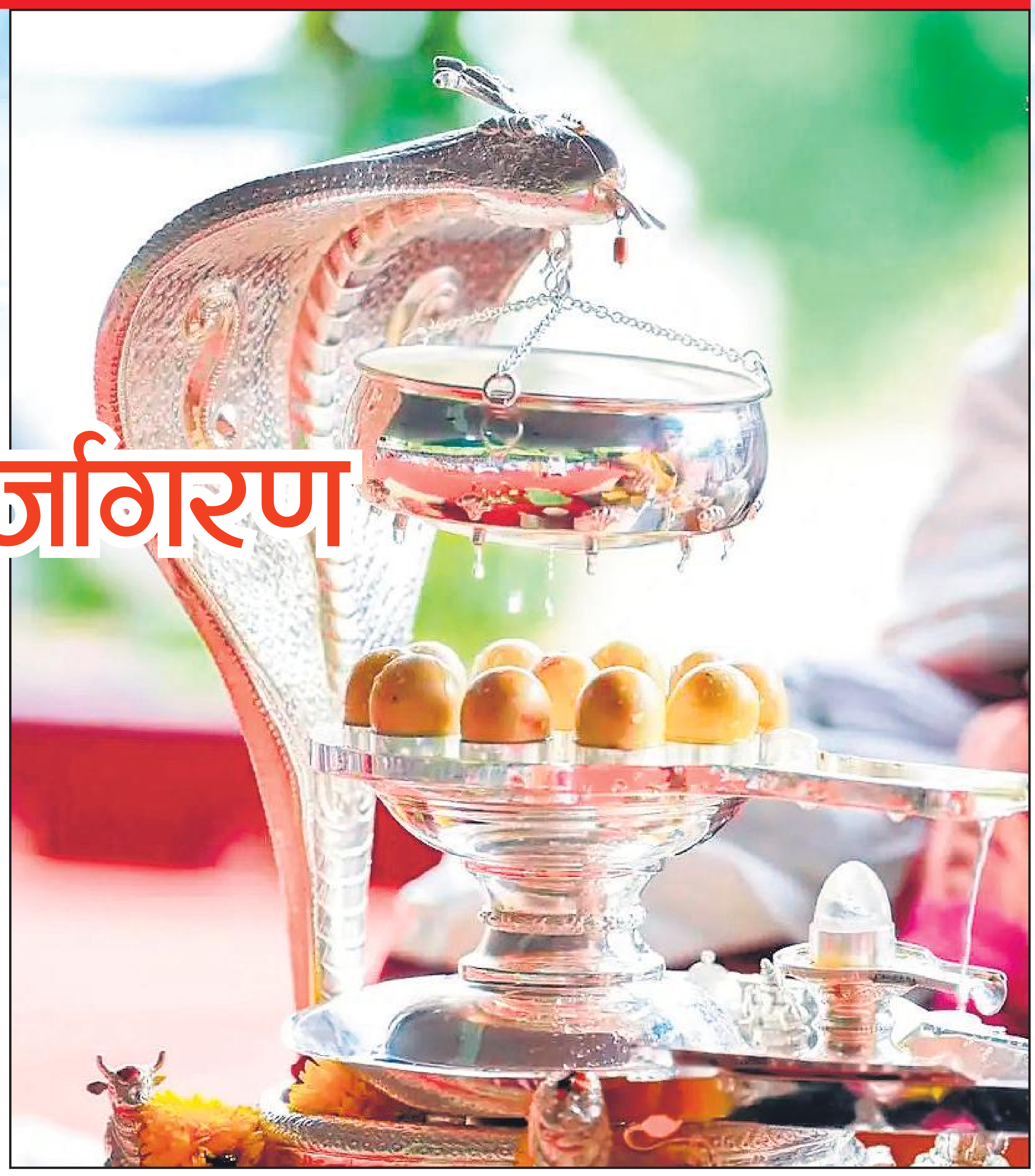

नाथ नगरी बरेली एक ऐतिहासिक आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। देशव्यापी यात्रा के अंतर्गत, पावन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के 1000 वर्षों तक संरक्षित रहे अवशेष, 30 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेंगे और 10 अप्रैल को बरेली में इस विराट यात्रा का समापन होगा। यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक अस्मिता और आध्यात्मिक विजय का प्रतीक माना जा रहा है।

श्वेता
वीडीएस स्टेट को-ऑर्डिनेटर
यूपी, आर्ट ऑफ लिविंग

नाथ नगरी में इतिहास का पुनर्जागरण

सहस्राब्दी की गाथा (1026 से 2026)

इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि 1026 ईसवी में आक्रमणकारी महमूद गजनवी ने मूल सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। परंतु आस्था की लौ बुझी नहीं। मंदिर के कुछ पवित्र अंश अग्निहोत्री पुजारियों द्वारा गुप्त रूप से सुरक्षित रखे गए। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इन अवशेषों की पूजा होती रही और उन्हें दुनिया की नजरों से दूर रखा गया। सन् 1924 में तत्कालीन कांची शंकराचार्य ने भविष्यवाणी की थी कि इन अवशेषों को एक शताब्दी तक सुरक्षित रखा जाए और समय आने पर एक योग्य आध्यात्मिक नेतृत्व को सौंपा जाए।

आध्यात्मिक सेतु: सोमनाथ और आर्ट ऑफ लिविंग

गुरुदेव श्री श्री रविशंकर और आर्ट ऑफ लिविंग वर्षों से भारतीय आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित करने का कार्य कर रहे हैं। आर्ट ऑफ लिविंग का मूल दर्शन 'तनावमुक्त मन, हिंसामुक्त समाज' केवल आधुनिक जीवनशैली तक सीमित नहीं, बल्कि प्राचीन आध्यात्मिक मूल्यों की पुनर्स्थापना से भी जुड़ा है। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेषों को देशभर के ज्योतिर्लिंगों की यात्रा पर ले जाने का निर्णय इसी दृष्टि का विस्तार है। यह यात्रा किसी संस्था का आयोजन भर नहीं, बल्कि राष्ट्रव्यापी आध्यात्मिक एकता का अभियान बन चुकी है। गुरुदेव ने इसे 'आस्था की अखंड ज्योति' बताते हुए कहा कि यह भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का प्रतीक है।

2025: भविष्यवाणी की पूर्णता

जनवरी 2025 में परंपरा के अंतिम संरक्षक सीतारामन शास्त्री ने ये पवित्र अवशेष बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को सौंपे। महाशिवरात्रि 2025 के पावन अवसर पर इनका सार्वजनिक अनावरण किया गया। श्रद्धालुओं के अनुसार इन अवशेषों में विशिष्ट चुंबकीय और आध्यात्मिक ऊर्जा अनुभव की जाती है। यह क्षण केवल हस्तांतरण नहीं, बल्कि 100 वर्षों पुरानी भविष्यवाणी की पूर्ति और 1000 वर्षों की साधना का फल था।

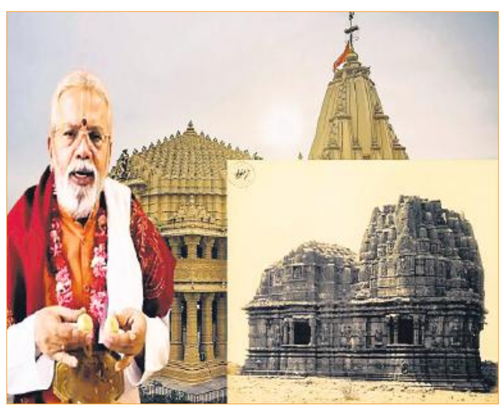

सांस्कृतिक अस्मिता की विजय

सोमनाथ की यह यात्रा केवल अतीत का स्मरण नहीं, बल्कि यह संदेश है कि भारत की आध्यात्मिक धरोहर को कोई भी शक्ति समाप्त नहीं कर सकती। 1000 वर्षों का संरक्षण, 100 वर्षों की प्रतीक्षा और आज का पुनरुत्थान यह कथा श्रद्धा, धैर्य और सांस्कृतिक चेतना की विजय है। 10 अप्रैल 2026 को बरेली में होने वाला यह आयोजन इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में दर्ज होगा। अब झुमका नहीं, सोमनाथ की ज्योति यहां दमकेगी।

बरेली क्यों बनेगा ऐतिहासिक पड़ाव?

उत्तर प्रदेश में 30 मार्च को प्रवेश के बाद यह यात्रा 10 अप्रैल 2026 को बरेली पहुंचेगी। नाथ नगरी बरेली, जो अपने सात प्राचीन शिव मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इस ऐतिहासिक अवसर की साक्षी बनेगी। वर्षों तक बरेली झुमके के लिए पहचानी जाती थी, परंतु अब यह नगरी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अवशेषों के स्वागत के लिए जानी जाएगी। यह आयोजन बरेली के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगा।

पौराणिक कथा

निष्काम प्रेम व अटूट निष्ठा की शक्ति

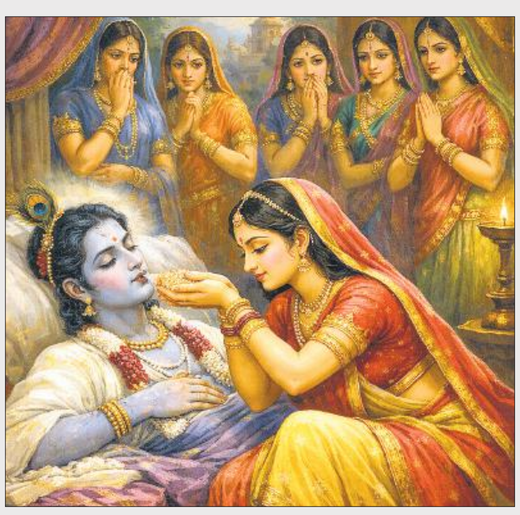

एक बार वृंदावन में ऐसा समय आया जब नंदलाल अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। उनकी बीमारी देखकर पूरे ब्रज में चिंता का वातावरण फैल गया। अनेक प्रकार की दवाएं और जड़ी-बूटियां आजमाई गईं, लेकिन किसी भी उपाय से कृष्ण की तबीयत में सुधार नहीं हो रहा था। सभी लोग असहाय होकर किसी चमत्कार की प्रतीक्षा कर रहे थे। तभी श्रीकृष्ण ने स्वयं एक अनोखा उपाय बताया। उन्होंने गोपियों से कहा कि यदि कोई ऐसा व्यक्ति, जो उनसे अत्यंत प्रेम करता हो और उनकी सच्ची चिंता करता हो, अपने पैरों को धोकर उस जल को उन्हें पिला दे, तो वे अवश्य स्वस्थ हो जाएंगे।

यह सुनते ही वहां उपस्थित सभी गोपियां गहरी दुविधा में पड़ गईं। वे सभी कृष्ण से अपार प्रेम करती थीं और उनकी भक्ति में पूरी तरह समर्पित थीं, लेकिन इस उपाय को अपनाने का साहस कोई नहीं जुटा पा रही थी। गोपियों के मन में एक भय था कि यदि किसी ने अपने पैरों का जल कृष्ण को पिला दिया और किसी कारणवश वे स्वस्थ न हुए, तो यह बहुत बड़ा अपराध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में नर्क का दंड भी भोगना पड़ सकता था। वे कृष्ण के लिए चिंतित तो थीं, लेकिन संभावित परिणामों के विचार से उनके कदम ठिठक रहे थे। इसी बीच वहां राधा पहुंचीं। जैसे ही उन्होंने अपने प्रिय कृष्ण को उस अवस्था में देखा, उनका हृदय व्याकुल हो उठा। गोपियों ने उन्हें कृष्ण द्वारा बताया गया उपाय समझाया। राधा ने बिना एक पल गंवाए अपने पैरों को धोकर उसी जल से चरणामृत तैयार किया और उसे कृष्ण को पिलाने के लिए आगे बढ़ गईं। राधा को यह भली-भांति ज्ञात था कि वह क्या कर रही हैं। उनके मन में भी वही भय था, जो अन्य गोपियों के मन में था, लेकिन उनके लिए कृष्ण का जीवन और स्वास्थ्य सबसे अधिक महत्वपूर्ण था।

यदि उनके इस कार्य के कारण उन्हें नर्क भी जाना पड़े, तो भी वे इसके लिए तैयार थीं। उनके प्रेम और समर्पण के सामने अपने भविष्य की चिंता नगण्य थी। जैसे ही कृष्ण ने वह चरणामृत ग्रहण किया, उनकी अवस्था तुरंत सुधरने लगी और थोड़ी ही देर में वे पूर्णतः स्वस्थ हो गए। यह राधा के निष्काम प्रेम और अटूट निष्ठा की शक्ति थी, जिसने इस चमत्कार को संभव बना दिया। इस घटना ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्चा प्रेम वही है, जिसमें प्रियजन की भलाई के लिए स्वयं के सुख-दुख की चिंता भी त्याग दी जाए।

बोधकथा

कालदेव और समय का वरदान

प्राचीन काल की बात है। हिमालय की तराई में एक छोटा-सा नगर था, जहां सत्यपाल नाम का एक साधारण किंतु परिश्रमी व्यक्ति रहता था। वह अत्यंत धर्मपरायण था, पर उसके मन में एक दुर्बलता थी। वह दूसरों की उन्नति देखकर भीतर-ही-भीतर ईर्ष्या से भर उठता था। यद्यपि वह किसी का प्रत्यक्ष अहित नहीं करता था, पर उसके विचार सदैव नकारात्मक रहते थे। एक दिन सत्यपाल वन मार्ग से गुजर रहा था। मार्ग में उसने एक वृद्ध ब्राह्मण को प्यास से व्याकुल देखा। बिना कुछ पूछे उसने अपने कमंडल से जल निकालकर उसे पिला दिया। जल पीते ही उस वृद्ध का स्वरूप दिव्य हो गया। वे स्वयं कालदेव थे- समय और कर्म के अधिष्ठाता देव। कालदेव बोले, "वत्स, तुम्हारे इस निः स्वार्थ कर्म से प्रसन्न होकर मैं तुम्हें एक अद्भुत वरदान देता हूं। तुम्हें एक घंटे का ऐसा समय दिया जाता है, जिसमें तुम जो भी काम करोगे, उसका फल तुरंत मिलेगा। पर ध्यान रहे- यह समय फिर कभी लौटकर नहीं आएगा।"

यह कहकर कालदेव अंतर्धान हो गए। सत्यपाल का मन उत्साह से भर उठा। उसने सोचा- अब तो मैं अपने भाग्य को बदल दूंगा। वह नगर लौटा और सबसे पहले अपने धनी पड़ोसी के घर गया। मन में आया कि यदि उसका धन नष्ट हो जाए, तो मेरा सम्मान बढ़ेगा। जैसे ही उसने यह विचार किया, पड़ोसी का धन हानि में बदल गया। यह देखकर सत्यपाल के मन में अजीब-सी तृप्ति हुई। फिर वह अपने प्रतिद्वंद्वी के पास गया और उसके पतन की कामना की। वह भी पूरी हो गई। एक के बाद एक, वह दूसरों के अहित की योजनाएं बनाता रहा और समय बीतता गया। उसे लगा जैसे शक्ति उसके हाथ में है और वही सब कुछ है। अचानक सूर्य अस्त होने लगा। सत्यपाल चौंका। उसे याद आया कि उसने

अपने लिए कुछ भी नहीं मांगा। वह दौड़ता हुआ अपने घर पहुंचा और मन ही मन दीर्घायु, सुख और शांति की कामना करने लगा। तभी आकाश में कालदेव की वाणी गूंजी- "वत्स, समय समाप्त हो चुका है। तुमने जो शक्ति पाई थी, उसका उपयोग दूसरों को गिराने में किया, जो मनुष्य समय को द्वेष में गंवाता है, समय उसे ही लील लेता है।" क्षणभर में सत्यपाल का शरीर दुर्बल हो गया। उसे अपनी भूल का बोध हुआ, पर अब बहुत देर हो चुकी थी। यह कथा सिखाती है कि ईश्वर द्वारा दिया गया समय और सामर्थ्य अमूल्य होता है, जो उसका उपयोग दूसरों के कल्याण में करता है, वही वास्तव में धन्य होता है। द्वेष और ईर्ष्या में किया गया प्रत्येक कर्म अंततः स्वयं के पतन का कारण बनता है।

महत्वपूर्ण त्योहार

शीतला अष्टमी

तिथि : 11 मार्च, बुधवार 2026

- चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को शीतला अष्टमी के रूप में मनाया जाता है। कई स्थानों पर इस पर्व को बसोड़ा या बसोड़ा अष्टमी भी कहा जाता है। यह त्योहार विशेष रूप से उत्तर भारत के राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि यह पर्व रोग और संक्रमण से रक्षा की कामना के साथ मनाया जाता है। इस दिन परंपरा के अनुसार अंतिम बार बासी भोजन ग्रहण किया जाता है।

- शीतला अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और पूजा की तैयारी करें। एक थाली में पुआ, दही, रोटी, बाजरा और सप्तमी के दिन गुड़ से बनाए गए मीठे चावल रख लें। दूसरी थाली में आटे से बना दीपक रखें और उसके साथ रोली, वस्त्र, अक्षत, हल्दी, मेहंदी और कुछ सिक्के रखें। दोनों थालियों के साथ ठंडे पानी से भरा एक लोटा भी रखें। इसके बाद माता शीतला की पूजा करें और उन्हें बारी-बारी सभी सामग्रियां अर्पित करें।

शक्ति उपासना का केंद्र शक्तिपीठ मां देवीपाटन मंदिर

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद के तुलसीपुर तहसील के पाटन गांव में स्थित मां देवीपाटन मंदिर हिंदू धर्म के प्रसिद्ध 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहां माता सती के शरीर का पवित्र भाग गिरा था और यही कारण है कि यह स्थल शक्ति का धाम, आस्था का केंद्र और तीर्थस्थल के रूप में अत्यंत प्रतिष्ठित है। शक्ति पीठों का पौराणिक चरित्र देवी भागवत पुराण, स्कंद पुराण, कलिका पुराण और शिव पुराण में वर्णित है।

देवीपाटन शक्तिपीठ के संदर्भ में माना जाता है कि यहीं पर माता सती का बायां स्कंध (कंधा) वस्त्र सहित गिरा था और इसी कारण से इसे शक्तिपीठ का स्थान प्राप्त हुआ। यहां माता को "पाटेश्वरी" के नाम से पूजा जाता है अर्थात वह देवी, जिसका संबंध उस पाट वस्त्र से स्थापित है। यह स्थल केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, अपितु सांस्कृतिक आस्था, शक्ति, भक्ति और दैवीय शक्ति का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि देवी के गिरने वाले भाग के कारण यहां शक्ति की ऊर्जा सदियों से जीवित है। श्रद्धालु पवित्र सूर्यकुंड में स्नान कर मंदिर के भीतर स्नानादि अनुष्ठान के माध्यम से स्वयं को दिव्य शक्ति से जोड़ते हैं।

नमिता वैश्य
प्रधानाध्यापक

महारथी कर्ण ने यहां ली थी दिव्यास्त्रों का दीक्षा: एक लोक विश्वास के अनुसार द्वापर युग में यहां सूर्यपुत्र कर्ण ने सूर्यकुंड में स्नान करने के बाद परशुराम से दिव्यास्त्रों की दीक्षा प्राप्त की थी। इसी कारण से इस स्थान की महिमा और भी बढ़ जाती है। यहां पर शिव-दुर्गा की शक्ति की अनुभूति अलग-सी होती है। गर्भगृह से नीचे पाताल तक प्राचीन सुरंग की कथा कही जाती है और आज भी माना जाता है कि त्रेतायुग से जलती हुई अखंड ज्योति देवी की शक्तिमत्ता का प्रमाण है। देवीपाटन शक्ति पीठ ऐतिहासिक रूप से उत्तर भारत में शक्ति की उपासना का मुख्य केंद्र रहा है। इस पीठ की स्थापना नाथ संप्रदाय के आदिगुरु गोरखनाथ ने की थी। यहां के आसपास ऋषि-मुनियों के तप और साधना की कहानियां प्रचलित हैं, जिनमें गुरु गोरखनाथ और सिद्ध रत्ननाथ (नेपाल) जैसे संतों का नाम उल्लेखनीय है, जिन्हें यहीं सिद्धि प्राप्त हुई थी, जिससे इस स्थान की आध्यात्मिक महत्ता और भी स्पष्ट होती है।

भारत-नेपाल का सांस्कृतिक सेतु: यह शक्तिपीठ दो देशों भारत और नेपाल के सांस्कृतिक सेतु के रूप में भी प्रसिद्ध है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इसे भारत-नेपाल के बीच एक सांस्कृतिक सेतु बताया है, जो देवी के सान्निध्य में सामाजिक एवं आध्यात्मिक जुड़ाव को मजबूती प्रदान करता है। देवीपाटन मंदिर को श्रद्धालु केवल पूजा-स्थल के रूप में नहीं देखते, अपितु यह एक ऐसा स्थान है, जहां देवी की कृपा से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, ऐसी मान्यता प्रचलित है। भक्त मानते हैं कि मां पाटेश्वरी के दर्शन तथा पूजा से जीवन की इच्छाएं, स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मुख्य आकर्षण : शक्ति पीठ के मुख्य आकर्षणों में सूर्यकुंड, अखंड धूनी (जहां निरंतर धूना जलाई जाती है) तथा गोपनीय पूजा-अर्चना शामिल हैं। चैत्र और शारदीय नवरात्र के समय

यहां विशेष रूप से भक्तों का भारी आस्था-ज्वार उमड़ता है। नवरात्रि पर करीब 15 दिनों तक राजकीय मेला लगता है, जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों समेत नेपाल के श्रद्धालु आराधना के लिए आते हैं। मंदिर परिसर में नौ दुर्गा रूपों की प्रतिमाएं, विधि-विधान से पूजा-पाठ, दीप प्रज्ज्वलन, हवन-पूजन और लाल चुनरी, सिंदूर, फूलों सहित अनेक भेंट-वस्तुओं का समर्पण इस पूजा परंपरा को और भी समृद्ध बनाते हैं। मां की पूजा अलौकिक एवं अद्वितीय है। अर्द्धरात्रि के दूसरे पहर एक से चार बजे तक पूजा का समय निश्चित है, इसका समय कभी नहीं बदलता। समय के साथ इस मंदिर की महत्ता मात्र धार्मिक ही नहीं रह गई, अपितु यह देश का एक आध्यात्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र भी बन गया है। मुख्यमंत्री का दूसरा घर कहे जाने वाले शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर को और भव्य बनाने के प्रयास प्रारंभ हो चुके हैं। अयोध्या धाम में आने वाले धार्मिक पर्यटक शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर की ओर उन्मुख हों, इसके लिए सरकार ने 42 करोड़ 50 लाख रुपये दिए हैं। बलरामपुर प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार ने मंदिर के आसपास 50 एकड़ क्षेत्र का विकास करने की योजना बनाई है, जिससे यहां धार्मिक पर्यटन को और भी बढ़ावा मिले।

इस तरह जा सकते हैं मंदिर : मंदिर तक पहुंचने के लिए सबसे सरल रेल मार्ग सेवा है। लखनऊ तथा गोरखपुर ट्रेन के द्वारा आने पर तुलसीपुर रेलवे स्टेशन पर उतरना होगा। यहां से लगभग डेढ़ किलोमीटर मंदिर तक पहुंचने के लिए रिक्शा आदि की सुविधा है। बस से भी तुलसीपुर पहुंचा जा सकता है। लखनऊ से गोरखपुर की दूरी लगभग 300 किलोमीटर है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	77,566.16	24,028.05
बढ़त	1352.74	422.50
प्रतिशत में	1.71	1.73

सोना 1,64,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,68,300 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, मंगलवार, 10 मार्च 2026
www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2475, राज श्री 1950, फ़ॉर्चून कि. 2550, रविन्द्रा 2440, फॉर्चुन 13kg 2260, जय जवान 2095, सचिन 2200, सूरज 2095, अवसर 2040, उजाला 2090, गृहणी 13 kg 2025, क्लासिक (kg) 2350, मोर 2300, चक्र टिन 2445, ब्लू 2275, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2430
किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050
चावल – (प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200
दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100
चीनी – पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4200

बरेली सर्राफा

(दाम प्रति 10 ग्राम) सोना–पक्के आभूषण 162000, सोना–गिन्नी 158000, चांदी (पक्की) 2650 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

मीशो को 1,500 करोड़ की आयकर मांग का नोटिस

नयी दिल्ली। ई–कॉमर्स कंपनी मीशो को आयकर विभाग से लगभग 1,500 करोड़ रुपये की कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस नोटिस को चुनौती देने का निर्णय लिया है। मीशो ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसे छह मार्च को आकलन वर्ष 2023–24 के लिए आयकर विभाग से यह नोटिस मिला। इसमें विभाग की आकलन इकाई ने ब्याज सहित कुल 1,499.73 करोड़ रुपये की कर मांग रखी है। नियामकीय सूचना के मुताबिक, यह कर मांग कंपनी द्वारा घोषित आय में कुछ बढ़ोतरी और समायोजन को आधार बनाते हुए जारी किया गया है। मीशो ने कहा कि वह इस आकलन आदेश की समीक्षा कर रही है और उसमें की गई टिप्पणियों और समायोजनों से सहमत नहीं है।

रिलायंस ने किया 'पहाड़ी लोकल' का अधिग्रहण

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल लिमिटेड ने सोमवार को भारतीय सौंदर्य और सेहत से जुड़े ब्रांड पहाड़ी लोकल और उसके कारोबार का अधिग्रहण करने की घोषणा की। यह ब्रांड पहाड़ी गुडनेस प्राइवेट लिमिटेड के तहत संचालित होता था और हिमालयी प्राकृतिक सामग्री पर आधारित उत्पादों के लिए जाना जाता है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण के जरिये रिलायंस रिटेल अपने सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों को मजबूत करेगी।

30 साल बेमिसाल

मुंबई में सोमवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के हेडक्वार्टर में निफ्टी 50 इंडेक्स के 30 साल पूरे होने पर एक यादगार बुकलेट का विमोचन किया गया। पत्रिका के साथ दायें से सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे, रिजर्व बैंक इंडिपेंडेंट डायरेक्टर स्वामीनाथन गुरुमूर्ति और एनएसई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार चौहान। ● फोटो : एजेंसी

गिरते मार्केट में एसआईपी जारी रखना क्यों है समझदारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: शेयर बाजार में सोमवार, 9 मार्च को भारी गिरावट देखने को मिली। दिन की शुरुआत से ही बाजार में दबाव बना रहा और निवेशकों के बीच घबराहट का माहौल दिखाई दिया। बीएसई सेंसेक्स करीब 2300 अंक तक टूट गया, वहीं एनएसई का निफ्टी-50 भी लाल निशान में कारोबार करता नजर आया। हालांकि बाद में गिरावट थोड़ी कम हुई, लेकिन बाजार की तेज कमजोरी ने निवेशकों को चिंता में डाल दिया।

ऐसे समय में म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या बाजार गिरने पर अपनी एसआईपी (सिस्टेमेटिक इंवेस्टमेंट प्लान) को रोक देना चाहिए।

गिरावट में एसआईपी बंद करना सही नहीं : बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में गिरावट के दौरान एसआईपी बंद करना समझदारी नहीं है। दरअसल म्यूचुअल फंड का रिटर्न और उसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) सीधे तौर पर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। जब बाजार गिरता है तो फंड का एनएवी भी कम हो जाता है।

एनएवी कम होने का मतलब यह है कि उसी रकम में निवेशक को ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। यानी गिरावट के समय निवेश करने से निवेशक कम कीमत पर अधिक यूनिट खरीद पाते हैं।

तेजी आने पर मिलता है ज्यादा फायदा: मान लीजिए कि बाजार में गिरावट के दौरान किसी म्यूचुअल फंड की 50 यूनिट आपने 1000 रुपये में खरीदीं। इस हिसाब से एक यूनिट की कीमत 20 रुपये हुई। बाद में जब बाजार में तेजी आती है और वही यूनिट 22 रुपये की हो जाती है, तो सिर्फ कीमत बढ़ने से ही आपकी 50 यूनिट पर 100 रुपये का फायदा हो सकता है।

यही कारण है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए एसआईपी को बेहतर विकल्प माना जाता है। यह बाजार के उतार-चढ़ाव को संतुलित करते हुए निवेशकों को औसत लागत का फायदा ही देता है।

लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर

सीए शरद मिश्रा बताते हैं कि बाजार में गिरावट भले ही आपदा लगती हो लेकिन अक्सर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर बनकर आती है। एसआईपी एक लॉग टर्म इंवेस्टमेंट प्लान होती है। बाजार में गिरावट के समय किया गया निवेश अधिक यूनिट दिलवाता है। इसी तरह चढ़ता बाजार उन यूनिट्स पर अधिक लाभ दिलवाता है। नियमित निवेश जारी रखने से भविष्य में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मार्केट में गिरावट हो या उछाल दोनों ही स्थितियों में एसआईपी को चलते रहने देना चाहिए।

अमेरिका ने किया अनुरोध-रूसी तेल खरीद रिफाइनरियों में भेजे भारत

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री ने इंटरव्यू में किया खुलासा, जिससे नियंत्रण में रहें कीमतें

न्यूयॉर्क/ वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका ने भारत से अनुरोध किया है कि वह समुद्री परिवहन में पहले से मौजूद रूसी कच्चे तेल को खरीदकर उसे भारतीय रिफाइनरियों की ओर मोड़ दे, ताकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आपूर्ति में संभावित कमी और कीमतों में उछाल की आशंकाओं को कम किया जा सके।

अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने कहा कि यह कदम बाजार को स्थिर रखने के लिए एक अल्पकालिक और व्यावहारिक प्रयास है। इसके साथ ही राइट ने स्पष्ट किया कि इस पहल का मतलब रूसी तेल को लेकर अमेरिका की नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है।

उन्होंने रविवार को 'सीएनएन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ मिलकर भारतीय अधिकारियों से बात की थी ताकि चीनी रिफाइनरियों में उतारे जाने की प्रतीक्षा कर रहे रूसी कच्चे तेल के कार्गो को भारत खरीद सके। राइट ने कहा कि भारत इस मामले में एक अच्छा सहयोगी रहा है।

मैंने और वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारतीय अधिकारियों से फोन पर बात की और कहा कि अभी बहुत सारा तेल चीन की रिफाइनरियों में उतारा जाना है।" वहां तेल को उतारने के लिए छह सप्ताह तक इंतजार कराने के बजाय, इसे पहले ही भारत खरीदकर अपनी रिफाइनरियों में भेजे ताकि तेल की कमी की आशंका, कीमतों में अचानक बढ़ोतरी और बाजार में व्याप्त चिंताओं को कम किया जा सके।" इसके साथ ही उन्होंने दोहराया कि रूस के प्रति अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है और "भारत इस बात को लेकर पूरी तरह स्पष्ट है।"

जब उनसे पूछा गया कि क्या रूसी तेल खरीद के लिए भारत को दी गई 30 दिनों की छूट से ट्रंप प्रशासन का रूस को अलग-थलग करने का लक्ष्य कमजोर होता है, उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। यह केवल एक व्यावहारिक कदम है और इसका असर केवल अल्पकालिक है। रूस के प्रति नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वित्त मंत्रालय की तरफ से पिछले हफ्ते दी गई छूट के तहत भारत 30 दिनों तक रूस से कच्चा तेल खरीद सकता है। इसके पहले ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल खरीदने पर भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा दिया था। लेकिन पिछले महीने अंतरिम व्यापार समझौते पर बनी सहमति के तहत इस शुल्क को हटाने की बात कही गई थी।

राइट ने यह भी कहा कि भारत ने रूसी तेल आयात को पूरी तरह बंद कर दिया है और अमेरिका, वेनेजुएला और अन्य देशों से अपने आयात बढ़ा रहा है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने भी इस निर्णय का समर्थन करते हुए कहा कि यह एक अस्थायी और व्यावहारिक उपाय है।

लौटते जहाजों को उसी बंदरगाह पर लंगर की अनुमति जहां से गये थे

नयी दिल्ली, एजेंसी। सीमा शुल्क विभाग ने पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री मार्गों में आए व्यवधान और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के बीच भारतीय बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के प्रबंधन के लिए नियम जारी किए हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा आठ मार्च को जारी किए गए और 15 दिन के लिए वैध ये नियम यह निर्धारित करते हैं कि माल के पारगमन के अलावा ऐसे सभी मामलों में जहाज को केवल उसी भारतीय बंदरगाह पर लंगर डालने की अनुमति दी जाएगी जहां से उसने प्रस्थान किया था। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के परिपत्र के अनुसार, बोर्ड के अधीन क्षेत्रीय कार्यालय ऐसी खेप पर दिए गए 'एकीकृत माल एवं सेवा कर' 'शुल्क वापसी' आदि सहित सभी निर्यात प्रोत्साहनों की स्वयं वसूली करेंगे यदि उनका भुगतान पहले ही किया जा चुका है।

● **बंदरगाहों पर लौटने वाली निर्यात खेप के लिए सीमा शुल्क विभाग ने जारी किए नए नियम**

ईरान युद्ध में कानपुर के 6,000 करोड़ रुपये स्वाहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग से तेल की कीमतों में भारी उछाल के बीच दुनिया भर के शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में तेजी से सोमवार को सेंसेक्स करीब 2500 अंकों तक गिर गया था। हालांकि क्रूड ऑयल की कीमतों में नरमी की ख़बरों के बाद थोड़ी रिकवरी आई और कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1353 अंक वहीं निफ़्टी 422 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। युद्ध शुरू हुए 10 दिन हो गए हैं, इस बीच 5 दिन शेयर बाजार खुला है। गुरुवार 5 मार्च को छोड़कर बाकी 4 कारोबारी दिनों में शेयर बाजार में अच्छी खासी गिरावट हुई है। शेयर बाजार में हो रही भारी गिरावट से शहर के निवेशकों को जोर का झटका लगा है। सीधे तौर पर शेयरों में निवेश के साथ ही म्यूचुअल फण्ड तथा यूलिप (यूनिट लिंक्ड इन्शयोंरन्स प्लान) के पोर्टफोलियो में बाजार भाव में खासी गिरावट आई है। युद्ध के दौरान पिछले 5 कारोबारी सत्रों में शहर के निवेशकों का शेयर बाजार तथा इसपर आधारित योजनाओं में निवेशित पूंजी में करीब 6,000 करोड़ रुपये की कमी का अनुमान लगाया जा रहा है।

लंबी अवधि के निवेशक फिलहाल धैर्य रखें

आर्थिक विशेषज्ञ राजीव सिंह का कहना है कि ब्रेंट क्रूड में तेजी के कारण बाजार और अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है। अगर अमेरिका–ईरान संघर्ष लंबा चलता है तो भारत जैसे बड़े तेल खरीदार देशों पर असर पड़ेगा। महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि भू–राजनीतिक घटनाओं का बाजार पर असर आमतौर पर लंबे समय तक नहीं रहता है। इसलिए लंबी अवधि के निवेशकों को धैर्य रखना चाहिए। मजबूत सेक्टर वाले शेयरों में किश्तों में निवेश किया जा सकता है। अगर बाजार की दिशा समझ में नहीं आ रही हो, या उतार–चढ़ाव से असहज महसूस हो रहा हो, तो बेहतर होगा कि अनुभवी एक्सपर्ट की सलाह लें। अफवाहों से दूर रहें, सोशल मीडिया की अपुष्ट खबरों पर निर्णय न लें।

बड़े निर्यात अवसर पैदा करेंगे एफटीए : गोयल

नयी दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि पिछले चार वर्षों में भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए नौ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू फार्मा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के लिए बड़े व्यावसायिक अवसर प्रदान करेंगे।

भारत ने ब्रिटेन, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ, चार देशों के समूह यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए), ओमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए को अंतिम रूप दे दिया है। जबकि मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और ईएफटीए के साथ समझौते लागू हो गए हैं, शेष जल्द ही लागू होने की संभावना है। बजट पर आयोजित एक वेबिनार में गोयल ने कहा कि ये समझौते फार्मा, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा पर्यटन क्षेत्रों के लिए नए अवसर खोलते हैं।

उन्होंने उद्योग जगत को सुझाव दिया कि वे इन समझौतों का पूरा लाभ उठाएं और मजबूत स्वास्थ्य परिवेश विकसित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि हमें एक समग्र, एकीकृत और व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली विकसित करने की जरूरत है। मंत्री ने बताया कि खाड़ी सहयोग परिषद और यूरेशिया के साथ एफटीए वार्ता अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।

रुपया 53 पैसे टूटकर सबसे निचले स्तर 92.35 प्रति डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर के मजबूत होने से सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 53 पैसे टूटकर 92.35 प्रति डॉलर (अस्थायी) के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के बीच विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से रुपये पर खासा दबाव देखा गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.22 पर खुला और थोड़ी देर के लिए मजबूत होकर 92.15 तक पहुंच गया। लेकिन बाद में लगातार गिरावट के बीच यह अंत में 92.35 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ।

ऑडिट आदेशों को सार्वजनिक रखें प्राधिकरण

वित्तीय रिपोर्टिंग में भरोसा बढ़ाने के लिए केंद्रीय सूचना आयोग की सलाह

नयी दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) को लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं और मानकों को प्रभावित करने वाले आदेशों, निर्देशों, परिपत्रों और नीतिगत निर्णयों को सार्वजनिक करने की सलाह दी है। यह टिप्पणी सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दायर दूसरी अपील के निपटान के दौरान की गई। अपील में एनएफआरए द्वारा लेखापरीक्षकों या लेखापरीक्षा कंपनियों को मौखिक सुनवाई के दौरान कानूनी सलाहकारों के जरिये प्रतिनिधित्व की अनुमति देने से संबंधित दस्तावेजों की मांग की गई थी।

एनएफआरए की स्थापना सरकार ने 2018 में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत की है। यह लेखापरीक्षकों को विनियमित करता है और कंपनियों द्वारा लेखांकन और लेखापरीक्षा मानकों के अनुपालन की निगरानी करता है। यह वित्तीय रिपोर्टिंग में विश्वसनीयता के लिए लेखापरीक्षा सेवाओं की गुणवत्ता की भी देखरेख करता है।

सूचना आयुक्त पी आर रमेश ने आदेश में कहा-'एनएफआरए वित्तीय विवरणों की विश्वसनीयता की रक्षा करता है, जिन पर निवेशक, कर्ज देने वाले और आम जनता भरोसा करते हैं।'आयोग ने प्राधिकरण को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत उसके दायित्वों की भी याद दिलाई। आदेश में कहा गया कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा 4 के प्रावधानों के तहत प्रतिवादी का यह कर्तव्य है कि वह धारा 4(1)(ख) और 4(1)(ग) में उल्लेखित जानकारी को अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करे ताकि जनता को जानकारी प्राप्त करने के लिए सूचना के अधिकार अधिनियम का सहारा कम-से-कम लेना पड़े।

इसी के अनुरूप, सीआईसी ने प्राधिकरण को सलाह दी कि वह जनहित में सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा चार के प्रावधानों के अनुसार अपने विभाग द्वारा जारी विभिन्न परिपत्रों/ नीतिगत निर्णयों/आदेशों से संबंधित जानकारी अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराए। सुनवाई के दौरान, एनएफआरए ने कहा कि अपीलकर्ता द्वारा मांगा गया दस्तावेज कोई आदेश नहीं था, बल्कि व्यक्तिगत मामलों में लेखा परीक्षकों या लेखापरीक्षा फर्मों को कार्यवाही का सामना करने के लिए जारी कारण बताओ नोटिस के साथ एक आंतरिक नोट था।

काम की बात

जागरूकता की कमी से बिना बीमा चल रहे 50 फीसदी वाहन स्वामी

जरूरी है थर्ड पार्टी इंश्योरेंस, जानिए ! नियम और सजा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: सड़क पर वाहन चलाने के लिए थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस बहुत जरूरी है। यह केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि कानूनन अनिवार्य सुरक्षा कवच है। इसके बावजूद बहुत बड़े अनुपात में वाहन स्वामी अभी भी इसके बिना वाहन चला रहे हैं। यदि आप भी उनमें से एक हैं तो एक छोटी सी लापरवाही भी आपको बड़े कानूनी और आर्थिक संकट में डाल सकती है।

दरअसल, मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 के तहत हर वाहन मालिक के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस जरूरी है। इसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित तीसरे पक्ष को आर्थिक सुरक्षा देना है। कई बार दुर्घटना में ऐसे लोग प्रभावित होते हैं जिनकी कोई गलती नहीं होती। ऐसे मामलों में यह बीमा उनके इलाज, नुकसान या मुआवजे की भरपाई करने में सहायक होता है।

इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईआरडीए) के जनवरी 2026 में जारी एक पत्र के अनुसार, देश में 50 प्रतिशत से अधिक वाहन मालिकों के

● **अन्य व्यक्ति की मौत, चोट और सामने वाले के वाहन को हुआ नुकसान होता है कवर**

● **बहुत कम होती है प्रीमियम, लेकिन बीमा न होने पर हो सकता है चालान और भारी जुर्माना भी**

पास थर्ड पार्टी इंश्योरेंस नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार जागरूकता की कमी से कई लोग इसे गैरजरूरी समझते हैं, जबकि यह कानूनी रूप से अनिवार्य है।

क्या होता है कवर: थर्ड पार्टी इंश्योरेंस में मुख्य रूप से किसी अन्य व्यक्ति की चोट या मृत्यु, सामने वाले वाहन को हुआ नुकसान और सार्वजनिक संपत्ति को हुई क्षति कवर होती है। हालांकि इसमें आपकी अपनी गाड़ी को हुआ नुकसान, चोरी या मेडिकल खर्च शामिल नहीं होते। यानी यह बीमा केवल तीसरे पक्ष को हुए नुकसान की जिम्मेदारी को कवर करता है।

क्या है सजा या जुर्माना : अगर कोई व्यक्ति बिना वैध थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। पहली बार पकड़े जाने पर लगभग 2,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। दोबारा गलती करने पर जुर्माना बढ़ सकता है, साथ ही जेल की सजा, ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन या रद्द होने का खतरा भी रहता है। इसके अलावा अगर ऐसी स्थिति में दुर्घटना हो जाती है तो पीड़ित को मुआवजा चालक को अपनी जेब से देना पड़ सकता है, जो कई बार लाखों रुपये तक पहुंच जाता है।

कितना होता है प्रीमियम: थर्ड पार्टी इंश्योरेंस का प्रीमियम सरकार तय करती है और यह वाहन के प्रकार के आधार पर अलग-अलग होता है। मोटरसाइकिल के थर्ड पार्टी प्रीमियम लगभग 550 से 900 रुपये और कार का थर्ड पार्टी बीमा करीब 2100 रुपये से 4000 रुपये तक होता है। बीमा प्रीमियम में ये अंतर वाहन के इंजन की क्षमता पर निर्भर करता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि कानूनी जरूरत पूरी करने के लिए थर्ड पार्टी इंश्योरेंस पर्याप्त है, लेकिन बेहतर सुरक्षा के लिए कम्प्रिहेंसिव इंश्योरेंस (फर्स्ट पार्टी) लेना ज्यादा फायदेमंद रहता है। इसमें दूसरे के साथ ही अपने वाहन को हुए नुकसान, चोरी, आग, बाढ़ जैसी स्थितियों के साथ-साथ जीरो डेप्रिसिएशन और रोडसाइड असिस्टेंस जैसे अतिरिक्त लाभ भी मिल सकते हैं।

सरकार ने अदला-बदली नीलामी में वापस खरीदे 6,309 करोड़ के बॉन्ड

मुंबई, एजेंसी

सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से आयोजित अदला-बदली नीलामी के तहत 6,309 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां (जी-सेक) वापस खरीद ली हैं और उनके बदले 6,431.79 करोड़ रुपये के नए बॉन्ड जारी किए हैं। सरकारी प्रतिभूति कम जोखिम वाले ऋण साधन होते हैं जिन्हें सरकार जारी करती है। सरकारी गारंटी वाली इन प्रतिभूतियों पर निश्चित प्रतिफल मिलता है।

सरकार की तरफ से दोबारा खरीदी गई प्रतिभूतियां अगले वित्त वर्ष में परिपक्व होने वाले निर्धारित बॉन्ड का हिस्सा थीं। इनमें 1,684 करोड़ रुपये मूल्य के 7.33 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 1,035 करोड़ रुपये मूल्य के 5.74 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड, 590 करोड़ रुपये मूल्य के 8.15 प्रतिशत जीएस 2026 बॉन्ड और 3,000 करोड़ रुपये के 8.24 प्रतिशत जीएस 2027 बॉन्ड शामिल हैं।

इन बॉन्ड के बदले सरकार ने 1,719.23 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड, 986.52 करोड़ रुपये मूल्य के 7.62 प्रतिशत जीएस 2039 बॉन्ड, 605.60 करोड़ रुपये मूल्य के 6.57 प्रतिशत जीएस 2033 बॉन्ड और 3,120.42 करोड़ रुपये के 7.40 प्रतिशत जीएस 2062 के बॉन्ड जारी किए। यह फरवरी के बाद से आरबीआई द्वारा आयोजित बॉन्ड अदला-बदली की चौथी नीलामी है। इस नीलामी के तहत सरकार निकट अवधि में परिपक्व होने वाले बॉन्ड की जगह लंबी अवधि के बॉन्ड जारी करती है।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति

मुंबई, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए सोमवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की। केंद्रीय बैंक ने पिछले सप्ताह खुले बाजार से दो किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की घोषणा की थी। पहली किस्त के तहत आज खरीद की गयी है जबकि दूसरे किस्त की खरीद 13 मार्च को की जायेगी। आज खरीदी गयी सरकारी प्रतिभूतियों में चार साल, पांच साल, सात साल, आठ साल, नौ साल, 13 साल और 27 साल की मियाद वाली प्रतिभूतियां शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ताइवान की आजादी की मांग करने वालों को चीन में कड़ी सजा

बीजिंग। चीन ने 2025 में ताइवान की स्वतंत्रता की मांग करने वाले कट्टर अलगाववादियों को कड़ी सजा दी है। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में जानकारी दी कि चीन में अलगाव रोधी कानून को सख्ती से लागू किया गया है। सुप्रीम पीपुल्स प्रोक्यूरेटोरेट ने उसी दिन समीक्षा के लिए जमा की गई अपनी वर्क रिपोर्ट में कहा कि राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए अलगाववाद को भड़काने के अपराधों के लिए अलगाववादियों को कानून के अनुसार सजा दी गई है।

बेंगलुरु के पास से अपहृत व्यक्ति का शव तमिलनाडु में मिला

बेंगलुरु। शहर के पास से अपहृत किए गए एक रियल एस्टेट कारोबारी का शव सोमवार को पड़ोसी राज्य तमिलनाडु में मिला जिस पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान 30 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी गोपाल उर्फ गोपी के रूप में हुई है, जो बेंगलुरु शहर के बाहरी इलाके में आनेकल तालुक के होन्नाकलासापुरा गांव के निवासी थे। पुलिस ने मोहन बाबू नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसे मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है। उसके दो साथियों को पकड़ने के प्रयास भी जारी हैं।

ओडिशा : आइसक्रीम फैक्ट्री में विस्फोट, एक की मौत, तीन घायल

ब्रह्मपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में सोमवार को आइसक्रीम बनाने वाली एक इकाई में हुए विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना धारकोट थाना क्षेत्र के अंतर्गत तलपटना गांव में हुई। मृतक की पहचान जगन्नाथ प्रसाद थाना अंतर्गत कुशापल्ली निवासी बिदेशी प्रधान (56) के रूप में हुई है। घायलों में इकाई का मालिक, उसका बेटा और पत्नी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि उन्हें यहां एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पाकिस्तानी निर्माता टैगोर की लघु कथा 'शास्ति' पर फिल्म बनाएंगे

- मशहूर बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी निर्देशन

कराची। पाकिस्तानी निर्माता आबिद मर्चेंट ने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की 1893 की लघुकथा 'शास्ति' (सजा) पर आधारित एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म की शुरुआत करने की घोषणा की है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में पाकिस्तान, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म पेशेवर शामिल होंगे।

फिल्म का निर्देशन बांग्लादेशी फिल्मकार लीसा गाजी करेंगी, जिन्हें उनकी 2025 की फिल्म 'ए हाउस नेम्ड शाहाना' के लिए जाना जाता है। मर्चेंट ने बताया कि वह अपनी संस्था 'सनात इनिशिएटिव' के बैनर तले इस फिल्म का निर्माण करेंगे। फिल्म में बांग्लादेश की दो प्रमुख अभिनेत्रियां पोरी मोनी और चंचल चौधरी मुख्य भूमिका में हैं। सहलेखिका आनन सिद्दीका और ऑस्ट्रेलियाई-बंगाली अभिनेता अर्का दास भी इसमें शामिल हैं। मर्चेंट ने कहा कि यह फिल्म दो भाई और उनकी पत्नियों के इर्द-गिर्द घूमती है और इसमें हत्या और अदालत का कथानक भी है। हालांकि यह एक व्यावसायिक फिल्म है जिसे हम कई भाषाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रिलीज करना चाहते हैं।

उनसे जब फिल्म में पाकिस्तानी कलाकारों की अनुपस्थिति के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह फिल्म बांग्लादेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित है, इसलिए प्रामाणिकता महत्वपूर्ण है।

इजराइल का डिफेंस सिस्टम इतना भी अभेद्य नहीं

ईरान के खिलाफ 28 फरवरी से शुरू हुए ताजा युद्ध में इजराइल को भीषण जवाबी हमलों का सामना करना पड़ा है और इन हमलों ने एक बार फिर इस बहुप्रचारित दावे पर सवाल उठाए हैं कि इजराइल का एयर डिफेंस सिस्टम अभेद्य है। दरअसल, ईरानी मिसाइलों ने इजराइल की राजधानी तेल अवीव के साथ मध्य इजराइल के घनी आबादी वाले इलाकों को निशाना बनाया है जिनकी वजह से न सिर्फ तमाम लोगों की मौत हुई है बल्कि सैकड़ों लोग घायल भी हुए हैं। ईरान के हमलों से बचने के लिए इजराइल की बड़ी आबादी को बंकरों में शरण लेनी पड़ी है। तेल अवीव समेत प्रमुख शहरों में बार-बार लोगों को अलर्ट करने के लिए साइरन बज रहे हैं, जो यह बताने के लिए काफी है कि खुद इजराइल को भी यह एहसास है कि उसका एयर डिफेंस सिस्टम शत-प्रतिशत तौर पर दुश्मन की मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं है।

इजराइल पर हमलों का असर

- मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 28 फरवरी से 4 मार्च के बीच ईरान ने 90 से ज्यादा हमले किए। 9 मार्च को 12 घंटे से भी कम समय में बैलिस्टिक मिसाइलों की 5 बड़ी लहरें दागीं।
- तेल अवीव और मध्य इजराइल के घनी आबादी वाले इलाकों में ईरान की मिसाइलें गिरने से अब तक 24 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ सैकड़ों घायल हुए हैं।
- रामत गन और तेल अवीव के आवासीय भवनों और नागरिक संरचनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान ने इजराइल की हाइफा रिफाइनरी को भी निशाना बनाया गया है।
- तीन मार्च की रिपोर्टों के अनुसार ईरान की लगभग 20 मिसाइलें सीधे नागरिक क्षेत्रों में गिरीं जो साबित करता है कि कुछ मिसाइलें उसके रक्षा कवच को भेदने में सफल रही हैं।
- ईरान के मिसाइल हमले में जॉर्डन में तैनात एक अमेरिकी थाड सिस्टम का रडार (एएन/टीपीवाई-2) भी नष्ट होने की खबर है, इस रडार की कीमत लगभग 300 मिलियन डॉलर थी।

ईरान के हमलों के आगे यह है बड़ी चुनौती

- ईरान एक साथ बड़ी संख्या में मिसाइलें और ड्रोन दागकर इजराइल के रडार और इंटरसेप्टर की क्षमता को ओवरलोड करने की कोशिश कर रहा है।
- ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों का उपयोग किया है, जो अत्यधिक गति और दिशा बदलने की क्षमता के कारण डिफेंस सिस्टम को चकमा दे देती हैं।
- इजराइल के आयरन डोम की तामीर मिसाइल जैसी इंटरसेप्टर मिसाइलों की संख्या सीमित है। लगातार हमलों से इनका स्टॉक खत्म हो सकता है।
- एक आयरन डोम इंटरसेप्टर की लागत 40,000 से 50,000 डॉलर है, जबकि ईरान के ड्रोन बहुत सस्ते हैं। यह इजराइल के लिए महंगा पड़ रहा है।

- 9 मार्च को तेल अवीव में इजराइली नेताओं का अत्यंत गुप्त बंकर ईरानी मिसाइल ने तबाह कर दिया।

अभेद्य नहीं

- ईरान के शक्तिशाली हमलों ने यह साबित किया है कि कोई भी सिस्टम 100 प्रतिशत अभेद्य और अचूक नहीं है। बस इतना ही कहा जा सकता है कि इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और एरो दुनिया में सबसे उन्नत है।

बंकरों के भरोसे लोग

- पूरे देश में 12,000 सार्वजनिक बंकर हैं। ये बड़े भूमिगत हॉल होते हैं जिनमें एक साथ सैकड़ों लोग शरण ले सकते हैं।
- 1992 के बाद बने हर घर या अपार्टमेंट में एक सेफ रूम होना अनिवार्य है। ये मिसाइल हमलों के प्रति सुरक्षित माने जाते हैं।
- कई शॉपिंग मॉल, अस्पताल और होटलों के नीचे गहरे बंकर बने हैं, जिनमें जिम, डाइनिंग एरिया और वाशरूम भी होते हैं।

नेपाल: सबसे युवा और पहले मधेसी पीएम होंगे बालेंद्र

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने अब तक 165 में से 124 सीटों पर हासिल की जीत, एक पर और आगे, चार सीटों की गिनती बाकी

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में हुए आम चुनाव में युवा नेता बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 165 में से 124 सीट पर जीत हासिल कर ली है और एक सीट पर आगे चल रही है। संसद की कुल 275 सीटों में से बाकी बची 110 समानुपातिक (पीआर) सीटों के लिए भी मतगणना अंतिम चरण में है। प्रारंभिक रुझानों में आरएसपी को कुल मतों का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा मिलता दिख रहा है। यदि यही रुझान अंतिम परिणामों में तब्दील होता है, तो आरएसपी अकेले 185-186 सीट तक पहुंच सकती है, जो दो-तिहाई बहुमत (184 सीट) के जादुई आंकड़े से अधिक होगा।

चुनाव आयोग ने 165 में से 162 सीट के परिणाम घोषित कर दिए हैं। नेपाली कांग्रेस 18 सीट जीतकर दूसरे स्थान पर है, जबकि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) ने आठ सीट जीती हैं और एक पर आगे चल रही है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को सात सीट हासिल हुई हैं। इन प्रमुख दलों के अलावा श्रम संस्कृति पार्टी के तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी का एक प्रत्याशी और एक स्वतंत्र उम्मीदवार भी इन चुनावों में सफल रहा है। इस चुनाव का सबसे बड़ा और चौंकाने वाला परिणाम झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आया है। यहां आरएसपी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे बालेंद्र शाह ने नेपाल के कद्दावर नेता और चार बार प्रधानमंत्री रहे केपी शर्मा ओली को करीब 50,000 वोटों के भारी अंतर से शिकस्त दी है।

पुराने चेहरों के युग का अंत: ओली की हार के साथ ही नेपाल की राजनीति में दशकों से दबदबा रखने वाले पुराने चेहरों के युग का अंत माना जा रहा है। बालेंद्र शाह अब नेपाल के इतिहास के सबसे युवा और पहले 'मधेसी' प्रधानमंत्री बनने की दहलीज पर खड़े हैं।

165 सीटों में से 161 सीट के परिणाम अब तक घोषित

काठमांडू। अब तक प्रत्यक्ष मतदान के तहत 165 सीटों में से 161 सीट के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। शेष चार सीट के परिणाम दोपहर तक आने की संभावना है। आनुपातिक मतदान में आरएसपी को 40,49,604, एनसी को 13,60,281, सीपीएन-यूएमएल को 11,50,679, एनसीपी को 5,91,940, श्रम संस्कृति पार्टी को 2,91,965, जनता समाजवादी पार्टी को 1,16,463 और राष्ट्रीय परिवर्तन पार्टी को 2, 76,931 वोट मिले हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 40 लाख से अधिक वोट हासिल करने के साथ ही आरएसपी को कम से कम 40 अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं, जिससे 275-सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में उसकी कुल संख्या लगभग 164 हो जाएगी। यह बहुमत के लिए आवश्यक 138 सीट से काफी अधिक है।

नेपाल : ऊपरी सदन के नवनिर्वाचित 17 सदस्यों ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

काठमांडू। नेपाल में निचले सदन प्रतिनिधि सभा के चुनाव की गहमागहमी के बीच संघीय संसद के ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा के नवनिर्वाचित सदस्यों ने सोमवार को पद और गोपनीयता की शपथ ली। काठमांडू के सिंह दरबार में आयोजित समारोह के दौरान राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण प्रसाद दहल ने 18 में से 17 सदस्यों को शपथ दिलाई। इन सदस्यों का निर्वाचन इसी वर्ष 25 जनवरी को हुआ था। नेपाल के संविधान के अनुसार, 59 सदस्यीय राष्ट्रीय सभा के सदस्यों का कार्यकाल छह वर्ष का होता है। सदन की निरंतरता बनाए रखने के लिए इसके एक-तिहाई सदस्यों का कार्यकाल प्रत्येक दो वर्ष में समाप्त हो जाता है और उनकी जगह नए चुनाव कराए जाते हैं। इस बार 19 सदस्यों का कार्यकाल 4 मार्च 2026 को समाप्त हुआ था।

मोदी ने रबी लामिछाने और बालेंद्र शाह से बात की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को नेपाल की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता रबी लामिछाने तथा बालेंद्र शाह से बात की और उन्हें चुनाव में जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों की पारस्परिक समृद्धि, प्रगति और खुशहाली के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की। नेपाल के दोनों नेताओं के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि संयुक्त प्रयासों से भारत-नेपाल संबंध आने वाले वर्षों में नयी ऊंचाइयों को छुएंगे। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रबी लामिछाने और आरएसपी के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह के साथ फोन पर सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई।

राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु के सभी छह उम्मीदवारों निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा

- सत्तारूढ़ द्रमुक और विपक्षी अन्नाद्रमुक के प्रत्याशियों ने ही कराया था नामांकन

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा से राज्यसभा की छह सीटों के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक गठबंधन के चार और विपक्षी अन्नाद्रमुक-राजग के दो उम्मीदवारों को सोमवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। नामांकन वापसी की अंतिम तिथि तक केवल इन्हीं छह उम्मीदवारों के नामांकन मान्य होने के कारण निर्वाचन अधिकारियों ने उन्हें विजयी घोषित किया और निर्वाचन प्रमाणपत्र भी सौंप दिए।

चुनाव के लिए 16 मार्च को मतदान होना है लेकिन तमिलनाडु के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के अलावा किसी अन्य दल के उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ सके। राज्य विधानसभा में उम्मीदवार बनने के लिए कम से कम 34 विधायकों का समर्थन और 10 विधायकों की ओर से प्रस्तावित नामांकन आवश्यक था। निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों में तिरुचि एन शिवा (द्रमुक) शामिल हैं, जो लगातार छठी बार निर्वाचित हुए हैं। द्रमुक के प्रो. जे कॉन्स्टैंटाइन रविंद्रन, कांग्रेस के क्रिस्टोफर तिलक, डीएमडीके के कोषाध्यक्ष एलके सुदीश, अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता एम थंबीदुरई और पीएमके के एक धड़े के नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अंबुमणि रामदास भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। कुल 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में दलों की संख्या के आधार पर द्रमुक और अन्नाद्रमुक उम्मीदवारों की जीत पहले से ही तय मानी जा रही थी।

कोलकाता में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को दिखाए काले झंडे, नारेबाजी की

- कालीघाट मंदिर पहुंचे थे ज्ञानेश कुमार, वापस जाओ के लगे नारे

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण कोलकाता के प्रतिष्ठित कालीघाट मंदिर में सोमवार सुबह दर्शन करने पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को वापस जाओ के नारों और काले झंडों के साथ विरोध का सामना करना पड़ा। यहां मौजूद पुलिसकर्मियों को स्थिति को नियंत्रित करना पड़ा, जिसके बाद ज्ञानेश कुमार मंदिर में दर्शन के लिए आगे बढ़ पाए।

रविवार रात को भी ज्ञानेश कुमार के पहुंचने पर भी हवाई अड्डे के पास इसी तरह का विरोध किया गया था। जब उनका काफिला हवाई अड्डे से बाहर निकल रहा था, तब तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एसआईआर को लेकर विरोध करते हुए वापस जाओ के नारे लगाए और काले झंडे दिखाए। हवाई अड्डे के बाहर वाम दल कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ज्ञानेश कुमार की तीन दिवसीय यात्रा के मद्देनजर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

सीईसी ज्ञानेश कुमार को काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करतीं महिलाएं।

नाम विचाराधीन श्रेणी में देख महिला ने की आत्महत्या

कोलकाता। उत्तर 24 परगना जिले में 50 वर्षीय रीना रानी कुंदू एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची में अपना नाम विचाराधीन श्रेणी में देखकर इतना व्यथित हुई कि सोमवार को आत्महत्या कर ली। उसके दो बेटों के नाम भी सूची से गायब थे। पुलिस के मुताबिक घटना बदुरिया उपमंडल के पश्चिम चांदीपुर गांव में हुई। निर्वाचन आयोग ने 28 फरवरी को जारी मतदाता सूची में 60 लाख से अधिक मतदाताओं को विचाराधीन श्रेणी में रखा था। आयोग की ओर से नियुक्त न्यायिक अधिकारी वर्तमान में गणना प्रपत्रों की 'तार्किक विसंगतियों' को लेकर जांच कर रहे हैं।

अफसरों को धमका रहे सीईसी, ये दुस्साहस है: ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एक बैठक के दौरान राज्य के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर आसीन अधिकारियों का दुस्साहस दिखाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ की बैठक के बाद यह टिप्पणी की है, जिसमें राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने अप्रैल में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा की। कोलकाता में एसआईआर के विरोध में धरनास्थल पर पत्रकारों से बात करते हुए ममता बनर्जी ने ये आरोप लगाए।

एसआईआर : नाम हटाने की याचिका पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उन मतदाताओं की नई याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमति जताई जिनके नाम पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान निर्वाचन आयोग ने हटा दिए थे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमल्य बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी के तर्क पर गौर किया कि यह याचिका मतदाता सूचियों से पूर्ववर्ती मतदाताओं के नाम हटाए जाने से संबंधित है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, ये मतदाता हैं, इन्होंने पहले मतदान किया था, लेकिन अब उनके दस्तावेज स्वीकार नहीं किए गए। सीजेआई ने कहा हम न्यायिक अधिकारियों के निर्णयों के खिलाफ अपील को रोक नहीं सकते। एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि अपील विचारयोग्य है। इस पर पीठ ने कहा कि याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

राजौरी में नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सैनिक लापता

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में सोमवार को नदी पार करने के अभ्यास के दौरान सेना का एक जवान लापता हो गया। जवान का पता लगाने के लिए संयुक्त बचाव अभियान शुरू किया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि यह घटना खौर इलाके में मनावर नदी में हुई और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम जवान का पता लगाने के लिए सेना और पुलिस के साथ अभियान में शामिल है। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "सुंदरबनी में नदी पार करने के प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान, सिपाही अक्षित शर्मा के आज (सोमवार) दोपहर करीब 12 बजे लापता होने की सूचना मिली। सैनिक का पता लगाने के लिए व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

हादी के हत्यारोपियों के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू

ढाका। बांग्लादेश ने सोमवार को कहा कि उसने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपी दो संदिग्ध हमलावरों को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक दिन पहले पश्चिम बंगाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने वाले संदिग्धों को भारतीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने सोमवार को उत्तर-पश्चिमी कॉक्स बाजार में पत्रकारों से कहा, दोनों आरोपियों को प्रत्यर्पित करने की पहल की गई है। ढाका में एक अलग संवाददाता सम्मेलन में बांग्लादेश के पुलिस प्रमुख मोहम्मद अली हुसैन फाकिर ने कहा कि संदिग्धों फैसल करीम मसूद और आलमगीर हुसैन को वापस लाने के लिए राजनयिक प्रयास जारी हैं। इंकलाब मंच के प्रवक्ता और भारत के कट्टर आलोचक रहे हादी जुलाई-अगस्त 2024 के जनांदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हुए थे। इन आंदोलनों के कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार गिर गई थी।

पूर्वी प्रशांत महासागर में नाव पर अमेरिकी हमले में छह की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने रविवार को कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर में कथित मादक पदार्थ तस्करी में शामिल एक नाव पर किए गए हमले में छह लोगों की मौत हो गई। यह कार्रवाई मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ अमेरिकी प्रशासन के अभियान का हिस्सा बताई गई है।

रविवार के इस हमले के साथ ही सितंबर की शुरुआत से छोटे जहाजों को निशाना बनाने के अभियान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 157 हो गई है। ट्रंप प्रशासन इन लोगों को नार्को-आतंकवादी बताता रहा है। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कहा कि पूर्वी प्रशांत महासागर और कैरेबियाई सागर में किए गए 40 से अधिक हमलों की तरह इस कार्रवाई में भी मादक पदार्थ तस्करों को उनके तस्करी मार्गों पर निशाना बनाया गया। हालांकि सेना ने यह सबूत नहीं दिया कि संबंधित नाव में मादक पदार्थ ले जाए जा रहे थे।

राष्ट्रपति प्रोटोकॉल मामले में केंद्र को भेजी रिपोर्ट

- मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति का कारण बताया, दस्तावेज भी भेजे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सिलीगुड़ी दौरे के दौरान कथित प्रोटोकॉल के उल्लंघन के संदर्भ में परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपी। राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती की ओर से केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को भेजी गई रिपोर्ट में घटनाक्रम का विवरण देने के लिए सहायक दस्तावेज भी शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी देने वाली रिपोर्ट संबंधित दस्तावेजों के साथ केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दी गई है। उन्होंने कहा, हमने हर चरण में किए गए प्रशासनिक निर्णयों को रिकॉर्ड में रखा है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कार्यक्रम में क्यों उपस्थित नहीं हुईं। इसके अलावा, राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को राष्ट्रपति मुर्मू के दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय आदिवासी और संथाल सम्मेलन का स्थल बदलने संबंधी निर्णय से जुड़े कारणों के बारे में जानकारी दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सात मार्च को राष्ट्रपति के राज्य दौरे के दौरान प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोपों के बाद पश्चिम बंगाल सरकार से रिपोर्ट मांगी थी। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में राष्ट्रपति के आगमन के दौरान राज्य मेंमुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी, और इसे ब्लू बुक नियमों का गंभीर उल्लंघन बताया गया था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज मित्रों के साथ अनबन हो सकती है। व्यर्थ के खर्चों में बढ़ोतरी होगी। आर्थिक मामलों को लेकर थोड़े लापरवाह हो सकते हैं।

वृष — आज सफलता मिलने के योग हैं। मन में नए और रचनात्मक विचार आते रहेंगे। नए लोगों के साथ संपर्क विकसित होंगे।

मिथुन — आज आप कार्यक्षेत्र में काफी मेहनत करेंगे। व्यवसाय में सुधार करने की आवश्यकता है। बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

कर्क — आज आप छोटी-छोटी बातों को महत्व न दें। बुरे लोगों की संगत से बचें। कमीशन संबंधी कार्यों में धन हानि हो सकती है।

सिंह — आज नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। वाणी पर नियंत्रण रखें। वाहन चलाते समय सावधानी रखनी चाहिए।

कन्या — आज राजनीतिक संबंधों के लिए दिन अच्छा है। आप कठिन काम को सूझबूझ से सुलझा लेंगे। व्यवसाय में बड़ी उपलब्धि मिल सकती है।

तुला — आज अपनी कमियों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ने वाला है। किसी से अधिक अपेक्षा न रखें।

वृश्चिक — आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। साझेदारी से जुड़े हुए कार्यों में सफलता मिलेगी। अपने काम पर विश्वास बनाए रखें।

धनु — आज आपको यात्रा करनी पड़ सकती हैं। स्वास्थ्य बिगड़ने की संभावना है। बाजार के भोजन से आपको बचना चाहिए।

मकर — आज शेयर मार्केट में धन निवेश लाभकारी होगा। परिजनों पर धन खर्च करेंगे। गैरकानूनी कार्यों में रुचि ले सकते हैं।

कुंभ — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों के लिए दिन विशेष है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। कारोबार में योजनाएं बदलनी पड़ सकती हैं।

मीन — आज किसी को उधार में धन न दें। कार्यशैली में सुधार कर सकते हैं। आपको इच्छित परिणाम मिलने में कठिनाई होगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

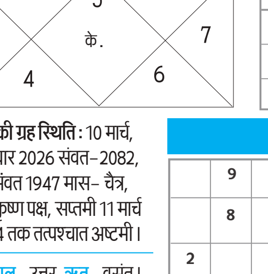

आज की ग्रह स्थिति : 10 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, सप्तमी 11 मार्च 01.54 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 19 .05 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

सुडोकू - 83 का हल

2	9	3	6	5	8	7	1	4
4	6	7	9	1	2	3	5	8
8	5	1	3	4	7	9	6	2
9	1	6	5	2	4	8	3	7
3	8	4	7	6	9	5	2	1
5	7	2	8	3	1	4	9	6
6	4	9	1	8	3	2	7	5
1	3	8	2	7	5	6	4	9
7	2	5	4	9	6	1	8	3

सुडोकू -84

	9		7		5			8
	8		2		1			
2				6				1
		3			2	5	4	
	2	6	1			8		
5				7				2
4			9		3		6	
				1	8		9	

तनातनी — दोनों सदनों में जानकारी दे चुके हैं जयशंकर, विपक्ष की मांग मानने के मूड में नहीं सरकार

पश्चिम एशिया पर संसद में चर्चा होने की संभावना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में मौजूदा संकट पर संसद में चर्चा कराने संबंधी विपक्ष की मांग को सरकार की ओर से स्वीकार किए जाने की संभावना नहीं है क्योंकि विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों सदनों को इस मुद्दे पर जानकारी दे चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा करना चाहती है, जिस पर मंगलवार को चर्चा होने की संभावना है क्योंकि पश्चिम एशिया पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन के कारण कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में स्थिति पर संसद में कोई चर्चा नहीं होगी क्योंकि विदेश मंत्री दोनों सदनों को इस बारे में जानकारी दे चुके हैं। पश्चिम एशिया में स्थिति पर चर्चा की मांग को लेकर सोमवार को लोकसभा में हुए हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद तीसरी बार दिनभर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सरकार ने विपक्ष पर सदन के नियमों का पालन न करने का आरोप लगाया।

विदेश मंत्री एस जयशंकर पश्चिम एशिया में स्थिति पर बयान देने के लिए जैसे ही खड़े हुए, विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए और पश्चिम एशिया में जारी संकट पर विस्तृत चर्चा की मांग की। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने विपक्षी सदस्यों से सदन चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा, आप लोग सदन में तख्तियां लेकर आए हैं, आप यह पहले से तय करके आएं है कि सदन नहीं चलने देना है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस पर गैरजिम्मेदार विपक्षी दल होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लगता है कि विपक्ष असमंजस में है क्योंकि पहले वह खुद लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अनावश्यक प्रस्ताव लेकर आया और अब दूसरा विषय लेकर आ गया। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में संघर्ष और इसकी वजह से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर सोमवार को उच्च सदन में संक्षिप्त चर्चा कराने की मांग की।

असलियत सामने न आ जाए इसलिए डर रहे हैं मोदी : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार संसद में पश्चिम एशिया मामले पर चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि यह बात सामने आएगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है और वह कम्प्रोमाइज्ड हो चुके हैं। राहुल गांधी ने यह दावा भी किया, आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से भाग गए हैं। अब वह सदन के अंदर नहीं आ पाएंगे। राहुल ने कहा, पश्चिम एशिया में आमूलचूल परिवर्तन की लड़ाई चल रही है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होने वाला है। पश्चिम एशिया एक जरूरी मुद्दा है, क्योंकि उसका असर ईंधन की कीमत और भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। वहीं, नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से व्यापार समझौता कर लिया है और हमने स्टॉक बाजार का हाल देख लिया है।

> विश्व कप खिताब का बचाव करने के लिए जज्बा चाहिए और सूर्यकुमार की अगुआई वाली इस टीम ने सबसे बड़े मंच पर असली जज्बे के साथ खेला। संजू ने मौके मिलने पर फिर से दिखाया कि वह मैच विजेता क्यों हैं। अभिषेक शर्मा फाइनल में शानदार थे।
>
> –युवराज सिंह

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

बरेली, मंगलवार, 10 मार्च 2026

हाईलाइट

जीत की हकदार है पूरी टीम : सचिन

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा किया। क्रिकेट जगत ने इस तरह से भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी20 विश्व कप खिताबी जीत को सराहा। तेंदुलकर ने टीम के प्रदर्शन की सराहना की और मुंबई में अपने घर के बाहर जश्न की एक झलक साझा की। तेंदुलकर ने लिखा लगातार दो बार विश्व कप जीतना, पहली बार किसी टीम ने टी-20 प्रारूप में ऐसा किया है। ट्रॉफी के पूरी तरह से हकदार।

यह जीत हमारी ताकत दिखाती है : गांगुली

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह जीत हर स्तर पर भारतीय क्रिकेट की ताकत दिखाती है। गांगुली ने पोस्ट किया टी20 विश्व कप जीतने के लिए भारत को बधाई... बहुत मजबूत टीम... बड़े मुकाबलों में बेहतर हुई... भारतीय क्रिकेट शानदार जगह पर है। महिला चैंपियन, अंडर-19 चैंपियन और अब पुरुष टी20 चैंपियन।

आपकी मुस्कान अच्छी लगती है : धोनी

अहमदाबाद। भारत की इतिहास रचने वाली टी20 विश्व कप जीत ने लगभग दो साल बाद महान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को सोशल मीडिया पर फिर से सक्रिय कर दिया और उन्होंने इस मौके का फायदा उठाते हुए मुख्य कोच गौतम गंभीर को बताया कि उनके गंभीर चेहरे पर मुस्कान कितनी अच्छी लगती है। धोनी ने इंस्टाग्राम पर पिछला पोस्ट 2024 में किया था। उन्होंने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल देखने के बाद पोस्ट किया अहमदाबाद में इतिहास बना, टीम और सहयोगी स्टाफ तथा दुनिया भर में भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते हुए देखकर बहुत खुशी हुई।

सूर्यकुमार का विश्व कप ट्रॉफी के साथ अडालज बावड़ी में हुआ फोटोशूट

अहमदाबाद, एजेंसी

- ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की उमड़ी भीड़
- अष्टकोणीय आकार की इस मध्यकालीन बावड़ी को देखने आते हैं देश-विदेश के पर्यटक

भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव के सोमवार को अडालज बावड़ी में विशेष फोटोशूट के लिए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ट्रॉफी के साथ पहुंचते ही उत्सव जैसा माहौल बन गया।

इस ऐतिहासिक स्मारक परिसर और आसपास की सड़कों पर बड़ी संख्या में प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई प्रशंसक सूर्यकुमार की एक झलक पाने के लिए आसपास की दीवारों और छतों पर भी चढ़ गए। जैसे ही कप्तान ट्रॉफी के साथ पहुंचे, प्रशंसकों ने 'इंडिया इंडिया'' के नारों से माहौल को और भी जोशीला बना दिया।

भारत ने रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप खिताब को अपने नाम किया। अधिकारियों ने बताया कि अडालत बावड़ी का यह दौरा भारतीय कप्तान और विश्व कप ट्रॉफी के साथ आयोजित एक प्रमोशनल फोटोशूट का हिस्सा था। इससे पहले भी इस ऐतिहासिक स्मारक पर इसी तरह के फोटोशूट आयोजित किए जा चुके हैं। बड़ी भीड़ को देखते हुए बावड़ी परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अडालज नी वाव के नाम से प्रसिद्ध यह बावड़ी गुजरात के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों में से एक है और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती है। अहमदाबाद से लगभग 18 किलोमीटर दूर स्थित इस बावड़ी का निर्माण वर्ष 1499 में वाघेला शासक राणा वीर सिंह की पत्नी रानी रुदाबाई ने करवाया था। पांच मंजिला यह संरचना अपनी बारीक नक्काशी और विशिष्ट भारतीय-इस्लामिक वास्तुकला शैली के लिए प्रसिद्ध है। अष्टकोणीय आकार की यह बावड़ी मध्यकालीन दौर में पानी के स्रोत के साथ-साथ यात्रियों के विश्राम स्थल के रूप में भी उपयोग में लाई जाती थी। खूबसूरती से तराशी गई दीवारें गुजरात के सबसे आकर्षक विरासत में एक है।

बारबाडोस से अहमदाबाद तक : क्रिकेट में भारत के दबदबे की अभूतपूर्व दास्तान

टी-20 में भारतीय टीम को अब हरा पाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी

नई दिल्ली, एजेंसी

वेस्टइंडीज के बारबाडोस में मिली जीत ने जहां बरसों की नाकामी का कलंक मिटाया तो अहमदाबाद में नई बादशाहत कायम हुई। वाकई क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में इस भारतीय टीम को हरा पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन सा लगने लगा है। न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से हराकर भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार चैम्पियन बनने का रिकॉर्ड ही नहीं बनाया बल्कि ताबड़तोड़ क्रिकेट में भारत की बादशाहत की तस्दीक भी कर दी। मैदान पर भारत का प्रदर्शन इस कदर शानदार रहा कि टूर्नामेंट से पहले सुरक्षा कारणों से बांग्लादेश के बाहर होने और भारत के खिलाफ मैच को लेकर पाकिस्तान की बहिष्कार की धमकी को लोग भूल ही गए।

भारत तीन टी20 विश्व कप (2007, 2024 और 2026) जीतने और लगातार दो बार खिताब अपने नाम करने वाली पहली टीम बन गई है। क्रिकेट की आर्थिक धुरी तो बीसीसीआई पहले ही से है। भारतीय क्रिकेट की प्रतिभा ने मिलकर सत्ता और प्रतिभा का बेहतरीन कॉकटेल बना दिया है।

टी-20 विश्व कप जीतने के बाद देर रात तक जश्न मनाती रही भारतीय टीम। एजेंसी

यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि दो दशक पहले शुरू हुए खेल के इस प्रारूप में मौजूदा भारतीय टीम अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम है।

भारत का वर्चस्व कुछ उसी तरह का है जैसे 70 या 80 के दशक में वेस्टइंडीज का और मिलेनियम के पहले दशक में आस्ट्रेलिया का हुआ करता था। भारत की जीत के अंदाज और अंतर ने इस प्रारूप में टीम की श्रेष्ठता तो साबित की है लेकिन जिन खिलाड़ियों को टीम में जगह बनाने का मौका नहीं मिल सका, उन पर दृष्टिपात करें तो भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा की गहराई का पता चलता है। संजू सैमसन, ईशान किशन, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे सभी ने जीत में योगदान दिया। लेकिन यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी जो बाहर रहे, वे दुनिया की किसी भी टीम में जगह पाने के हकदार थे। चौदह वर्ष के वैभव सूर्यवंशी को कैसे भुलाया जा सकता है। क्रिकेट पंडितों का मानना है कि भारत अपनी 'ए' टीम खड़ी करके भी विश्व कप जीत सकता है। भारत की सफलता के पीछे टीम प्रबंधन के साहसिक फैसले, विकेट बचाने की बजाय तेजी से खेलने की रणनीति, मैदान पर उस पर सटीक अमल शामिल है।

दूसरी तरफ एक बार फिर आईसीसी के सफेद गेंद के टूर्नामेंट के नॉकआउट में आसानी से घुटने टेककर लगता है कि न्यूजीलैंड ने 'चोकर्स' का ठप्पा दक्षिण अफ्रीका से ले लिया है। कीवी टीम 2015 से 13 आईसीसी टूर्नामेंटों में से छह के फाइनल में पहुंची लेकिन सिर्फ एक 2021 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीती।

इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान क्रिकेट का लंबे समय से चला आ रहा खराब दौर जारी रहा। बार बार कप्तान बदलना, टीम में एकता का अभाव और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम की कमी साफ नजर आई।

वहीं एसोसिएट टीमों ने अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी हालांकि उन्हें अभी लंबा सफर तय करना है। अमेरिका ने भारत को कड़ी चुनौती दी जबकि इंग्लैंड टीम नेपाल के खिलाफ उलटफेर का शिकार होने से बची। कनाडा के युवराज सामरा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जमाया और जिम्बाब्वे ने आस्ट्रेलिया को ग्रुप चरण में हराकर बाहर किया।

निजी उपलब्धियों का नहीं मनाया जाएगा जश्न : गंभीर

अहमदाबाद, एजेंसी

- आईसीसी के फाइनल में दो बार अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे गौतम गंभीर का छलका दर्द

गौतम गंभीर इस एक बात को कहते हुए कभी नहीं थकते। असल में वह इसे हर मौके पर उन लोगों के लिए दोहराते हैं जिन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया है और वह यह है कि मुख्य कोच के तौर पर उनके कार्यकाल में निजी उपलब्धियों का जश्न नहीं मनाया जाएगा। इस सिद्धांत की सबसे नवीनतम झलक तब दिखी जब भारत ने रविवार को यहां फाइनल में बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर अपना तीसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता।

आईसीसी के वैश्विक फाइनल में दो बार अपनी टीम के लिए शीर्ष स्कोरर रहे गंभीर ने जोर देते हुए कहा मुझे लगता है कि सूर्या (भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव) के साथ मेरा सामान्य सा फलसफा हमेशा से यही रहा है कि उपलब्धियां मायने नहीं रखती। ट्रॉफी मायने रखती हैं। भारतीय क्रिकेट में बहुत लंबे समय से हम उपलब्धियों के बारे में बात करते आ रहे हैं। और मुझे उम्मीद है कि जब तक मैं हूं हम उपलब्धियों के बारे में बात नहीं करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद ने क्रिकेट मीडिया से 'उपलब्धियों' नहीं बल्कि 'ट्रॉफी' का जश्न बनाने की अपील की। उन्होंने दोहराया उपलब्धियों का जश्न मनाना बंद करो, ट्रॉफी का जश्न मनाओ। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि टीम खेल का बड़ा उद्देश्य ट्रॉफी जीतना है, ना कि व्यक्तिगत रन बनाना। यह मेरे लिए कभी मायने नहीं रखता था और ना ही कभी रखेगा। गंभीर ने कहा मैं बहुत खुशकिस्मत रहा हूं कि सूर्या और मेरी राय एक ही है, विशेषकर इस मामले में। किसी का नाम नहीं लिया गया लेकिन यह समझना अधिक मुश्किल नहीं है कि वह किन 'उपलब्धियां हासिल करने वालों' की बात कर रहे थे। गंभीर ने संजू सैमसन की पारियों का जिक्र करते हुए कहा कि टीम खेल कैसे खेला जाता है ये पारियां इसका सबसे अच्छा उदाहरण है।

नहीं मिला श्रेय

भारतीय क्रिकेट में यह एक खुला राज है कि गंभीर को हमेशा से लगता रहा है कि 2011 विश्व कप फाइनल में मैच का रुख बदलने वाली उनकी 97 रन की पारी या 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में उनकी 75 रन की पारी को कमतर आंका गया। दोनों ही मामलों में महेंद्र सिंह धोनी का मैच जिताने वाला छक्का (2011) और जोगिंदर शर्मा को आखिरी ओवर देने का उनका मास्टरस्ट्रोक (2007) भारतीय क्रिकेट की लोककथाओं का हिस्सा बन गया।

आईपीएल में पहली बार उतरेंगे लखनऊ के नमन व अमेठी के प्रशांत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नमन तिवारी व प्रशांत वीर।

- आईपीएल में यूपी का जलवा, 12 खिलाड़ी अलग-अलग टीमों में
- धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करेंगे प्रशांत वीर
- एलएसजी में नमन तिवारी को मौका मिलने की उम्मीद

अमृत विचार। 28 मार्च से शुरू होने जा रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें संस्करण में इस बार यूपी के खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिलेगा। खास तौर पर लखनऊ के बाएं हाथ के मीडियम पेसर नमन तिवारी और अमेठी के प्रशांत वीर पर सभी की निगाहें रहेंगी।

दोनों खिलाड़ी पहली बार आईपीएल में पदार्पण कर रहे हैं और अपने प्रदर्शन से पहचान बनाने को तैयार हैं। नमन तिवारी पहले भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रह चुके हैं और उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने अपनी टीम में शामिल किया है। टीम में पहले से मौजूद मोहसिन खान के साथ नमन को भी इस सीजन में अपनी धारदार गेंदबाजी दिखाने का मौका मिल सकता है। वहीं अमेठी के प्रशांत वीर ने यूपी लीग में शानदार प्रदर्शन कर सुर्खियां बटोरी थीं। मिनी ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने उन्हें खरीदा, जिसके बाद वे पहली बार आईपीएल का हिस्सा बनेंगे। इस दौरान उन्हें टीम के कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम शेयर करने का मौका मिलेगा, जो उनके लिए बड़े अनुभव की तरह होगा।

यूपी के एक दर्जन खिलाड़ी अलग-अलग टीमों में : इस सीजन में उत्तर प्रदेश के करीब एक दर्जन खिलाड़ी विभिन्न फ्रेंचाइजी टीमों का हिस्सा बनकर मैदान में उतरेंगे। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि ये खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीमों को मजबूती देंगे बल्कि खिताब की दौड़ में भी अहम भूमिका निभाएंगे। रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु की गेंदबाजी की जिम्मेदारी मेरठ के भुवनेश्वर कुमार और प्रयागराज के यश दयाल के कंधों पर होगी। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए अलीगढ़ के रिंकू सिंह और हापुड़ के कार्तिक त्यागी मैदान में उतरेंगे। दिल्ली कैपिटल्स में कानपुर के कुलदीप यादव, मेरठ के समीर रिजवी और बाराबंकी के विप्रज निगम को जगह मिली है। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ के जीशान अंसारी और नोएडा के शिवम मावी पर भरोसा जताया है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ : पूर्व भारतीय खिलाड़ी ज्ञानेंद्र पाण्डेय का कहना है कि आईपीएल ऐसा मंच है जहां दुनिया भर के खिलाड़ी एक साथ खेलते हैं। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भारतीय टीम के दरवाजे तक पहुंच सकते हैं। इकाना स्टेडियम के सीनियर एमडी उदय सिन्हा के मुताबिक प्रदेश के खिलाड़ियों की बढ़ती मांग यूपी क्रिकेट के लिए सकारात्मक संकेत है और इससे नई प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। वहीं उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की जूनियर चयन समिति के चेयरमैन और पूर्व रणजी खिलाड़ी कमलकांत कनौजिया का कहना है कि यूपी के खिलाड़ियों की मौजूदगी से युवा क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी और भविष्य में प्रदेश से और भी खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिखाई देंगे।

किन टीमों में यूपी के कौन-कौन खिलाड़ी

- **दिल्ली कैपिटल्स :** विप्रज निगम (बाराबंकी), कुलदीप यादव (कानपुर), समीर रिजवी (मेरठ)
- **कोलकाता नाइट राइडर्स :** रिंकू सिंह (अलीगढ़), कार्तिक त्यागी (हापुड़)
  लखनऊ सुपर जायंट्स – मोहसिन खान (संभल), नमन तिवारी (लखनऊ)
- **रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु :** भुवनेश्वर कुमार (मेरठ), यश दयाल (प्रयागराज)
  सनराइजर्स हैदराबाद – जीशान अंसारी (लखनऊ), शिवम मावी (नोएडा)
- **चेन्नई सुपर किंग्स :** प्रशांत वीर (अमेठी)

अब नजरें ओलंपिक स्वर्ण पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- 14-30 जुलाई 2028 तक ग्रीष्मकालीन ओलंपिक होगा लॉस एंजिलिस में

टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम की औसत उम्र तीस के करीब है लिहाजा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले अगले टी20 विश्व कप में भी उनके खेलने की पूरी संभावना है। लेकिन इससे पहले खिलाड़ियों के पास लॉस एंजिलिस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने का भी मौका होगा चूंकि क्रिकेट की 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी हो रही है।

भारत की विश्व कप विजेता इस टीम में सिर्फ कप्तान सूर्यकुमार यादव ही 35 साल के हैं लेकिन उनका इरादा 2028 में ये दोनों टूर्नामेंट खेलने का है। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में मिली जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा एक टीम के रूप में हमने जो कुछ हासिल किया है, वह काफी खास है। अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक स्वर्ण और उसी साल टी20 विश्व कप भी है। उन्होंने कहा 2024 के बाद से जिस तरह से सफर तय किया गया है, हम काफी रोमांचित हैं। हमने तीन आईसीसी ट्रॉफी (वनडे चैम्पियंस ट्रॉफी समेत) लगातार जीती। 2024 में लंबे समय बाद आईसीसी खिताब जीता। हमें पता है कि हम किस तरह से खेलना चाहते थे। 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। सूर्यकुमार ने कहा हमने 2025 में चैम्पियंस ट्रॉफी (रोहित शर्मा की कप्तानी में) जीती और बिल्कुल अलग तरह की क्रिकेट खेली।

चर्चा में आई जोड़ी

टी-20 विश्व कप का फाइनल जीतने के बाद पार्टनर माहिका शर्मा के साथ जश्न मनाते हार्दिक पंड्या। ● एजेंसी

प्रेरणा | सैमसन के रूप में नए खेल आइकन के सामने आने से केरल में खुशी की लहर

पिता ने कहा था– संजू अपनी जड़ों से कभी दूर मत जाना

बेंगलुरु, एजेंसी

एक छोटी सी कहानी है जो सैमसन विश्वनाथ के अपने बेटे संजू पर गहरे असर के बारे में बहुत कुछ बताती है। केरल का यह क्रिकेटर राजस्थान रॉयल्स के लिए अपने पहले आईपीएल सत्र के बाद एक स्टार की तरह अपने गृहनगर विझिंजम लौटा था।

कभी संजू के साथ सड़कों पर खेलने वाले गांव के युवा क्रिकेटर अब उसके पास जाने से हिचकिचा रहे थे। उनकी हिचकिचाहट को भांपते हुए दिल्ली पुलिस के पूर्व अधिकारी विश्वनाथ ने संजू को कुछ समय के लिए अपने पुराने दोस्तों के साथ खेलने के लिए कहा। उस समय संजू को अपने पिता से सलाह मिली अपनी जड़ों से कभी दूर मत जाना। ये शब्द संजू के साथ तब भी रहे जब उन्होंने खेल के उतार-चढ़ाव का सामना किया।

हाल में संपन्न टी20 विश्व कप में सैमसन 321 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। सैमसन के शुरुआती कोच बीजू जॉर्ज ने बताया मुझे लगता है कि उसके शुरुआती मुकाबलों की तुलना में मुख्य अंतर यह है कि उसके पैरों में स्थिरता लौट आई है, एक मजबूत आधार हमेशा से उसकी ताकत रही है। जब वह क्रीज में पीछे की ओर जाने लगा तो इससे उसका संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने कहा लेकिन अब ऐसा लगता है कि उसने वह स्थिर आधार वापस पा लिया है और यह उसकी बल्लेबाजी में दिखता है। मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर के खिलाफ बेसिक्स पर लौटने से मिली मदद साफ नजर आ रही थी।

संजू सैमसन को शाबाशी देते मुख्य कोच गौतम गंभीर। एजेंसी

यह जानते हुए कि सैमसन अपने शरीर की तरफ आने वाली गेंदों के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं आर्चर ने शॉर्ट गेंद फेंकी लेकिन दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने घूमकर उसे स्क्वायर लेग के पीछे छक्के के लिए पुल कर दिया। अपने अगले ओवर में आर्चर ने फिर से एक शॉर्ट पिच गेंद के खिलाफ संजू की काबिलियत को परखने की कोशिश की और इस बार इस सलामी बल्लेबाज ने गेंद को वानखेड़े स्टेडियम में मिडविकेट के पीछे दूसरे टीयर के स्टैंड पर भेजा दिया। इन दो शॉट में संजू ने आर्चर और बाउंसर के खिलाफ अपनी कमजोरी से सफलतापूर्वक निपटा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी सुपर आठ मुकाबले से पहले तक संजू का करियर खतरे में था। हालांकि उन्होंने आखिरी तीन महत्वपूर्ण मुकाबलों में नाबाद 97, 89 और 89 रन की पारियां खेलकर भारत को अपना तीसरा टी20 विश्व कप जिताने में मदद की। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 विश्व खिताब जीतने वाली पहली टीम बना। मुख्य कोच गौतम गंभीर भी सैमसन की कोशिश से बहुत खुश थे और उन्होंने उन्हें एक विशेष प्रतिभा कहा।

जो भी मौके मिलें उन्हें जाने मत दो

विश्वनाथ ने कहा मैंने उसे (जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद) एक मैसेज भेजा। अपने देश के लिए अच्छा करो, तुम पहले से ही 31 साल के हो और जो भी मौके तुम्हें मिलें उन्हें जाने मत दो। उन्होंने कहा मुझे पता है कि उसमें सभी तरह का कौशल है क्योंकि वह 13 साल की उम्र से गंभीर क्रिकेट खेल रहा है और यह सब उसकी सोच को सही करने के बारे में था। बल्लेबाजी क्रम या ऐसी किसी भी चीज की चिंता मत करो बस खुले दिमाग से खेलो। ऐसा लगता कि सैमसन ने इस सलाह को दिल से मान लिया और लगातार तीन अर्धशतक लगाए। विश्वनाथ ने भावनात्मक होते हुए कहा, मैं अपने पोडियन (बेटे) को जानता हूं। मैं उसे छोटी उम्र से देख रहा हूं। मुझे पता था, हम सब जानते थे कि वह वापसी करेगा।